वसुधैव कुटुम्बकम्

सनातन - वैश्य वर्ण

अग्रवाल समाज वंशावली

A wealth of knowledge on genealogy

।। वार्षिक पुस्तक 2024।।

harshgoel2k@gmail.com

वसुधैव कुटुम्बकम्

सनातन - वैश्य वर्ण

अग्रवाल समाज वंशावली

।। वार्षिक पुस्तक 2024 ।।

हर्ष वर्धन गोयल (सिंगापुर)

(लेखक एवं संकलनकर्ता)

agrvanshawali@gmail.com

पंचमी रविवार माघ कृष्णपक्ष सम्वत २०८१
19 जनवरी 2025

harshgoel2k@gmail.com

पूजनीय

माताजी

एवं

पिताजी

को

समर्पित

harshgoel2k@gmail.com

|| मंगलाचार ||

ॐ सर्वे भवन्तु सुखिनः
सर्वे सन्तु निरामयाः ।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु
मा कश्चिद्दुःखभाग्भवेत् ।
ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः ॥

सभी सुखी रहें, सभी रोगमुक्त रहें, सभी मंगलमय घटनाओं के साक्षी बनें
किसी को भी दुःख का भागी न बनना पड़े।
ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः ॥

Om Sarve Bhavantu Sukhinah, Sarve Santu Niraamayaah |
Sarve Bhadraanni Pashyantu, Maa Kashcid-Duhkha-Bhaag-Bhavet |
Om Shaantih Shaantih Shaantih ||

Om, May All be Happy, May All be Free from Illness
May All See what is Auspicious, May no one Suffer
Om Peace, Peace, Peace

harshgoel2k@gmail.com

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा॥

|| अस्वीकरण (DISCLAIMER) ||

पुस्तक संग्रह वसुधैव कुटुम्बकम् - अग्रवाल समाज वंशावली - वार्षिक पुस्तक 2024 और उसके साथ संलग्न पुस्तिकाओं के निरूपण, टंकण और प्रकाशन में और उसके अन्य स्वरूपों का प्रस्तुतीकरण अत्यधिक सजगता के साथ किया गया है यह पुस्तक संग्रह किसी भी मान्यता, वर्तमान नियम और नीति के उल्लंघन का मंतव्य नहीं रखती और न ही करती है न ही कोई अपना नवीन मत प्रस्तुत करती है या उसका अनुमोदन करती है इसका दृष्टिकोण तटस्थ है और लेखक द्वारा प्रस्तुत सामग्री यथावत प्रस्तुत की गयी है कथचित लेखों में त्रुटियां, पूर्वाग्रह, प्रतिरूप में वर्तिनी और संग्रह में भिन्न मत रह सकते हैं। हम पाठकों को इन समस्याओं के समाधान पाने में सहायता करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। अधिकांशतः लेख और वंशावली पूर्ण अथवा आंशिक रूप से सहयोगी व्यक्तियों द्वारा प्रदत हैं इन लेखों में वैज्ञानिक, शैक्षणिक अथवा व्यावसायिक योग्यताओं का अभाव हो सकता है।

यह संकलन स्वयंसेवकों और योगदानकर्ताओं के सहयोग और रुचि पर आधारित है। यह किसी भी प्रकार की किसी भी न्याय व्यवस्था में दंडनीय नहीं है मात्र सन्दर्भ के लिए अन्य सन्दर्भों की पुष्टि के लिए प्रयोग की जा सकती है। यदि इस कृति से किसी भी प्रकार की क्षति अथवा व्यवधान पहुँचता है तो इस पुस्तक से सम्बंधित कोई भी व्यक्ति और संस्थान उत्तरदायी नहीं है।

किसी भी प्रकार की त्रुटि के लिए लेखक को सूचित करें कमी सुधार ली जाएगी।

।। अनुक्रमणिका।।

।। कुलदेवी महालक्ष्मी का आशीर्वाद ।।

उवाच मधुरा वाणी, साधूनामभयकरी।
वरं ब्रूहि महाराज, यस्ते मनसि वर्त्तते।।
ददामद्यैव सकलं, तव पूजा प्रतोषिता ।। महालक्ष्मी वृत कथा 90।।

महालक्ष्मी अपनी मधुर वाणी में बोली, मैं तुम्हारी भक्ति से प्रसन्न हूँ, हे यथेष्ठ, जो तुम्हारे ह्रदय में कामना हो वह वर मांगो, मै तुम्हे मनोइच्छित वर देती हूँ ।

तब कुलं न विमोक्ष्यामि, यावच्चन्द्र दिवा करौ।
वशं भवतु ते शक्रो, सदेवों बलवाहनः।। महालक्ष्मी वृत कथा 92।।

जब तक सूर्य चन्द्रमा विद्यमान हैं तेरे कुल पर कृपा दृष्टि रखूंगी, इन्द्र आदि देवता तुम्हारे सहायक होंगे अग्रकुल के जन बलवान और वाहनयुक्त होंगे।

आधार अभवत्येषा, कथा ममुतवान्विता।
भुवि येषां गृहे पूजा, लिखिता चापि पुस्तकी।। महालक्ष्मी वृत कथा 93।।

तदहं न विमोक्ष्यामि, यावती पृथिवीमिमा।
प्रसादं च स्वयं भुक्त् वा नान्यस्यै प्रति पादयेत।। महालक्ष्मी वृत कथा 94।।

इस जगत में जिस-जिस घर में मेरी पूजा होती है जब तक पृथ्वी रहेगी मैं उनका साथ नहीं छोड़ुंगी। जो मेरा प्रसाद ग्रहण कर औरो को दें , विद्वान को भोजन करावे, जिस घर में विधि विधान से पूजा होवें उस घर से दरिद्रता नष्ट हो जाएगी।

शत्रु रोग भयं नारित कुल कीत्ति प्रवर्धनं।
पुत्र पौत्र कुलैः सार्ध भुक्ष्व राज्यमकंटकम्।। महालक्ष्मी वृत कथा 96।।

शत्रु या रोग का भय नहीं रहेगा कुल और कीर्ति सदा बढ़ती रहेगी। अपने पुत्र-पौत्र और कुल के साथ बिना किसी बाधा के राज्य का भोग करोगे।

स देहेन च गोलोकमन्ते यास्यसि निश्चितम्।
ध्रुवस्थ पूर्वे द्वौ तारौ भविष्ये च प्रियासह।। महालक्ष्मी वृत कथा 97।।

निसंदेह तुम्हें स्वर्गलोक प्राप्त होगा, राजन तुझे मेरा यह सब आशीर्वाद है, तुम्हारा वंश ध्रुव की भांति सदा अटल रहेगा।

|| मंगलकामनाएँ ||

हर्ष वर्धन गोयल
(लेखक/संपादक)

वसुधैव कुटुम्बकम् का द्वितीय वार्षिक अंक प्रस्तुत करते हुए मुझे बड़ी प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। हमारी महान सनातन संस्कृति और धर्म का मूल हमारा सहत्रों वर्षों का प्राचीन चिंतन है। हमारे सात्विक संस्कार तथा उच्चतम कोटि की विचारधारा से संचित, गहन, विस्तृत और समावेशी दर्शन में साकार, निराकार, अद्वैत और द्वैत आदि जितनी भी संभव विस्तृत व्याख्या हो सकती है उतनी संसार की किसी और सभ्यता में देखने को नहीं मिलती है। वैज्ञानिक नियमों से पूर्ण भाषा, खगोल, औषिधि, अर्थशास्त्र, जीवशास्त्र, लौकिक, अलौकिक, भौतिक, परा-अपरा विज्ञान से युक्त हमारा ज्ञान विश्व में अद्वित्य है।

सभ्यता की महानता मात्र उसके दर्शन, उसकी पुस्तकों, उसके इतिहास तक सीमित नहीं होती, वह धरातल पर रहने वाले, उसके मानने वालों पर निर्भर करती है। कोई भी संस्कृति, सभ्यता तभी तक जीवंत रहती है जब तब उसे लोगों द्वारा पोषित किया जाता है अन्यथा इतिहास के पन्नों पर ऐसे कई महान वंश और महान साम्राज्य मिल जाएँगे जिनके चिन्ह भी आज खोज पाना संभव नहीं है।

इस अंक में हमने कुछ चयनित आलेखों को सम्मिलित किया है दिल्ली सम्राट वीर विक्रमादित्य हेमचन्द्र के जन्म, जन्म स्थान, परिवार, पैतृक घर और कुल पर मतभेद है। इसका मुख्य कारण महान हेमचन्द्र विक्रमादित्य के प्रारंभिक जीवन के समसामयिक प्राप्य वृत्तांत बहुत ही संक्षिप्त है। अनेको शोधकर्ताओं ने अपने-अपने मतानुसार इतिहास के बिंदुओं का सुविधानुसार प्रयोग करते हुए इतिहास लिखा है। वंशावली संकलन में कुछ अन्य तथ्य सामने आये तब विक्रमादित्य हेमचन्द्र का इतिहास और अधिक स्पष्ट हुआ, सम्मिलित शोध तत्कालीन इतिहासकारों द्वारा लिखे इतिहास में वर्णित उन समस्त निर्विवाद बिंदुओं को मध्य रख और प्राप्त नवीन जानकारी पर आधारित है। इस वर्ष एक बड़ा कार्य सिंघल गोत्री लाठ परिवार की वंशावली की पुस्तक के प्रकाशन का हुआ, स्वर्गीय तोलाराम लाठ (बीकानेर वाले), श्री बद्री नारायण लाठ (देवरिया/हैदराबाद) और विशेष आभार श्री अरुण लाठ (कलकत्ता वाले) का व्यक्त करना चाहता हूँ यह पुस्तक श्री अरुण लाठ जी और लाठ कुटुंब के अनेक वर्षो के अथक प्रयासों और सहयोग का सुखद फल है। आज हमारे पास लाठ अग्रवाल परिवार की बहुत विस्तृत वंशावली है जिसमे 36 पीढ़ियों का इतिहास संजोया गया है अनुमानित 700-875 वर्षों का इतिहास जो कदाचित लाठ परिवार के अग्रोहा से विस्थापन, महमूद गौरी के भारत आक्रमण के समय तक जाता है।

इस संकलन में कई अन्य ऐतिहासिक तथ्य प्रकाश में आया कि लाठ कुटुंबनाम अंग्रेजों द्वारा अथवा लठ्ठ रखने से नहीं निकला यह कुटुंब नाम एक स्थान परक नाम है जिसका विस्तृत वर्णन हमने वंश परिचय भाग में किया है।

एक शोध पत्र गंगल गोत्र पर भी सम्मिलित किया गया है श्री भारत भूषण गुप्ता (गंगल गोत्र निवास जयनारायण व्यास नगर बीकानेर राजस्थान) के साथ संयुक्त प्रयास से गंगल गोत्र वंशावली संकलन और गंगल गोत्र का ऐतिहासिक विश्लेषण किया है जो कई भ्रांतियों का निवारण करता है ।

क्या भारतीय बाहर से आये अथवा प्राचीन काल से स्थानीय निवासी हैं यह प्रश्न कई मंचों पर उठा, मैंने स्वयं अपना डीएनए विश्लेषण करा कर इन तथ्यों की पुष्टि की, प्राप्त डेटा अनुसार अग्रवाल कुटुंब वाले लोगों का शीर्ष पैतृक हैप्लोग्रुप H-M52 है, जो मुख्य रूप से मध्य और दक्षिण एशियाई वंश वाले लोगों में पाया जाता है। हैप्लोग्रुप H-M52 हैप्लोग्रुप H-L901 का उपभाग है। यह मुख्य रूप से मध्य और दक्षिण एशियाई लोगों में पाए जाते हैं। हैप्लोग्रुप एच आम तौर पर भारतीय उपमहाद्वीप में इंडो-आर्यन, द्रविड़ और भारतीय आदिवासी आबादी में पाया जाता है। सरल शब्दों में प्राप्त डेटा के आधार पर, अग्रवाल अनुवांशिकी संरचना के हैप्लोग्रुप में उत्तरी भारतीय पंजाब प्रान्त का पितृवंश समूह अत्यधिक प्रतिशत में पाया गया है जो कि ऐतिहासिक जानकारी के एकदम अनुकूल है उनके अलावा गुजरात दक्षिण भारत और बांग्ला पितृवंश समूह भी पाया गया है। हैप्लोग्रुप एच का मूल भारतीयों आदिवासी का होना और मुख्यतः पंजाब प्रान्त से सम्बंधित होना अग्रवालों के इतिहास तो प्रमुखता से पुष्टि करता है।

इतिहास और वंशावली परिवार को जोड़ने का एक अनुपम कार्य करती है समाज में आदर्श स्थापित हो, परिवारों की उपलब्धियां, उनके द्वारा किये सामाजिक और धार्मिक कार्यं, विशिष्ट और प्रबुद्ध जनों के नाम और कार्यों का भी संकलन हो जिससे समाज में आदर्श और प्रेरणा स्थापित हो सके जिनसे मनुष्य एक श्रेष्ठ व्यवाहरिक जीवन प्रेरित हो यही हमारा प्रयास रहा है।

किसी भी समाज की एकजुटता का आधार उसकी एकबद्धता है और अग्रवालों के वंशों को सहेजती यह पुस्तक इस दिशा में एक अनूठा प्रयास है। भविष्य में यह पुस्तक हमें अपने समृद्ध इतिहास और संस्कृति से जोड़े रखेगी इस शुभ भावना के साथ सभी के साथ आइए प्रयास करें और अपनी समृद्ध संस्कृति से जुड़ें और अपनी प्राचीन संस्कारों को, जड़ों को पुन: बल प्रदान करें!

सभी के लिए मंगलकामनाएँ!!

हर्ष वर्धन गोयल

अध्यक्ष

अग्र वंशावली शोध परिषद्

हमें अपने वंश वृक्ष को संरक्षित करने की आवश्यकता क्यों है

आइए हम यह समझने की कोशिश करें कि हमारे वंश वृक्ष की खोज करना, जानकारी प्राप्त करना, इकट्ठा करना और संरक्षण करना हमें कैसे प्रभावित करता है।

हमारी जड़ें - हमारी पहचान

यह जानने के बाद कि हम कहाँ से हैं, हमारी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि क्या है और हम कहाँ से आए हैं, हमें इस बात की समझ विकसित करने में सहयक होती है कि हम वास्तव में कौन हैं। जिस तरह से हम अपनी पारिवारिक कहानियों से संबंधित होते हैं और अपने बारे में अपने स्वयं से जुड़ते हैं, वह हमारी अनूठी, प्रामाणिक मूल पहचान स्थापित करने में सहायता करता है। और इससे हमें असीम मानसिक शांति प्राप्त होती है।

संबंध

पारिवारिक अतीत, वर्तमान और भविष्य के साथ संबंध बनाना, एक मानवीय आवश्यकता है। इससे हमारा खालीपन दूर होता है। प्रत्येक मनुष्य लगाव, अपनेपन और संबंध की इच्छा रखता है और वंशावली, उसे अपने समुदाय से जोड़ने में सहायक होती है ।

करुणा का भाव

पूर्वजों के इतिहास को सीखने से हमें एक मानसिक बल प्राप्त होता है जो आने वाली चुनौतियों की अधिक समझ करने में सहायक होता है और हमें, अधिक प्रेम और करुणा को और प्रेरित करता है। यह करुणा हमारे परिवारों के भीतर और उनके बाहर लोगों के साथ हमारे संबंधों को सुधरने में सहायक होती है , जितना अधिक हम अपने अतीत के बारे में जानते हैं, उतना ही अधिक हम अपने लोगो के के साथ जुड़ाव महसूस करते हैं।

निःस्वार्थता का भाव

निस्वार्थ भाव से सहयोग करने और कार्य करने की क्षमता मानवता के लिए अद्वितीय है। हमारे इतिहास को सीखना, इसे संरक्षित करना न केवल हमारे संबंधित परिवार से, बल्कि पूरे मानव परिवार को जुड़ने का और निस्वार्थ सहयोग प्रदान करना का वातावरण देता है।

आत्म-मूल्य

अपने इतिहास से सीखना, और उसे संरक्षित करना हमें अलगाववाद , व्यक्तिवाद , कट्टरपंथ से दूर करता है। हम सब एक ही ब्रह्म की संतानें हैं और कोई छोटा बड़ा ऊँच-नीच नहीं है, यह हमें आत्म- मूल्यांकन का अवसर प्रदान करता है।

।। वंशावली पुस्तकों की सूची।।

क्रमांक	पुस्तक	विवरण
1	वसुधैव कुटुम्बकम् - अग्रवाल समाज वंशावली वार्षिक पुस्तक 2024 (मूल भाग)	महाराजा अग्रसेन जी का परिचय, गोत्र परिचय, कुटुंबनाम परिचय, वंशावलियों की सूची आदि
2	वसुधैव कुटुम्बकम् - अग्रवाल समाज वंशावली - ऐरन (Airan) गोत्र	ऐरन (Airan) गोत्र की वंशावलियाँ
3	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली बंसल (Bansal) गोत्र भाग - अंक 1	बंसल (Bansal) गोत्र की वंशावलियाँ संकलन 1 से 10 तक
4	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली बंसल (Bansal) गोत्र भाग - अंक 2	बंसल (Bansal) गोत्र की वंशावलियाँ संकलन 11 से 20 तक
5	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली बंसल (Bansal) गोत्र भाग - अंक 3	बंसल (Bansal) गोत्र की वंशावलियाँ संकलन 21 से 30 तक
6	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली बंसल (Bansal) गोत्र - तुलसियान परिवार	तुलसियान परिवार बंसल (Bansal) गोत्र की वंशावलियाँ
7	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली बंसल (Bansal) गोत्र - देवड़ा परिवार	देवड़ा परिवार बंसल (Bansal) गोत्र की वंशावलियाँ
8	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली बंसल (Bansal) गोत्र - बिहरोरिया परिवार	बिहरोरिया परिवार बंसल (Bansal) गोत्र की वंशावलियाँ
9	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली बंसल (Bansal) गोत्र - जालान परिवार	जालान परिवार बंसल (Bansal) गोत्र की वंशावलियाँ

।। वंशावली पुस्तकों की सूची।।

क्रमांक	पुस्तक	विवरण
10	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली बंसल (Bansal) गोत्र - झुनझुनवाला परिवार	झुनझुनवाला परिवार बंसल (Bansal) गोत्र की वंशावलियाँ
11	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली बंसल (Bansal) गोत्र - जुमानपुरका पोतदार परिवार	जुमानपुरका पोतदार परिवार बंसल (Bansal) गोत्र की वंशावलियाँ
12	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - बिंदल (Bindal) गोत्र अंक 1	बिंदल (Bindal) गोत्र की वंशावलियाँ संकलन 1 से 10 तक
13	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - बिंदल (Bindal) गोत्र लडिया परिवार	लडिया परिवार बिंदल (Bindal) गोत्र की वंशावलियाँ
14	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - गर्ग (Garg) गोत्र अंक 1	गर्ग (Garg) गोत्र की वंशावलियाँ संकलन 1 से 10 तक
15	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - गर्ग (Garg) गोत्र अंक 2	गर्ग (Garg) गोत्र की वंशावलियाँ संकलन 11 से 20 तक
16	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - गर्ग (Garg) गोत्र अंक 3	गर्ग (Garg) गोत्र की वंशावलियाँ संकलन 21 से 30 तक
17	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - गर्ग (Garg) गोत्र अंक 4	गर्ग (Garg) गोत्र की वंशावलियाँ संकलन 31 से 40 तक
18	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - गर्ग (Garg) गोत्र अंक 5	गर्ग (Garg) गोत्र की वंशावलियाँ संकलन 41 से 50 तक
19	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - गर्ग (Garg) गोत्र अंक 6	गर्ग (Garg) गोत्र की वंशावलियाँ संकलन 51 से 60 तक

।। वंशावली पुस्तकों की सूची।।

क्रमांक	पुस्तक	विवरण
20	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - गर्ग (Garg) गोत्र	बगड़िया परिवार गर्ग (Garg) गोत्र की वंशावलियाँ
21	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - गोयल (Goyal) गोत्र अंक 1	गोयल (Goyal) गोत्र की वंशावलियाँ 1 संकलन 1 से 10 तक
22	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - गोयल (Goyal) गोत्र अंक 2	गोयल (Goyal) गोत्र की वंशावलियाँ संकलन 11 से 20 तक
23	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - गोयल (Goyal) गोत्र अंक 3	गोयल (Goyal) गोत्र की वंशावलियाँ संकलन 21 से 30 तक
24	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - गोयल (Goyal) गोत्र अंक 4	गोयल (Goyal) गोत्र की वंशावलियाँ संकलन 31 से 40 तक
25	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - गोयल (Goyal) गोत्र अंक 5	गोयल (Goyal) गोत्र की वंशावलियाँ संकलन 41 से 50 तक
26	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - गोयल (Goyal) गोत्र अंक 6	गोयल (Goyal) गोत्र की वंशावलियाँ संकलन 51 से 60 तक
27	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - गोयल (Goyal) गोत्र अंक 7	गोयल (Goyal) गोत्र की वंशावलियाँ संकलन 61 से 70 तक
28	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - गोयल (Goyal) गोत्र भारूका परिवार	भारूका परिवार गोयल (Goyal) गोत्र की वंशावलियाँ
29	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - गोयल (Goyal) गोत्र मोर परिवार	मोर परिवार गोयल (Goyal) गोत्र की वंशावलियाँ

।। वंशावली पुस्तकों की सूची।।

क्रमांक	पुस्तक	विवरण
30	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - गोयल (Goyal) गोत्र मनसीखिरिया परिवार	तुहीराम परिवार गोयल (Goyal) गोत्र की वंशावलियाँ
31	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - गोयल (Goyal) गोत्र कुटुंबशाखा 4	मनसीखिरिया परिवार गोयल (Goyal) गोत्र की वंशावलियाँ
32	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - गोयल (Goyal) गोत्र नम्बरदार परिवार	नम्बरदार परिवार गोयल (Goyal) गोत्र की वंशावलियाँ
33	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - गोयन/गंगल (Goyan/Gangal) गोत्र	गोयन/गंगल (Goyal/Gangal) गोत्र की वंशावलियाँ
34	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - जिंदल (Jindal) गोत्र	जिंदल (Jindal) गोत्र की वंशावलियाँ
35	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - जिंदल (Jindal) गोत्र	खेमका परिवार जिंदल (Jindal) गोत्र की वंशावली
36	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - कंसल (Kansal) गोत्र	कंसल (Kansal) गोत्र की वंशावलियाँ
37	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - कुछल (Kucchal) गोत्र	कुछल (Kucchal) गोत्र की वंशावलियाँ
38	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - मधुकुल (Madhukul) गोत्र	मधुकुल (Madhukul) गोत्र की वंशावलियाँ
39	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - मंगल (Mangal) गोत्र अंक 1	मंगल (Mangal) गोत्र की वंशावलियाँ संकलन 1 से 10 तक

।। वंशावली पुस्तकों की सूची।।

क्रमांक	पुस्तक	विवरण
40	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - मंगल (Mangal) गोत्र अंक 2	मंगल (Mangal) गोत्र की वंशावलियाँ संकलन 11 से 20 तक
41	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - मंगल (Mangal) गोत्र बमोरी परिवार	बमोरी परिवार मंगल (Mangal) गोत्र की वंशावलियाँ
42	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - मित्तल (Mittal) गोत्र अंक 1	मित्तल (Mittal) गोत्र की वंशावलियाँ संकलन 1 से 10 तक
43	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - मित्तल (Mittal) गोत्र अंक 2	मित्तल (Mittal) गोत्र की वंशावलियाँ
44	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - मित्तल (Mittal) गोत्र अंक 3	मित्तल (Mittal) गोत्र की वंशावलियाँ संकलन 21 से 30 तक
45	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - मित्तल (Mittal) गोत्र अंक 4	मित्तल (Mittal) गोत्र की वंशावलियाँ संकलन 31 से 40 तक
46	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - मित्तल (Mittal) गोत्र बगड़िया परिवार	बगड़िया परिवार मित्तल (Mittal) गोत्र की वंशावलियाँ
47	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - मित्तल (Mittal) गोत्र तिरखा परिवार	तिरखा परिवार मित्तल (Mittal) गोत्र की वंशावलियाँ
48	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - मित्तल (Mittal) गोत्र मंडीवाला परिवार	मंडीवाला परिवार मित्तल (Mittal) गोत्र की वंशावलियाँ
49	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - मित्तल (Mittal) गोत्र कंदोई परिवार	कंदोई परिवार मित्तल (Mittal) गोत्र की वंशावलियाँ

।। वंशावली पुस्तकों की सूची।।

क्रमांक	पुस्तक	विवरण
50	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - मित्तल (Mittal) गोत्र महमिये परिवार	महमिये परिवार मित्तल (Mittal) गोत्र की वंशावलियाँ
51	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - मित्तल (Mittal) गोत्र अंगारके परिवार	अंगारके परिवार मित्तल (Mittal) गोत्र की वंशावलियाँ
52	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - नांगल (Nangal) गोत्र	नांगल (Nangal) गोत्र की वंशावलियाँ
53	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - सिंघल (Singhal) गोत्र अंक 1	सिंघल (Singhal) गोत्र की वंशावलियाँ संकलन 1 से 10 तक
54	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - सिंघल (Singhal) गोत्र अंक 2	सिंघल (Singhal) गोत्र की वंशावलियाँ संकलन 11 से 20 तक
55	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - सिंघल (Singhal) गोत्र अंक 3	सिंघल (Singhal) गोत्र की वंशावलियाँ संकलन 21 से 30 तक
56	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - सिंघल (Singhal) गोत्र लाठ परिवार	लाठ परिवार सिंघल (Singhal) गोत्र की वंशावलियाँ
57	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - सिंघल (Singhal) गोत्र चनाणी परिवार	चनाणी परिवार सिंघल (Singhal) गोत्र की वंशावलियाँ
58	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - सिंघल (Singhal) गोत्र नवेटिया परिवार	नवेटिया परिवार सिंघल (Singhal) गोत्र की वंशावलियाँ
59	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - सिंघल (Singhal) गोत्र जगतरामका परिवार	जगतरामका परिवार सिंघल (Singhal) गोत्र की वंशावलियाँ

।। वंशावली पुस्तकों की सूची।।

क्रमांक	पुस्तक	विवरण
60	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - सिंघल (Singhal) गोत्र समराया परिवार	खोवाला परिवार सिंघल (Singhal) गोत्र की वंशावलियाँ
61	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - सिंघल (Singhal) गोत्र कुटुंबशाखा 6	समराया परिवार सिंघल (Singhal) गोत्र की वंशावलियाँ
62	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली तायल (Tayal) गोत्र	तायल (Tayal) गोत्र की वंशावलियाँ
63	वसुधैव कुटुम्बकम् अग्रवाल समाज वंशावली - तायल (Tayal) गोत्र - सेढ़ू परिवार	सेढ़ू परिवार तायल (Tayal) गोत्र की वंशावलियाँ

।। सम्राट विक्रमादित्य हेमचन्द्र एक शोध ।।

श्री हर्ष वर्धन गोयल, सिंगापुर

विभिन्न कारणों से आधुनिक इतिहासकारों में दिल्ली सम्राट वीर विक्रमादित्य हेमचन्द्र के जन्म, जन्म स्थान, परिवार, पैतृक घर और कुल पर मतभेद है। इसका मुख्य कारण महान हेमचन्द्र विक्रमादित्य के प्रारंभिक जीवन के समसामयिक प्राप्य वृत्तांत बहुत ही संक्षिप्त है। प्रायः शोधकर्ता ने अपने-अपने मतानुसार इतिहास के बिंदुओं का सुविधानुसार प्रयोग करते हुए इतिहास लिखा है। यह शोध तत्कालीन इतिहासकारों द्वारा लिखे इतिहास में वर्णित उन समस्त निर्विवाद बिंदुओं को मध्य रख और प्राप्त नवीन जानकारी पर आधारित है।

अग्रवालों के प्राचीन इतिहास संकलन कार्य में मेरा परिचय डॉ विजय मित्तल जी से हुआ जिनसे कुछ आश्चर्यचकित करने वाले तथ्य सामने आये। डॉ विजय अवकाश प्राप्त वैज्ञानिक है वंशावली संकलन हेतु जब उनसे विस्तार से चर्चा हुई तो उन्होंने ऐसी कई बात बताई जो उन्ही के शब्दों में यहाँ प्रस्तुत है। उनका परिवार माछेरी राजस्थान से लगभग ५०० वर्ष पूर्व निकला था उनके पूर्वजो के अनुसार, वह राजाओं के परिवार से है किन्तु किसी त्रासदी के कारण बुजुर्गो द्वारा वर्षों तक इतिहास को दबाया गया जिससे वह लुप्त होता गया। उनका परिवार आज भी शाह परिवार कहलाता है और कुछ पीढ़ियों पूर्व तक उनका परिवार नमक का व्यापार करता था। मित्तल गोत्री डॉ विजय के अनुसार उनके परिवार के माछेरी पलायन के कारणों को गुप्त रखा गया, माछेरी से निकले मित्तल परिवारों की सम्पन्नता की कहानी भी उन्होंने सुनाई, माछेरी में कभी मित्तल गोत्रीय सहस्त्रों परिवार रहते थे ऐसा रातों रात क्या हुआ कि माछेरी में एक भी मित्तल परिवार नहीं बचा, उनसे वार्तालाप के बाद लगभग ५०० वर्षों पुरानी एक दुर्दांत कहानी जीवित सी हो उठी थी।

सारे बिंदुओं को जोड़ दें तो यह कुछ और नहीं बल्कि वीरता और शौर्य के बल पर इतिहास रचियेता वीर हेमचन्द्र की कहानी है। हेमचन्द्र का जन्म विजयादशमी, अक्तूबर माह सन 1501 को ग्राम मछेरी वर्तमान जिला अलवर, राजस्थान में हुआ था। उनके पिता लाला पूरणदास व्यापारी थे और नमक का व्यापार करते थे यह परिवार अपने व्यापार के विस्तार हेतु माछेरी गांव से निकलकर रिवाड़ी (वर्तमान राज्य हरियाणा) में आ बसा, दिल्ली के दक्षिण-पश्चिम में स्थित रेवाड़ी नगर उन दिनों शिक्षा और व्यापार का बड़ा स्थानीय केंद्र था रेवाड़ी में हेमचन्द्र की प्रारंभिक शिक्षा हुई उन्होंने संस्कृत, हिन्दी, फारसी, अरबी तथा गणित की शिक्षा ली। रेवाड़ी में उनके परिवार के शाह परिवार से पारिवारिक सम्बन्ध थे। रिवाड़ी में हेमू के परिवार ने एक बड़ी हवेली बनवायी थी (जिस पर इस परिवार के आगरा गमन अथवा हेमू के हार के बाद अन्य लोगो का आधिपत्य हो गया) संभवतः शाह परिवार के साथ ही इनका परिवार बड़े व्यापारिक केंद्र आगरा आ गया और तत्कालीन सुल्तान सलीम शाह ने उन्हें बाजार निरीक्षक नियुक्त किया, तत्कालीन लेखक बदाउनी और अबू-फ़ज़ल लिखते है नमक के साथ साथ राजकीय मांग पूर्ति के लिए यह परिवार बारूद में प्रयुक्त होने वाले शोरे का व्यापार भी करने लगा। जब सलीम के बेटे फिरोज शाह को मारकर मुहम्मद आदिल शाह सुल्तान बना, तो हेमू की उन्नति होती चली गयी।

वह कोतवाल, सामन्त, सेनापति और फिर प्रधानमन्त्री बन गये। जब भरे दरबार में सिकन्दर खां लोहानी ने आदिल शाह को मारना चाहा, तो हेमू ने ही उसकी रक्षा की थी। इससे हेमू आदिल शाह का विश्वासपात्र बन गये। उन्होंने कई युद्धों में भाग लिया और सबमें विजयी हुए। इससे उनकी गणना भारत के श्रेष्ठ वीरों में होने लगी। उन्होंने इब्राहीम खां, मुहम्मद खां गोरिया, ताज कर्रानी, रुख खान नूरानी आदि अनेक विद्रोहियों को पराजित कर पंजाब से लेकर बिहार और बंगाल तक अपनी वीरता के झंडे गाड़ दिये थे। हुमायूं की मृत्यु के बाद घटनाक्रम तेजी से बदला और हेमचन्द्र विक्रमादित्य के नाम से दिल्ली के सिंहासन पर आरूढ़ हुए। दिल्ली और आगरा पर हेमू का शासन होने से मुगल हेमू को शत्रु मानने लगे, बैरम खां के नेतृत्व में मुगल सेना का हेमू के विरुद्ध पांच नवम्बर, 1556 को पानीपत के मैदान में युद्ध हुआ। दोनों की सेनाएं पानीपत के मैदान में आमने सामने थी। रणभेरी बजते ही युद्ध प्रारंभ हुआ और अपने 'हवाई' नामक हाथी पर आरूढ़ होकर मुगल सेना को रौंदते हुए सम्राट हेमू आगे बढ़ने लगा, मुगल सेना में दहशत बढ़ती जा रही थी जिसे देखकर बैरम खान ने अकबर को सुरक्षित जगह छुपा कर खुद पश्चिम दिशा से सम्राट हेमू पर आक्रमण शुरू कर दिया। जब सम्राट हेमू ने 1500 हाथियों के साथ युद्ध क्षेत्रों के मध्य भाग पहुंचकर तबाही मचाना शुरू कर दिया मुगल सेना के पैर उखड़ गए मुगल सेना में भगदड़ मच गई। कुछ लोगो का मानना है कि हेमू कि पत्नी राधा और भतीजे महिपाल ने भी युद्ध में भाग लिया था।

युद्ध में बैरम खान ने कई तीरंदाज को मात्र सम्राट हेमचंद्र को निशाना बनाने का आदेश दिया। अंततः हेमू की तरफ चलाये गए अनेको तीरों में से एक तीर सम्राट की आंख में जा लगा और वो अचेत होकर हाथी के हौदे में गिर गए उनके अचेत होने के बाद सम्राट हेमू की सेना नेतत्व विहीन हो गयी। यह सूचना पाकर बैरमखां ने अविलम्ब सम्राट हेमू को पकड़वा कर, अकबर के हाथों उनकी हत्या करा दी। उनका सिर काबुल भेज दिया गया और धड़ दिल्ली में किले के द्वार पर लटका दिया। इसके बाद दिल्ली में अकबर ने भयानक नरसंहार किया और मृत सैनिकों तथा नागरिकों के सिर का टीला बनाया गया । हेमू के धड़ में बारूद भरकर उसका दहन किया गया। अकबर ने हेमू की सम्पत्ति के साथ आगरा पर भी अधिकार कर लिया।

इतिहासकार लिखते है कि उनके बूढ़े पिता और अन्य रिश्तेदारों को इस्लाम न कबूल करने पर मार दिया गया, किसी प्रकार हेमू की पत्नी दिल्ली के लालकोट से धन संपंत्ति लेकर भाग जाने में सफल रही हालांकि सेना की एक टुकड़ी ने माछेरी के आक्रमण किया और माछेरी से रातों रात सभी परिवार इधर उधर भाग गए। माछेरी से निकले मित्तल परिवारों का शाह कुटुंबनाम होना, उनके परिवार द्वारा नमक का व्यपार करना, माछेरी में मित्तल परिवार द्वारा बनवाई बावड़ी, जिसे लाला धनपाल ने आज से लगभग ६०० वर्ष पूर्व बनवाया था, आज भी होना, क्षेत्र के मित्तल परिवारों का बहुत धनी और संम्पन्न होना, हेमू का पैतृक स्थान माछेरी होना, माछेरी में मित्तल गोत्रीय सहत्रों परिवारों का होना, रातों रात मित्तल परिवारों का माछेरी से पलायन करना आदि अनेको ज्वलंत बिंदु किसी एक ही ऐतिहासिक माला के बिखरे मोती सद्दश्य है।

इतिहास अन्वेषण का विषय है जैसे-जैसे और अधिक साक्ष्य मिलते जायेगे इतिहास और अधिक स्पष्ट होता जायेगा, पितामह लाला जयपाल के पुत्र लाला पूरन दास और पौत्र हेमचन्द्र जिसने 22 युद्ध जीतकर 'विक्रमादित्य' उपाधि धारण की और दिल्ली में साम्राज्य स्थापित किया। जिसे कई इतिहासकारों ने 'मध्यकालीन भारत का नेपोलियन' कहा है। हम सभी भारतीय महाराजाधीराज विक्रमादित्य हेमराज की शौर्य गाथा और बलिदान पर उनको नमन करते है। श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं|

।। लाला राम सिंह और गुरु तेग बहादुर की खड़क "पुस्तक अग्रवाल इतिहास" के अंश ।।

श्री हर्ष वर्धन गोयल, सिंगापुर

"धरम हेत साका जिनि कीआ
सीस दीआ पर सिरड न दीआ।"

मानवीय मूल्यों, आदर्शों एवं धर्म की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति देने वालों में गुरु तेग बहादुर साहब का स्थान अद्वितीय है।

घटना १६७५ ईस्वी की है जब मुगल शासक औरंगज़ेब ने उन्हें इस्लाम स्वीकार करने को कहा तब गुरु साहब ने हुंकार भरी और कहा कि वे शीश कटा सकते हैं पर धर्म नहीं बदलेंगे। इस पर औरंगजेब के आदेश पर 24 नवम्बर को दिल्ली में लाल किले के सामने चाँदनी चौक में जल्लाद जलालुद्दीन ने तलवार से गुरु साहिब का शीश धड़ से अलग कर दिया था। गुरुद्वारा शीश गंज साहिब तथा गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब हमें उन घटना का स्मरण कराते हैं जहाँ उनका अन्तिम संस्कार किया गया था।

गुरुजी का बलिदान न केवल धर्म पालन हेतु अपितु समस्त मानवीय सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए दिया था। आततायी शासक की धर्म विरोधी और वैचारिक स्वतन्त्रता का दमन करने वाली नीतियों के विरुद्ध गुरु तेग बहादुरजी का बलिदान एक अभूतपूर्व ऐतिहासिक घटना थी। यह गुरुजी के निर्भय आचरण, धार्मिक अडिगता और नैतिक उदारता का उच्चतम उदाहरण था। गुरुजी मानवीय धर्म एवं वैचारिक स्वतन्त्रता के लिए अपनी महान शहादत देने वाले एक क्रान्तिकारी युग पुरुष थे।

अग्रवालों में प्रतिष्ठित कानूनगो परिवार की पुस्तक के अनुसार, जब गुरु तेगबहादुर जी औरंगजेब के बुलवाने पर जब दिल्ली गए तो मार्ग में जींद में अग्रवाल मोहनदास जी के पुत्र अग्रवाल रामसिंहजी के घर ठहरे। अग्रवाल रामसिंहजी और उनके परिवार ने गुरूजी की बहुत सेवा की और रामसिंहजी की श्रद्धा से प्रसन्न होकर गुरु तेगबहादुर जी ने अपनी खड़क उपहार स्वरूप रामसिंह जी को दी थी, इस घटना का वर्णन उसी वंश के श्री वृंदावन कानूनगो ने अपनी पुस्तक "अग्रवाल इतिहास" में किया है। यह वैश्य परिवार अपने समाजसेवी और धार्मिक कार्यों के लिए जाना जाता रहा है। सेठ रामसिंह जी के पुत्र गरीबदास जी हुए, गरीबदासजी इतने धनवान थे कि तत्कालीन क्षेत्र अधिकारी मोहम्मद खान ने इनसे 11,000 स्वर्ण मुद्राएं उधार ली थीं। गरीबदास जी के दो पुत्र लाला ठंडीराम और लाला गिरधारीलाल हुए, जब शाह आलम द्वारा नियुक्त अधिकारी इमदाद खान का बेटा महमूद खान जनता जनार्दन को तंग करने लगा तो लाला ठंडीराम ने शाहजहाँ सिंह से मिलकर जींद पर सनातनियों का कब्जा करा दिया महमूद खान बच कर दिल्ली भागा। और दिल्ली से शाही सेना लेकर चला, उस समय ठंडी राम जी ने अमरनाथ नामक ब्राह्मण को सरदार राजपूत सिंह के पास सहायता करनाल भेजा और रोहतक पहुँचकर धन और चतुराई से शाही सेनापति को भी अपने पक्ष में कर लिया और सेना को वापस दिल्ली उलटे पैर भेज दिया। इस प्रकार गजसिंह को राजा के पद की शपथ दिलवाई गयी और लोहरी मल को सेनापति बनाया गया। इस कार्य में उन्होंने अथाह धन खर्च कर धर्म सम्मत शासन की स्थापना कराई।

यह वही लाला ठंडीमल थे जिन्होंने पटियाला के महाराजा अमर सिंह पटियाला और दीवान नानूवाला अग्रवाल से मिलकर अग्रवालों की पवित्र भूमि अग्रोहा को फिर से स्थापित करने का विचार बनाया था और वहाँ पर किला बनवाना शुरू किया। किन्तु राजनैतिक अस्थिरता के चलते कार्य बीच में ही रुक गया तब लाला दौलतराम ने अपने पिता ठंडीराम के द्वारा आरम्भ किये कार्य तो आगे बढ़ाया पहले जींद में किला बनाकर राजा को भेंट किया फिर अग्रोहा का पुनः निर्माण कार्य आरम्भ किया।

कहते हैं, राजाओं को जब भी धन की आवश्यकता होती थी तब वह इन्हीं अग्रवालों के परिवार से सहायता लिया करते थे। महाराजा इस वैश्य परिवार का बहुत सम्मान करते थे। कहते है कि शेर ए पंजाब महाराजा रंजीत सिंह पवित्र साहबसिंह आदि की तीर्थयात्रा पर इकट्ठे जाते थे। उनके कहने पर ही महाराजा रंजीतसिंह ने ज्वाला देवी मंदिर पर पर स्वर्ण का छत्र चढ़ाया था। महाराजा रंजीत सिंह ने इनको एक बड़ी जागीर उपहार के रूप में भी दी थी।

भारत को अपनी पहचान बचाने के लिए एक बड़ी आशा गुरु तेगबहादुर साहब के रूप में दिखी थी। औरंगजेब की सोच के सामने उस समय गुरु तेगबहादुर जी, 'हिन्द दी चादर' बनकर, एक चट्टान बनकर खड़े हो गए थे। औरंगजेब और उसके जैसे अत्याचारियों ने भले ही अनेकों सिर को धड़ से अलग किया हो लेकिन वह हमारी आस्था को हमसे अलग नहीं कर सका। भारत के हर घर में, हर वर्ग ने गुरु तेग बहादुर जी को मान दिया सम्मान दिया उनके बलिदान ने, भारत की अनेक पीढ़ियों को अपनी संस्कृति की मर्यादा की रक्षा के लिए, उसके मान-सम्मान के लिए जीने और मर-मिट जाने की प्रेरणा दी।

।। आधुनिक आनुवंशिक विज्ञान (DNA) द्वारा अग्रवाल समाज का विश्लेषण - समान से समान की उत्पति।।

- हर्ष वर्धन गोयल (सिंगापुर)

आधुनिक विज्ञान और प्राचीन शास्त्रों में 'समान से समान की उत्पति' को आनुवंशिक का मुख्य सिद्धान्त माना हैं। समस्त जीव, चाहे वे जन्तु हों या वनस्पति, अपने पूर्वजों के यथार्थ प्रतिरूप होते हैं। प्रत्येक सजीव प्राणी का निर्माण मूल रूप से कोशिकाओं द्वारा होता है। इन कोशिकाओं में गुणसूत्र (क्रोमोसोम) पाए जाते हैं। और इन गुणसूत्रों के अन्दर माला की मोतियों की भाँति, घुमावदार सीढ़ीनुमा संरचना नामक डी एन ए इकाइयाँ पाई जाती हैं एक कोशिका में गुणसूत्रों के समायोजन जीनोम का निर्माण करते है; मानव में ४६ जीनोम गुणसूत्रों में डीएनए के लगभग ३ अरब आधार जोड़े है।

जिन्हें जीन कहते हैं। ये जीन, किसी भी जीव के लक्षणों और गुणों के उत्तरदायी होते हैं। संक्षेप में आनुवंशिकी (जेनेटिक्स) जीव विज्ञान की वह शाखा है जिसके अन्तर्गत आनुवंशिकता (हेरेडिटी) तथा जीवों की विभिन्नताओं (वैरिएशन) का अध्ययन किया जाता है। इस विज्ञान का मूल उद्देश्य आनुवंशिकता के ढंगों (पैटर्न) का अध्ययन करना है अर्थात् संतति अपने जनकों से किस प्रकार मिलती जुलती अथवा भिन्न होती है।

किसी जीव की आनुवंशिकता उसके जनकों (पूर्वजों) की जननकोशिकाओं द्वारा जीन से प्राप्त होती हैं। जैसे कोई प्राणी का रूप रंग शारीरिक बनावट आदि आदि का निर्धारण उसकी आनुवंशिकता करती है। प्रायः सभी जीव अपने माता पिता या कभी कभी दादी या उनसे पूर्व की पीढ़ी के लक्षण प्रदर्शित करते हैं। जीव की बाह्य संरचना (फ़ेनोटाइप) समय के साथ-साथ परिवर्तित होती रहती है

जैसे भ्रूणावस्था, शैशव, यौवन तथा वृद्धावस्था में पर्याप्त शारीरिक विभेद दृष्टिगोचर होता है। इसके विपरीत उनके पित्रागत लक्षण अपरिवर्तनशील होती हैं।

मनुष्यों की आनुवंशिकी (यानि जॅनॅटिक्स) में "वंश समूह" को "हैपलोग्रुप" (haplogroup), "पितृवंश समूह" को "वाए क्रोमोज़ोम हैपलोग्रुप" (Y-chromosome haplogroup) और "मातृवंश समूह" को "एमटीडीएनए हैपलोग्रुप" (mtDNA haplogroup) कहते हैं। अगर दो पुरुषों का पितृवंश समूह मिलता हो तो इसका अर्थ होता है कि हजारों साल पूर्व उनका एक ही पुरुष पूर्वज रहा होगा, चाहे आधुनिक युग में यह दोनों पुरुष अलग-अलग जातियों से सम्बंधित ही क्यों न हों। इस वंश समूह या हैपलोग्रुप के अध्ययन से उस समूह के पूर्वज का ज्ञान होता है। हैप्लोग्रुप आनुवंशिक जनसंख्या समूह हैं जो आपके पैतृक या मातृ वंश अपने पूर्वज साझा करते हैं। ये पैतृक और मातृ हैप्लोग्रुप आपके आनुवंशिक वंश पर प्रकाश डालते हैं और आपके परिवार की कहानी बताने में सहायक होते हैं।

स्त्रियों का किसी पितृवंश समूह से सम्बन्ध नहीं होता क्योंकि स्त्रियों में वाए गुण सूत्र नहीं होता। समय-समय पर व्यक्ति के डीएनए में बदलाव आते है जो उसकी आने वाली पीढ़ियों के डीएनए में आसानी से पहचाने जाने वाले चिन्ह छोड़ जाता है। और उस वंश समूह के सदस्य से उन चिन्हों से निर्धारण होता है। आपका डीएनए इस बारे में सुराग देता है कि आपके पूर्वज कहाँ रहते थे। एक ही स्थान पर कई दूर के रिश्तेदारों का होना यह दर्शाता है कि आप सभी वहाँ एक ही वंश साझा करते हैं। कई दूर स्थान के रिश्तेदारों वाले भी हो सकते हैं जहाँ लोग प्रवास करके गए हो।

विगत कई वर्षों में तकनीकी क्षेत्र में बहुत विकास हुआ है और अग्रवाल भाइयों ने भी अनुवांशिकी में रूचि लेना प्रारब्ध किया है। हालाँकि अभी अग्रवाल अनुवांशिकी का डेटा प्रचुर मात्रा में उपलब्ध नहीं है प्राप्त डेटा अनुसार अग्रवाल कुटुंब वाले लोगों का शीर्ष पैतृक हैप्लोग्रुप H-M52 है, जो मुख्य रूप से मध्य और दक्षिण एशियाई वंश वाले लोगों में पाया जाता है। हैप्लोग्रुप H-M52 हैप्लोग्रुप H-L901 का उपभाग है। यह मुख्य रूप से मध्य और दक्षिण एशियाई लोगों में पाए जाते हैं। हैप्लोग्रुप एच आम तौर पर भारतीय उपमहाद्वीप में इंडो-आर्यन, द्रविड़ और भारतीय आदिवासी आबादी में पाया जाता है। इसका कुछ प्रभाव यूरोप में रोमा में दिखाई पड़ता है, सरल शब्दों में प्राप्त डेटा के आधार पर, अग्रवाल अनुवांशिकी संरचना के हैप्लो में उत्तरी भारतीय पंजाब प्रान्त का पितृवंश समूह अत्यधिक प्रतिशत में पाया गया है जोकि ऐतिहासिक जानकारी के एकदम अनुकूल है उनके अलावा गुजरात दक्षिण भारत और बांग्ला पितृवंश समूह भी पाया गया है हैप्लोग्रुप एच का मूल भारतीयों आदिवासी का होना और मुख्यतः पंजाब प्रान्त से सम्बंधित होना अग्रवालों के इतिहास तो प्रमुखता से पुष्टि करता है अग्रवालों में अन्य भारतीय क्षेत्रों का हैप्लोग्रुप मिलान हमारे प्राचीन इतिहास को इंगित करता है और इसमें अभी और अन्वेषण की आवश्यकता है ।

(नोट - लेखक ने स्वयं अपना डीएनए परिक्षण करा कर इन तथ्यों की पुष्टि की है यदि किसी और अग्रवाल भाई तो इन विषयों में रूचि है तो वह लेखक से संपर्क कर सकते है।)
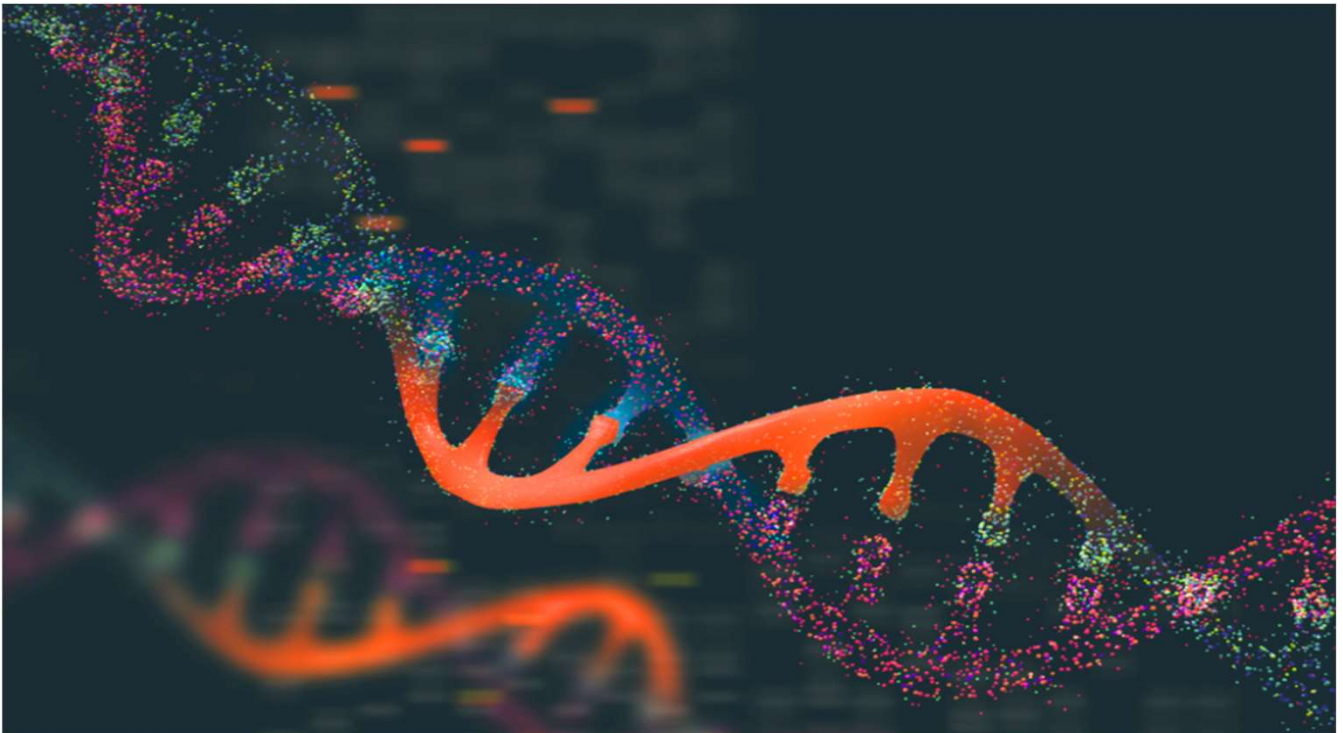
।। महल नागर मल – बहावलनगर ।।

पाकिस्तान भाग वाले पंजाब प्रान्त में बहावलनगर से लगभग पच्चीस किलोमीटर उत्तर-पूर्व में मिनचिनाबाद नगर स्थित है। इसका नाम कर्नल चार्ल्स मिनचिन के नाम पर रखा गया था जो 1866-1876 तक बहावलपुर राज्य की देखरेख करने वाले ब्रिटिश अधिकारी थे। वैसे तो इस ग्रामीण पंजाब के इस कस्बे क्षेत्र का नाम विशेष प्रसिद्धि नहीं है किंतु इस कस्बे के बीचोबीच एक बहुत ही आकर्षक और सुन्दर हवेली है। विभाजन पूर्व बनी यह हवेली अपनी राजसी ठाठ-बाट के साथ 90 साल से मौसम की मार झेलते हुए भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई है जो कोई भी इस हवेली को देखता है वह इस हवेली कि उच्च स्तरीय डिज़ाइन और वास्तु की खुले दिल से प्रशंसा करते नहीं थकता।

1930 के दशक में निर्मित और महल नागर मल के रूप में जाने यह हवेली, धनी सेठ कन्हैया लाल अग्रवाल के दो पुत्रो सेठ नागर मल अग्रवाल और सेठ भजन लाल अग्रवाल के द्वारा बनवाई गयी थी यह अग्रवाल परिवार हीरे-जवाहरात का व्यापार करते था। कहते है इस परिवार का व्यापारिक साम्राज्य मद्रास, दिल्ली, पंजाब, पुरे भारत वर्ष के साथ-साथ कई निकटवर्ती देशों के और दूर-दराज के विदेशो बाज़ारों में भी फैला हुआ था। इस परिवार की कई कोठियां बहावलपुर, लाहोर और अन्य कई नगरों में थी। इस हवेली की प्रसिद्धि सुन यात्रा लेखक सलमान रशीद ने हवेली का दौरा किया था उनके अनुसार, "यह हवेली इस परिवार के वास्तु के पारखीपन का साक्षात् प्रदर्शन करती है। और जब इस हवेली का निर्माण हुआ होगा तो स्पष्ट रूप से इस हवेली को बनाने में परिवार द्वारा अपरिमित धन खर्च करने में कोई कोताही नहीं बरती गयी होगी”

हवेली के अग्रभाग में, मुख्य भवन के प्रवेश द्वार पर संगमरमर का सुन्दर पुष्पयुक्त डिजाइन को बहुत ही सुन्दर कलात्मक ढंग से बनाया गया है जिसके दोनों किनारों पर बांसुरी बजाते हुए भगवान श्री कृष्ण की मूर्तियां विराजमान हैं। जो दूसरी या तीसरी शताब्दी की मूर्ति कला के अनुरूप बनायीं गयी है। यात्रा लेखक सलमान रशीद अपनी पुस्तक 'स्टोन ऑफ एम्पायर' में लिखते है कि “मुख्य इमारत, प्रथम प्रवेश द्वार के पीछे स्थित है प्रथम भाग में अतिथि कमरों की एक पंक्ति है मुख्य भाग के लिए कुछ सीढ़ियों एक लकड़ी के विशाल किवाड़ वाले संगमरमर के दरवाजे की ओर जाती है यह उच्च धनुषाकार द्वार हवेली के पहले प्रांगण में जाता है पूरा प्रांगण उत्कृष्ट रूप से अंगूर की बेलों- बूटों और अन्य पुष्प और घुमावदार रूपांकनों से सुसज्जित है।

लाल सीमेंट और लाल पत्थरों से निर्मित इस हवेली में ३३ कमरे और १४२ दरवाजे है यह दो मंजिला इमारत, देवी देवताओ की मूर्तिओं और रंगीन चित्रों से सजा हुई है जो सनातनी कथाओं को जीवांत रूप में दर्शाती है।

अंदर केंद्रीय प्रांगण के चारों ओर बरामदे है और उसके पीछे कमरे व्यवस्थित हैं। बरामदे की दीवारों पर पुष्प और घुमावदार डिजाइनों के साथ पौराणिक कथाओं से दृश्य चित्रित किए गए हैं। पहली मंजिल के दरवाजों के ठीक ऊपर शीर्ष मंजिल पर छज्जा बाहर निकलता है जो देखने में अद्‌भुत है।

यूरोपीय कलात्मकता के प्रति अग्रवाल परिवार की रुचि दूसरी मंजिल पर देखने को मिलती है इसकी विशुद्ध इतावली शैली को देख यह माना जा सकता है कि अग्रवाल परिवार के किसी सदस्य ने स्वयं इटली का दौरा कर इतावली वास्तु का सूक्ष्मता से अध्ययन किया होगा अथवा वह इतावली वास्तु की विशेषताओं से भली भांति परिचित होगा, संभव है कि भवन निर्माण के लिए किसी यूरोपीय वास्तुकार को नियुक्त किया गया होगा क्योंकि किसी स्थानीय मिस्त्री द्वारा इतना भव्य निर्माण संभव प्रतीत नहीं होता।

स्थानीय लोग बताते है कि यह हवेली कभी विशाल उद्यान से घिरी हुई थी जो अब नष्ट हो चूका है अब हवेली से निकलती सड़क के दोनों तरफ दुकानों की कतार बन गयी है उस स्थान पर कभी अग्रवाल परिवार के नौकरों के घर हुआ करते थे। यह एक संपन्न परिवार था जो हवेली को रोशन करने के लिए उस समय में पेट्रोल से चलने वाले दो जनरेटर रखते थे वह जेनरेटर रूम आज भी देखा जा सकता है कहते हैं कि 1930 के दशक में यह संपत्ति 25 लाख रुपये से कम नहीं थी जो वास्तव में एक बहुत बड़ी धन-राशि थी।

यह हवेली का निर्माण कार्य अग्र बंधूों द्वारा १९३० में प्रारम्भ किया गया और लगभग ७ वर्ष अर्थात १९३७ में यह हवेली बनकर तैयार हुई। किन्तु अग्रवाल परिवार एक दशक तक भी इस भव्य हवेली का आनंद नहीं ले सका। 14 अगस्त 1947 में भारत को बांटकर दो टुकड़े कर दिए गए।

रेडक्लिफ को पाकिस्तान और भारत के लिए सीमाओं को खींचने के लिए नियुक्त किया गया था जुलाई माह 1947 में जब वह भारत आया तो उसके लिए गर्मी असहनीय थी। इस चिलचिलाती धूप में उसके लिए काम करना लगभग असंभव था जहाज़ से उतरने के कुछ घंटों बाद, उसने सोचा की "उसे यह काम के लिए क्यों चुना गया?" वह अक्सर अपने वापिस जाने के दिनों को गिना करता था उसे 'जाओ और इसे पूरा करो' के आधार पर मात्र पाँच सप्ताह के समय में अपना कार्य पूरा करने का आदेश वायसराय द्वारा दिया गया था। उसने शिमला में ऑफिस बनाया और वह अपने कमरे की खिड़की से सेब के बाग देखा करता था उसे एक नहीं दोनों सीमा आयोगों (पंजाब और बंगाल) का अध्यक्ष बनाया गया और उसके पास कोई भी सुराग नहीं था कि ये क्षेत्र कहाँ-कहाँ हैं। उन्होंने 9 अगस्त, 1947 को अपनी योजना प्रस्तुत की। एक प्राचीन और महान देश का विभाजन उसकी सहस्त्रों वर्ष पुरानी संस्कृति को कुछ बाहरी अनजान लोगों ने सिर्फ कागज पर रेखा खींच कर बांट दिया। बंटवारे के साथ ही खूनी खेल भी शुरू हो गया। लाखों लोग मारे गए इनमें हिंदुओं की संख्या बहुत अधिक थी। इस विभाजन ने देश की आत्मा को रक्तरंजित कर दिया। यह बंटवारा मानवता के विरुद्ध किया गया अक्षम्य और कभी ना भूलने वाला अपराध था।

पंजाब दो भागों में विभाजित हो गया, पश्चिम पंजाब पाकिस्तान का हिस्सा बन गया और पूर्वी पंजाब भारत का हिस्सा बन गया। इसी तरह पश्चिम बंगाल भारत का एक राज्य बन गया, और पूर्वी बंगाल (अब बांग्लादेश) पाकिस्तान का एक प्रांत बन गया। केवल पांच सप्ताह में उन्होंने लाखों लोगों की राष्ट्रीयता और भाग्य का निणर्य कर दिया था। 17 अगस्त, 1947 को नई सीमाओं की घोषणा की गई।

उस समय वहां बसे लोगो के साथ जो अन्याय हुआ वह सदियों बाद भी नहीं भुलाया जा सकेगा। बर्बरता से पूरी योजना बनाकर पूरे गांवों और कस्बों का सफाया कर दिया गया वह चाहे शेखूपुरा, गुजरांवाला, मोंगटोमेरी, सियालकोट, मियांवाली, झांग, बहावलपुर, झेलम और सरगोधा हो या अन्य सैकड़ो स्थान, भीड़ और सैन्य बल से खत्म करने की सिंध योजना का भी क्रियान्वयन हुआ। रेडक्लिफ भी इस भयानक हिंसा से बहुत दुखी हुए और अपने किये कार्य पर पछताते हुए उन्होंने अपने सारे कागजात जला दिए और फीस लेने से मना कर दिया था। इस त्रासदी के बाद अग्रवाल परिवार का कोई पता नहीं चला।

मानव जीवन भी बहुत विचित्र है कितने परिश्रम से वह वस्तुओं का संचय करता है इसे नियति कहिये या जानकर भी परिस्थियों को अनदेखा करना या समझते हुए भी नासमझ बने रहना, जो देश, समाज और परिवार अपने इतिहास और अनुभवों से नहीं सीखता वह पुनः पुनः इस प्रकार की त्रसिदयों से गुजरता रहता है।

|| गंगल गोत्र परिचय ||

|| वंश परिचय ||

गोत्र परिचय - गोयन/ गंगल/गौतम (Goyan/Gangal/Gautam)

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: गंगा, गौण, गावल, Gangal,Goin, Goyanor, Gangal,

ऋषि: पुरोहित (Purohit) /गौतम (Gautam)

गोत्रपति: गोधर (Godhar)

वेद (Veda): यजुर्वेद: (Yajurveda)

शाखा (Branch): माध्यंदिन वाजसनेयि शाखा (वाजसनेयी संहिता माध्यंदिन)

सूत्र (Sutra): कात्यायन (Kaatyayn)

विवरण: गोयन/ गंगल/गौतम एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है।

गंगल गोत्र के सम्बन्ध में कुछ भ्रामक तथ्य परिवार सदस्यों के वैवाहिक सम्बन्ध करते समय सामने आये। इन भ्रामक तथ्यों को दूर करने के लिए अग्रवाल महासभा से सम्पर्क किया गया। उनसे प्राप्त सूचना के अनुसार गोयन गोत्र एवं गंगल गोत्र एक ही माना जाता है। महासभा द्वारा प्रेषित पत्र की प्रतिलिपि नीचे दी जा रही है।

`विभिन्न स्रोतों से प्राप्त जानकारी -

•पुस्तक महाराजा अग्रसेन महाकाव्य: अग्रवाल समाज का गौरवपूर्ण इतिहास लेखक श्री राम कृष्ण शर्मा आदर्श प्रकाशन वर्ष 2007, पृष्ठ 147 से उद्धत

कुँवर वाणीश्वर को दे वत्स, गोत्र गंगल का दे यशनाम।
नृपति ने देकर शुभ आशीष, दिया जनसेवा का शुचि काम।।

•पुस्तक महाराजा अग्रसेन महाकाव्य: अग्रवाल समाज का गौरवपूर्ण इतिहास लेखक श्री राम कृष्ण शर्मा आदर्श प्रकाशन वर्ष 2007, पृष्ठ 20 से उद्धत

।। गंगल गोत्र परिचय ।।

मान्य अठारह गोत्र हैं—केवल उनको ही मानना चाहिये। ये गोत्र क्रमशः गर्ग, गोयल, गोयन (गंगल) बंसल, कंसल, सिंहल, मंगल, जिंदल, तिंगल, ऐरण, धारण मधुकुल, बिन्दल, तायल, भन्दल, नागल

•पुस्तक: अग्रसेन अग्रोहा अग्रवाल (वर्ष: १९७७) लेखिका: डॉ स्वराज मणि अग्रवाल पृष्ठ: 196 से उद्धत

अग्रवालों के 18 (या साढ़े सत्रह) गोत्र हैं- एरण, बंसल, बिन्दल, धुम्या, धरण, गर्ग, गोयल, गोयनका, गंगल या गोल, जिन्दल, कंसल, कुच्छल, मुद्गल, मित्तल, नंगल, सिंघल, तायल और तिंगल।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन द्वारा प्रेषित पपत्र

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन

[सोसायटी रजिस्ट्रेशन एक्ट XXI 1860 के अन्तर्गत पंजीकृत क्रमांक 7953 दिनांक 28 जनवरी 1976]
डी-35 साउथ एक्सटेंशन भाग एक, नई दिल्ली-110049
महामन्त्री दूरभाष 619125, 616351

स्थापित-1975

क्रमांक 338/84 दिनांक 5-1-1984

अध्यक्ष
श्री बनारसीदास गुप्त
हरियाणा के भू॰पू॰ मुख्यमंत्री
विजय नगर, भिवानी (हरियाणा)
फोन : 2117

वरिष्ठ उपाध्यक्ष
श्रीमती स्वराज्यमणि अग्रवाल
जीवन कालोनी, बल्देव बाग,
जबलपुर-2 (म॰प्र॰)
फोन : 24846
24886

महामंत्री
श्री रामेश्वरदास गुप्त
डी-35, साउथ एक्सटेंशन-I
नई दिल्ली-110049
फोन : 616351
616352

उपमहामंत्री
श्री गोपाल कृष्ण सिंघल
21/388, कोठी टोली,
सहसराम-821115 (बिहार)
फोन : 513

कोषाध्यक्ष
श्री शिवचन्द अग्रवाल
टांडा रोड,
जालन्धर शहर
फोन : 78858
घर 73395

आदरणीय श्री मनोहर लाल जी,

आप का 31-12-1983 का पत्र मिला। धन्यवाद।

आप ने गंगल गोत्र के विषय में जानकारी चाही है। वास्तव में इस गोत्र का नाम गोयन्न है। इसी गोत्र के कुछ लोग अपने आप को गंगल लिखते हैं। आप के लिखे अनुसार गंगल लिखने वाले लोग अधिकतर अलीगढ़ क्षेत्र में ही पाये जाते हैं।

योग्य सेवा से सूचित करते रहें।

सधन्यवाद।

(रामेश्वरदास गुप्त)
महामन्त्री

श्री मनोहरलालजी,
681-आदर्श नगर,
जयपुर (राज॰)

यह पपत्र श्री भारत भूषण गुप्ता (गंगल गोत्र निवास जयनारायण व्यास नगर बीकानेर (राजस्थान)) से प्राप्त हुआ, आप बैंक आफ बडौदा से सेवानिवृत्त अधिकारी है और देशी विदेशी डाक टिकट, करेंसी नोट, सिक्के, बैंक चैक एवं एटीएम कार्ड के संग्रहकर्ता है पूर्वजों के बारे मे अधिकतम जानकारी एकत्र करने के लिए सतत प्रयासरत है

और गंगल गोत्र वंशावली पुस्तक में इनका विशेष योगदान रहा है, गायत्री परिवार आदि विभिन्न सामाजिक धार्मिक संस्थाओं से जुड़े हुए है और सनातन यज्ञ परंपरा का निर्वाह करते हैं।

उटवारा वाला गंगल परिवार - इस परिवार का मूल पैत्रक गाँव - उटवारा, तहसील खैर, जिला अलीगढ, उत्तर प्रदेश है। इस परिवार के पूर्वज स्वर्गीय श्री जयसी बाबा ऊँटों के झुंड के अधिपति थे, वह ऊँटों पर सामान ले जाकर राजस्थान में व्यापार करते थे। कहा जाता है कि वह काफी बलिष्ठ व्यक्ति थे तथा अकेले ही ऊंट पर बोरी लाद दिया करते थे, सामान्यतः यह दो व्यक्तियों का कार्य होता था, उन दिनों अंग्रेजों का राज था।

जब किसी अंग्रेज अधिकारी को यह जानकारी मिली तो उन्होंने स्वयं यह सब देखा तो बाबा के काफिले की चुंगी हमेशा के लिए निःशुल्क कर दी थी। ऐसा सुना जाता है कि उन्हीं के नाम पर गाँव का नाम ऊंट वारा पड़ा जो वर्तमान समय में उटवारा कहा जाता है।

वंशावली - श्री जयसी बाबा जी के दो लड़के हुए (1) श्री गिरवर प्रसाद (2) श्री छित्तर मल, श्री गिरवर प्रसाद पटवारी थे तथा उनके भी दो लड़के हुए (१) श्री घनश्याम दास (२) श्री वासुदेव प्रसाद, श्री घनश्याम दास पटवारी थे उनकी पत्नी श्रीमती महादेवी थीं, उनके आठ संताने हुई (१) श्री रेवती प्रसाद (धर्मपत्नी श्रीमती कलावती) (२) श्री लीलाधर (धर्मपत्नी श्रीमती पिस्ता देवी) श्री लीलाधर के दो विवाह हुए (३) श्री कंछी लाल (धर्मपत्नी श्रीमती श्याम देवी) (४) श्री सोहन लाल (धर्मपत्नी श्रीमती राजकली) (५) श्री दीनदयाल (धर्मपत्नी श्रीमती प्रेमवती) (६) श्रीमती बरफी देवी (पत्नी श्री मुंशी लाल जी) (७) श्रीमती कस्तूरी देवी (पत्नी श्री हजारी लाल जी ऑफिस कानूनगो) (८) श्रीमती सरस्वती देवी पत्नी श्री मुरारी लाल (अध्यापक), और अधिक जानकारी के लिए गंगल परिवार की वंशावली पुस्तक देखें|

गंगल नामक स्थान -

1) गंगल, पंजाब, पाकिस्तान के अटक जिले के प्रशासनिक उप-विभाग फतेह जंग तहसील में स्थित एक गाँव है।
2) गंगल, पंजाब, पाकिस्तान के रावलपिंडी जिले के प्रशासनिक उप-विभाग रावलपिंडी तहसील में स्थित एक गाँव है।
3) गंगल, पंजाब, पाकिस्तान के झेलम जिले के सोहावा तहसील में स्थित एक गाँव है।

।। लाठ (सिंघल गोत्र) कुटुंबनाम परिचय ।।

वंश परिचय श्रंखला - लाठ कुटुंबनाम का विवरण

अग्रवाल कुटुंबनाम : लाठ (Lath)

गोत्र: सिंघल (Singhal)

मूल स्थान: मन्ड्रेला, जिला झुनझुनु, राजस्थान

सती माता: श्री गीलोसती दादी, मन्ड्रेला,जिला झुनझुनु, राजस्थान

लाठ कुटुंबनाम का उद्भव - अग्रवालों में विभिन्न जाति सूचक नामों जैसे अग्रवाल, गुप्ता, वैश्य और गोत्रों के नामों के साथ अन्य सहस्रों व्योम, अल्ल, बैंक, अटक, शाखा और उपनामों का भी प्रयोग किया किया जाता है। अग्रवालों के विभिन्न कुटुंबनामों का वर्गीकरण मूलतः उनके व्यवसाय, स्थान, वंश अथवा मूलपुरुष पर आधारित होता है। जैसे वर्ण/जाति पर आधारित कुटुंबनाम गुप्त, गुप्ता, वैश्य, अग्रवाल, अग्रवाला, अग्रवंशी, अग्रकुल, अग्रहरि, सेठ इत्यादि। पुरुषनाम आधारित कुटुंब नाम - जो परिवार में हुए किसी विशेष व्यक्ति के नाम ओर ख्याति से से प्रारम्भ हुए जिनके नाम से परिवार प्रसिद्ध हो गया तथा परिवार के लोग उन्हीं का नाम कुटुंबनाम के रूप में प्रयोग करने लगे। उदाहरण: कहनानी, तनमुखरामका, राजारामका, संतरामजीका, हिम्मतसिंहका, मानसिंहका, हरतालका, टिकमाणी, भावसिंहका इत्यादि। अनेक अग्रवाल अपने मूल स्थान को छोड़कर अन्यत्र स्थानों पर बस गये, किंतु मूल स्थान से संबंध बनाये रखने के लिये, उस स्थान का प्रयोग अपने नाम के साथ करने लगे। इन अग्रवालों ने अपने निकास स्थान गाँव अथवा नगर के नाम पर अपने कुटुंबनाम रखे। लाठ भी इसी श्रेणी का कुटुंबनाम है।

लाठ शब्द लट्ठ, लट्ठा का एक अन्य रूप है लाठ शब्द कोल्हू में लगी हुई वह बल्ली जो बराबर घूमती रहती है, के लिए भी प्रयोग होता है लाठ का एक अर्थ मोटा ऊंचा खंभा भी होता है जिसे लाट भी कहा जाता है इस कुटुंबनाम को लेकर कई भ्रांति समाज में हैं जिनका शोधन और निवाकरण इस प्रकार है

मत 1- क्या लाठ शब्द लाट साहब से निकला है और यह अंग्रेजों द्वारा प्रदान उपाधि है ?

शोध - प्राप्य जानकारी के अनुसार लाठ कुटुंबनाम का प्रयोग लगभग 20 पीढ़ियों से हो रहा है जो अंग्रेजो के भारत आने से भी पूर्ण का समय है जिससे यह सिद्ध होता है कि लाठ कुटुंबनाम अंग्रेजों द्वारा प्रदान उपाधि नहीं है।

मत 2 - क्या लाठ शब्द लठेत शब्द का अपभ्रंश है ?

शोध - प्राप्य जानकारी के अनुसार लाठ कुटुंबनाम का मुख्य व्यवसाय व्यापार रहा, इस परिवार द्वारा समाज कल्याण के अनेको कार्य किये गए जिससे सिद्ध होता होता हे कि लाठ शब्द लठेत का अपभ्रंश नहीं है।

।। लाठ (सिंघल गोत्र) कुटुंबनाम परिचय ।।

मत 3- क्या लाठ एक स्थान परक कुटुंबनाम है ?

शोध - प्राप्य जानकारी के अनुसार, लाठ एक स्थान परक नाम है हरियाणा राज्य में अग्रोहा के निकट लाठ नामक एक प्राचीन गांव, गोहाना से 10 किमी और सोनीपत से 25 किमी दूर, सोनीपत गोहाना रोड पर स्थित है। लाठ गांव चार ग्राम संघ - कटवाल, जोती दमकन खेड़ी और लाठ का भाग है। लाठ कुटुंबनाम अन्य समाजों में भी पाया जाता है लाठ गांव के अन्य समाज अभी भी लाठ नाम का प्रयोग करते है भारउत्तोलन (पावरलिफ्टिंग) में सुधीर लाठ (जाट समाज लाठ गांव) ने भारत को इतिहास में पहला गोल्ड मैडल दिलवाया, हिमाचल के ऊना में कुछ लाठ ब्रह्मण परिवार रहते हैं। बाकुड़ा में सलामपुर से आये गोयल गोत्री परिवार रहते है जो अपना कुटुंबनाम लाठ लिखते है इन सभी बिंदुओं को मध्यदृष्टि रखते हुए हम इसी निष्कर्ष पर पहुंचते है कि लाठ एक स्थान परक कुटुंबनाम है जिसका उद्भव सोनीपत गोहाना रोड स्थित लाठ गांव से हुआ, लाठ गांव से निकास के बाद एक परिवार का नाम लाठ पड़ा। लाठ गांव से निकलने के बाद इस परिवार का मन्ड्रेला निवास स्थान रहा है। इस परिवार द्वारा निर्मित अनेक मंदिर, विद्यालय मन्ड्रेला और कोलकाता में बने हुए हैं। श्री मोतीलाल लाठ अखिल भारतीय अग्रवाल मंत्री रहे तथा सभा द्वारा प्रकाशित 'मारवाडी अग्रवाल पत्रिका का सम्पादन किया स्वदेशी के प्रचार में भी इनका विशेष योगदान रहा।

'बजरंगलाल लाठ अ.मा. मारवाड़ी सम्मेलन तथा मारवाड़ी रिलीफ सोसायटी के विशेष व्यक्तित्व थे। इस परिवार में सेठ मोतीलाल लाठ (मंड्रेला), बजरंगलाल लाठ (मंडावा), प्रह्लाद राय लाठ (सम्बलपुर उड़ीसा), बिसेसर लाल लाठ, (मंड्रेला) लक्ष्मी नारायण लाठ (मंड्रेला), नत्थू राम लाठ (मंड्रेला) ,राजेश लाठ (पुरुलिया), बद्रीनारायण लाठ (हैदराबाद), राजेंद्र लाठ (मुंबई), विनोद गजानंद लाठ (मुंबई) स्वर्गीय तोलाराम लाठ (बीकानेर), अरुण लाठ (कलकत्ता), महेंद्र लाठ अलसीसर, सुरेंद्र लाठ गौहाटी, सुभाष राधेश्याम लाठ मुंबई विशेष व्यक्ति रहें।

विस्थापन/प्रवास: - सलामपुर जिला झुनझुनु, राजस्थान से सलामपुर से मंड्रेला, अलसीसर, सुल्ताना, मंडावा , भीमसर, डाबरी धीरसिंह की, टमकौर, पिचनवा (चिड़ावा तहसील) आदि स्थानों से अनेकों स्थानों पर जैसे उड़ीसा, पुरुलिया, भुवनेश्रर, बीकानेर, धनबाद, मुंबई आदि देश विदेश में फैले।

लाठ परिवार की सती माता, गिलो सती दादी के नाम से प्रसिध्द है। जो राजस्थान झुन्झुनू जिला के मण्डेला ग्राम में सती हुई, मूल स्थान मंड्रेला मे ही माता का मन्दिर बना हुआ है। लाठ परिवार की लूणी सती सती दादी का मंड हरियाणा राज्य के रेवाड़ी शहर के पास मुंडलिया गांव के कपरिया में स्थित है। बामडा, झारसुगुड़ा, संबलपुर, कोलकाता, दरभंगा, सुरसंड और अन्य कई स्थानों पर बसे लाठ परिवार के कुटुंब सहस्त्रो वर्षो से अपने बच्चों का जडूला उतारने लूणी सती दादी के मंदिर पहुंचते है।

भीमसरिया कुटुंबनाम (स्थान परक कुटुंबनाम) - भीमसरिया कुटुंबनाम नाम सिंघल गोत्र में लाठ परिवार से निकला है यह परिवार सलामपुर से भीमसर फिर भीमसर से रामगढ़, चूरू , मंडावा स्थानों पर फैले।

।।श्री गिलो सती दादी का संक्षिप्त परिचय ।।

भारत वर्ष की पवित्र भूमि में राजस्थान जन पद की पावन धरती अनेको देवी देवताओं और सतियों की पुण्य प्रसूता रही है। सनातन धर्म मे सदा से ही सती पूजन का विशेष उल्लेख पाया जाता है जिनको पढने से हमारे मन में श्रध्दा जागृत होती है।

सिंघल कुल की सती राजस्थान झुन्झुनू जिला के मण्डेला ग्राम में हुई, जो गिलो सती दादी के नाम से प्रसिध्द है। मूल स्थान मंड्रेला मे ही माता का मन्दिर बना हुआ है।

श्री गिलो का जन्म संवत 1834 सावन सुदी सप्तमी के दिन राजस्थान राज्य के झुन्झुनू जिले में ही बगड़ गांव में देवाराम सा के गृहस्थांगण में श्रीमती दुलारीदेवी की कोख से पहली संतान पुत्री के रुप में हुआ। इनके छोटे भाई का नाम गिरीश था। जब गिलो का जन्म हुआ तब विधाता का ऐसा चमत्कार हुआ कि वो रोने की बजाय मुस्कराई। गांव के बहुत से लोग देखने के लिए उनके घर पर थाल बजाते बधाई देने के लिए आने लगे तथा पूरे गांव में चारो तरफ उल्लास और खुशियां छा गई। गांववासियों ने गंगा गिलो पर लूणराई करनी शुरु कर दी। उनको आभास हो गया कि यह सामान्य लड़की नहीं, बल्कि कोई चमत्कारी देवी ने अवतार लिया है। गिलो को पांच वर्ष की उम्र में ही यर्थात ज्ञान हो गया था। कुटुंब तथा गांव के लोगों ने कई बार गंगा गिलो को रिद्धि सिध्दि और गौरी के साथ खेलते हुए देखा। बचपन में गिलो ने भाई नहीं होने से घर में उदासी छाई रहती थी। रक्षाबन्धन पर राखी बंधवाने वाला तथा वंश वृध्दि करने वाला कोई नहीं था। मां को उदास देखकर गिलो ने मां से कहा मां मुझे बहुत भूख लगी है। भूख का बहाना कर के गिलो ने मां को अपना शक्तिरुप दिखाया।

मां ने देखा गिलो के शीश पर मुकुट है, माथे पर बिन्दिया लगी है। नथ पहने हुई है, गले मे हार शोभित है, तागड़ी बंधी हुई है, हाथ में चूड़ा पहना हुआ है। पैरो में पायल है तथा लाल चूनड़ी ओढ़े हाथ में त्रिशूल देखकर मां गिलो के देवी दर्शन में ही खो गई। तब गिलो ने मां से कहा अब मेरे छोटे भाई का प्रादुर्भाव होगा। कुछ समय बाद ही उनकी मां दुलारी देवी गर्भवती हुई और एक पुत्र रत्न को जन्म दिया। इस प्रकार गंगा गिलो के चमत्कार से पूरा परिवार खुशहाल हो गया।

गिलो का विवाह आषाढ सुदी सप्तमी संवत अठारह सौ उनचास (1849) में मंड्रेला के श्री गोविन्द लाठ (सिंघल) के पुत्र गोपाल के साथ में हुआ। संवत 1850 चैत्र सुदी नवरात्री सप्तमी के दिन यानि 16 वर्ष की आयु में उनका मुकलावा हुआ।

श्री गोपाल लाठ उस समय के प्रसिध्द व्यापारी थे। वे बहुत ही होनहार होशियार और बुध्दिमान थे। जब वो मुकलावा करवा के बगड से मंड्रेला की ओर प्रस्थान करके, मंड्रेला पहुंचने ही वाले थे, कि उस क्षेत्र में सक्रिय एक डाकू दल को उनके मुकलावे की सूचना मिल गई थी।

सखा बन्धुजन संग गोपाल, सुन्दर गिलो साथ ।

आगे की गति कौन कहे, है सब विधि के हाथ ।।

मंड्रेला की सरहद में, वो पहुँचे लेय सौगात ।

मुखिया संग डाकू आये, है ऐतिहासिक बात ।।

थोडे ही समय में गिलो गोपाल सहित सभी लोगों को अचानक डाकुओं ने चारो तरफ से घेर लिया तथा सब लोगों के गहने नगदी अन्य सारा सामान छीन लिया। जब दूल्हे की ओर बढे तो दूल्हे ने भी अपना धर्म निभाते हुए डाकुओं का सामना किया। अचानक दूल्हे गोपाल लाठ के सीने पर मुख्य डाकू का तीर लगा और दूल्हा गोपाल लाठ वहीं पर वीरगति को प्राप्त हो गया।

।।श्री गिलो सती दादी का संक्षिप्त परिचय ।।

हर्ष का वातावरण शोक में बदल गया। वो दृष्य इतना हृदय विदारक था कि किसी को भी नहीं सूझा कि क्या करें? सब रोने-धोने लग गये, लेकिन गिलो वहां का दृश्य देखकर पति के पास आई, मृत पति को गोद में लेकर माथे को सहलाया। उसी समय गिलो ने चण्डी रुप धर लिया तथा गिलो के आवाह्न करने से वही पर सिंह प्रकट हो गया। गिलो पति की तलवार लेकर सिंह पर चढ़ी, डाकूदल को मारा, कुछ डाकू घबरा कर भाग गये। चारों ओर सन्नाटा छा गया।

डाकूदल का मुखिया हाथ जोड़कर गंगा गिलो के चरणों में गिर गया। गिलो ने विधि के विधान को समझकर उसको क्षमा कर दिया, और सबको चिता तैयार करने का आदेश दिया। चिता तैयार हुई थी गिलो दुल्हन श्रृंगार में अपने पति की मृतदेह लेकर गोद में सुलाकर अग्निरथ पर बैठ गई। अपने सतीत्व के बल पर सुहाग को अक्षुण्य बनाये रखकर चिता को सूर्यदेव की अग्नि से स्वयं प्रज्जवलित कर लिया और उपस्थित परिजनों के सामने चैत्र सुदी सप्तमी नवरात्री संवत 1850 यानी 16 वर्ष आयु में सती हो गई।

माता की चिर स्मृति हेतु बिरादरी वालों ने उनकी चिता के स्थान पर एक सुन्दर मठ का निर्माण करवा दिया। उसी समय से भारत वर्ष के सभी सिंघल लाठ परिवार इन्हे गिलो दादी के रुप में मानते है। सभी पूजा, धोक, जात, जडुला, सवामणी, छप्पन भोग करने बराबर मंड्रेला गिलो शक्ति के दरबार में आते हैं, और गिलो शक्ति दादी उनकी सम्पूर्ण मनोकामना पूर्ण करती है। श्रीगिलो सती के महात्म्य एवं वन चरित्र को जो कोई भक्त सच्चे मन से प्रेमपूर्वक पढेगा या सुनेगा श्रीगिलो सती दादी उनकी सकल मनोरथ कामना अवश्य ही पूर्ण करेगी, ऐसा मन में दृढ विश्वास रखना चाहिए। सभी शास्त्रों का कहना है विश्वासो फल दायकः । लाठ मंदिर श्री गिलो सती दादीजी का मंदिर दूर-दूर तक लाठ मंदिर के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर के एक भाग में गिलो सती दादी मंदिर, दूसरे भाग में राधाकृष्ण मंदिर, तीसरे भाग में श्री राणी सती दादी का मंदिर है। शीश महल में राधाकृष्ण,व लड्डू गोपाल बिराजमान है। मंदिर के सामने गिलो सती दादीजी के मंड है। मंदिर बनने के पहले दादी मंड में ही धोक,जात, एवं पूजा आदि होती थी एवं समस्त भारत के लाठ परिवार इसी मंड मे धोक,जात, एवं पूजा का अनुष्ठान करते थे।

।। योगदान आभार।।

सिंघल (Singhal) गोत्र वीर
श्री अरुण लाठ

कुटुंब वीर मित्तल (Mittal) गोत्र
श्री टीकम चंद अग्रवाल
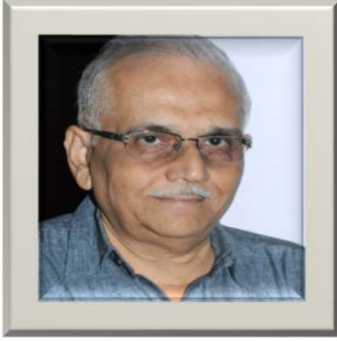
कुटुंब वीर जिंदल (Jindal) गोत्र
श्री रमा शंकर खेमका

गर्ग (Garg) गोत्र वीर
श्री श्याम सुन्दर बगड़िया

मित्तल (Mittal) गोत्र वीर
डॉ विजय कुमार अग्रवाल

गोयल (Goyal) गोत्र वीर
श्री रितेश भारूका

।। योगदान आभार।।

कुटुंब वीर बंसल (Bansal) गोत्र
श्री गोपीराम गुप्ता जी

बंसल (Bansal) गोत्र वीर
डॉ लोकमणि बंसल

गोयल (Goyal) गोत्र वीर
श्री अशोक गुप्ता

गोयन/गंगल (Goyal/Gangal)
गोत्र वीर
श्री भारत भूषण अग्रवाल

कुटुंब वीर बंसल (Bansal) गोत्र
डॉ संजय बंसल

कुटुंब वीर मित्तल (Mittal) गोत्र
श्री नरसिंह गुप्ता (एडवोकेट)

|| योगदान आभार||

कुटुंब वीर (ऐरन (Airan) गोत्र
श्री राम नाथ अग्रवाल

कुटुंब वीर बंसल (Bansal) गोत्र
श्री राजेंद्र बंसल

कुटुंब वीर गोयल (Goyal) गोत्र
श्री सुनील मोर

जिंदल (Jindal) गोत्र वीर
श्री गोविन्द जिंदल

कुटुंब वीर गोयल (Goyal) गोत्र
श्री राजेश मनक्सिया

बिंदल (Bindal) गोत्र वीर
श्री लीलाधर लडिया

।। योगदान आभार।।

कुटुंब वीर बंसल (Bansal) गोत्र
श्री शीतल अग्रवाल

सिंघल (Singhal) गोत्र वीर
श्रीमति सीमा गोयल

सिंघल (Singhal) गोत्र वीर
श्री बद्री नारायण लाठ

मित्तल (Mittal) गोत्र वीर
श्री ओमकार मित्तल

गोयन/गंगल
(Goyal/Gangal) गोत्र वीर
श्री दिव्य भूषण गुप्ता

कुटुंब वीर गोयल (Goyal)
श्री विनोद नम्बरदार

।। योगदान आभार।।

मित्तल (Mittal) गोत्र वीर
श्री देवेंद्र मित्तल

कुटुंब वीर मित्तल (Mittal) गोत्र
श्री अंशु मित्तल

कुटुंब वीर कुछल (kucchal) गोत्र
श्री विजय गुप्ता

कुटुंब वीर (ऐरन (Airan) गोत्र
श्री ललित कुमार अग्रवाल

मंगल (Mangal) गोत्र वीर
श्री सचिन अग्रवाल (मंडावर बिजनौर)

नांगल (Nangal) गोत्र वीर
श्री प्रदीप नागल

।। वंशावली सूची ।।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
AI00001	गुजरवास परिवार	गांव गुजरवास	गांव गुजरवास	श्री नवीन अग्रवाल जी की वंशावली (एरेन गोत्र)
AI00002		गांव जाटुशाना रेवाड़ी	गांव जाटुशाना रेवाड़ी	यह वंशावली हमें श्री ललित अग्रवाल पुत्र श्री लाला लक्ष्मी नारायण अग्रवाल गांव जाटुशाना रेवाड़ी से 4 अगस्त 2022 को प्राप्त हुई
AI00003	कुंडा वाले परिवार	डीग, भरतपुर (राजस्थान)	डीग, भरतपुर(राजस्थान)	यह स्वर्गीय श्री मोतीलाल जी (ऐरन गोत्र) पैतृक निवास: डीग, भरतपुर(राजस्थान), इस परिवार को डीग में कुंडा वालों के नाम से जाना जाता है डीग में दिल्ली रोड पर इस परिवार के पूर्वजों द्वारा एक कुंडा भी बनवाया हुआ है जिसमें आज भी गांव के लोग नहाने और पीने के लिए पानी लेने आते है यह वंशावली हमें श्री रामनाथ अग्रवाल जी पुत्र श्री स्वर्गीय श्री दाऊ दयाल जी द्वारा 6 फ़रवरी को प्राप्त हुई ।
AI00004		नसीबपुर नारनौल जिला महेंद्रगढ़ हरियाणा	अकोला, महाराष्ट्र	यह स्वर्गीय सेठ श्री नागरमल जी अग्रवाल जी (गोत्र: ऐरेन पैतृक निवास: नसीबपुर नारनौल जिला महेंद्रगढ़ हरियाणा , वर्तमान निवास: अकोला) की वंशावली, श्री बजरंगलाल अग्रवाल जी पुत्र श्री राम गोपाल अग्रवाल जी द्वारा हमें 1 अप्रैल 2023 को प्राप्त हुई।
AI00005	बजाज परिवार	सीकर (राजस्थान)	हिंदमोटर(पश्चिम बंगाल)	यह स्वर्गीय श्री बासुदेव जी बजाज (अग्रवाल गोत्र: ऐरेन पैतृक बजाज परिवार, निवास:सीकर (राजस्थान), वर्तमान निवास:हिंदमोटर(पश्चिम बंगाल) कुलदेवी:श्री शाकम्बरी माता कुलदेवता:श्री सालासर बालाजी) की वंशावली, श्री रमेश बजाज जी पुत्र स्वर्गीय श्री नवरतन जी बजाज द्वारा हमें 29 मई 2023 को प्राप्त हुई।
AI0006	मोरीजावाला	कोटपूतली	कलकत्ता	यह श्री ओमकार मल मोरीजावाला जी चौधरी जी (गोत्र: ऐरेन परिवार मोरीजावाला पैतृक निवास :कोटपूतली वर्तमान निवास:कलकत्ता) की वंशावली हमें श्री चंद्रप्रकाश अग्रवाल पुत्र श्री पूरनचंद अग्रवाल जी द्वारा 15 जून 2023 को प्राप्त हुई।
AI00007	आलवाल परिवार			आलवाल परिवार (गोत्र: एरेन) की वंशावली 15 जून 2023 को प्राप्त हुई।

|| वंशावली सूची ||

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
BA00001		ग्राम जोनती (दिल्ली निवासी)	ग्राम जोनती (दिल्ली निवासी)	स्वर्गीय मास्टर लक्ष्मी नारायण अग्रवाल (बंसल गोत्र) ग्राम जोनती (दिल्ली निवासी) की वंशावली अग्रोहा तीर्थ विशेषांक से साभार ली गयी है
BA00002		मंढा सुरेरा सीकर राजस्थान	मंढा सुरेरा सीकर राजस्थान	यह वंशावली हमें महेश पूरनमल अग्रवाल जी (बंसल गोत्र) द्वारा 10 जुलाई 2022 में प्राप्त हुई है स्थान: मंढा सुरेरा सीकर राजस्थान (बंसल गोत्र)
BA00003		भगे ना तहसील सादाबाद जिला हाथरस नजदीक ग्राम बी सावर	यमुनापार लक्ष्मी नगर मथुरा उत्तर प्रदेश	यह वंशावली हमें श्री ओम प्रकाश अग्रवाल पुत्र श्री वीरी लाल अग्रवाल (पैतृक स्थान भगे ना तहसील सादाबाद जिला हाथरस नजदीक ग्राम बी सावर, वर्तमान निवास स्थान यमुनापार लक्ष्मी नगर मथुरा उत्तर प्रदेश) से 27 जुलाई 2022 को प्राप्त हुई
BA00004		नारनौल राजस्थान से अशोक नगर	ग्वालियर	यह वंशावली हमें श्री धवल बंसल पुत्र श्री सुरेश बंसल जी (पैतृक स्थान: नारनौल राजस्थान से अशोक नगर अब निवास स्थान: ग्वालियर से श्री ओंकार मित्तल जी (हिसार हरियाणा) द्वारा 07 अगस्त 2022 को प्राप्त हुई
BA00005		पुण्डरी . कैथल हरयाणा	खोरखेड़ी कर्नल हरयाणा	यह श्री हुकम सिंह जी की वंशावली हमें श्री विशाल बंसल जी पुत्र श्री रतनलाल बंसल जी (पैतृक स्थान: पुण्डरी . कैथल हरयाणा वर्तमान निवास स्थान: खोरखेड़ी कर्नल हरयाणा द्वारा श्री रवि जिंदल जी से 1 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई
BA00006		लाहौर	बटाला	यह श्री रुलदू राम अग्रवाल (बंसल गोत्र) वंशावली हमें श्री जयदीप अग्रवाल पुत्र श्री जगदीश सरूप अग्रवाल जी (पैतृक स्थान: लाहौर निवास स्थान:बटाला से श्री सुरेश कुमार गोयल जी द्वारा 4 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
BA00007		होशंगाबाद	भोपाल	श्री नाथूराम जी (बंसल गोत्र) की वंशावली सुश्री नमिता जी सुपुत्री श्री कैलाश बाबू (बंसल गोत्र) पैतृक स्थान: होशंगाबाद निवास स्थान : भोपाल से सुश्री नमिता जी द्वारा 16 सिंतम्बर 2022 को प्राप्त हुई
BA00008		आगरा	पीएसओ पुर	यह श्री गणेश लाल गर्ग की वंशावली हमें श्रीमती ज्योति बंसल सुपुत्री श्री दीनदयाल जी (पैतृक स्थान: आगरा निवास स्थान: पीएसओ पुर) से श्री रवि जिंदल द्वारा 23 सिंतम्बर 2022 को प्राप्त हुई
BA00009		महम	फरीदाबाद हरयाणा	यह श्री मोहन लाल (बंसल गोत्र) पैतृक निवास: महम वर्तमान स्थान फरीदाबाद हरयाणा वालो की वंशावली श्री दिनेश बंसल पुत्र श्री राजगोपाल बंसल से से 5 नवम्बर 2022 को प्राप्त हुई
BA00010		राजौर वाले	राजौर वाले	यह श्री पीतम चंद बंसल (निवास स्थान: राजौर वाले) वालो की वंशावली श्री रवि जिंदल द्वारा 20 अगस्त - 2022 को प्राप्त हुई
BA00011		खाटूश्याम जी, अजमेर, नसीराबाद, नीमच छावनी भगोना, मण्डाना	कोटा राजस्थान	यह स्वर्गीय श्री घासी लाल जी मोदी साहब (पैतृक स्थान -खाटूश्यामजी, अजमेर, नसीराबाद, नीमच छावनी भगोना होते हुए राजदरबार के काम से मण्डाना गोपाल पुरा रोड निर्माण हेतु मण्डाना में बस गए निवास स्थान - बजरंग भवन,अग्रसेन बाजार, पुरानी धानमण्डि, कोटा, राजस्थान) की वंशावली हमें डॉ लोकमणि गुप्ता पुत्र स्वर्गीय श्री डॉ चिरंजीव लाल जी गुप्ता से 16 नवम्बर 2022 को प्राप्त हुई
BA00012		वेशवा गांव, मथुरा	कुन्हाड़ी कोटा	यह स्व. श्री गोपी नाथ अग्रवाल (बंसल गोत्र - मथुरा वाले) जी की वंशावली हमें श्री सतीश चन्द्र अग्रवाल पुत्र स्व. श्री रामजी दास अग्रवाल (निवास स्थान: लक्ष्मण विहार प्रथम पुराने रोडवेज वर्क शॉप के सामने कुन्हाड़ी कोटा) से श्री (डॉ) लोकमणि गुप्ता जी के सहयोग से 12 जनवरी 2023 को प्राप्त हुई। स्व. श्री सूरज भान अग्रवाल मथुरा में डोलची वालों के नाम से मशहूर थे। राया (मथुरा) में उनकी लकडी की टाल थी। ये रास मण्डली में रसिया के गुरु थें। मथुरा के पास वेशवा गांव से संबंध रहा है वहाँ कोठी थी जिनको हमारे पूर्वजों ने दान किया था

।। वंशावली सूची ।।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
BA00013	पोतदार परिवार (जुमानपुरका)	गांव गोंदिया	गांव गोंदिया	स्व श्री हरश्याम जी (गोत्र: बंसल जुमानपुरका पोतदार परिवार गांव गोंदिया) जी की वंशावली हमें श्री गोपाल अग्रवाल द्वारा 5 नंबर 2023 को प्राप्त हुई।
BA00014	करीवाल परिवार	बैढ़न, जिला सिंगरौली (मध्य प्रदेश)	नवलगढ़, जिला झुंझुनू, राजस्थान	स्व श्री केदार मल जी कारिवाल (गोत्र: बंसल पैतृक निवास: नवलगढ़, जिला झुंझुनू, राजस्थान वर्तमान स्थान : बैढ़न, जिला सिंगरौली (मध्य प्रदेश) भारत की वंशावली हमें श्री नारायण कारीवाल(नीरज) पुत्र श्री ताराचंद कारिवाल द्वारा हमें। 2 मार्च 2023 को प्राप्त हुई।
BA00015		बुरहानपुर मध्यप्रदेश	बुरहानपुर मध्यप्रदेश	स्व श्री हेमराज जी अग्रवाल (गोत्र: बंसल पैतृक निवास: बुरहानपुर मध्यप्रदेश) की वंशावली हमें श्री दिनेश अग्रवाल पुत्र श्री दगडूलाल अग्रवाल द्वारा 15 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई।
BA00016	पोद्दार परिवार			स्व श्री मुसद्दी लाल जी (बंसल गोत्र पोद्दार परिवार) की वंशावली 14 जून 2023 को प्राप्त हुई।
BA00017	जालान परिवार	फतेहपुर	जमालपुर बिहार, कलकत्ता बंगाल	स्व श्री गोविन्द राम जी (बंसल गोत्र जालान परिवार पैतृक निवास: फतेहपुर वर्तमान स्थान: जमालपुर बिहार, कलकत्ता बंगाल) की वंशावली श्री विकास जालान द्वारा 14 जून 2023 को प्राप्त हुई।
BA00018	मारवाड़ी (जालानी जलजीरा परिवार)	जोधपुर के जालानी जलजीरा परिवार	जोधपुर के जालानी जलजीरा परिवार	स्व श्री चिमन दास जी अग्रवाल (बंसल गोत्र मारवाड़ी परिवार, जोधपुर के जालानी जलजीरा परिवार की शाखा) की वंशावली श्री शीतल अग्रवाल जी पुत्र श्री पुरुषोत्तम जी द्वारा 14 जून 2023 को प्राप्त हुई
BA00019	नौरंग पुर वाले	फतेहपुर झुंझुन	बंगलोर	स्व श्री रामकरण जी (बंसल गोत्र नौरंग पुर वाले बंसल परिवार पैतृक निवास: फतेहपुर झुंझुन वर्तमान स्थान: बंगलोर) की वंशावली श्री पूरन कुमार अग्रवाल से श्री अशोक गुप्ता जी द्वारा प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
BA00020		गाँव निलोठी बहादुरगढ़ ज़ज्जर	पूना - महाराष्ट्र	स्व श्री मक्खनलाल जी अग्रवाल (बंसल गोत्र बिहरोरिया/दादरी वाले पैतृक स्थान: गाँव: निलोठी बहादुरगढ़ ज़ज्जर पुराना गांव बड़ा थाना, खरखौदा के पास,सोनीपत वर्तमान स्थान: पूना - महाराष्ट्र) की वंशावली श्री सतीश बंसल जी पुत्र श्री बदलूरामजी अग्रवाल पौत्र श्री चान्दगी रामजी जी बंसल द्वारा 14 जून 2023 को प्राप्त हुई
BA00021				स्व श्री तुला राम जी (बंसल गोत्र) की वंशावली 14 जून 2023 को प्राप्त हुई।
BA00022	केजरीवाल परिवार	बागढ़ झुंझुनू राजस्थान	रामगंज मंडी कोटा राजस्थान	स्व श्री बिरजमोहन जी (बंसल गोत्र केजरीवाल परिवार पैतृक स्थान: बागढ़ झुंझुनू राजस्थान से बांग्लादेश (पूर्वी पाकिस्तान) से डेहरी ओन सोन (बिहार) से रामगंज मंडी कोटा राजस्थान) की वंशावली श्री कमल कुमार केजरीवाल जी पुत्र श्री दुर्गा प्रसाद केजरीवाल जी द्वारा 21 जून 2023 को प्राप्त हुई
BA00023	पंसारी परिवार	सादुलपुर चूरू राजस्थान	सादुलपुर चूरू राजस्थान	स्व श्री जयकरण दास जी पंसारी (बंसल गोत्र पंसारी परिवार पैतृक स्थान: बजाज सादुलपुर चूरू राजस्थान) की वंशावली श्री जी द्वारा 22 जून 2023 को प्राप्त हुई
BA00024	बजाज परिवार	लक्ष्मणगड, राजस्थान	खामगांव , जिल्हा बुलढाणा, महाराष्ट्र	स्व श्री पन्नालालजी (बंसल गोत्र बजाज परिवार पैतृक स्थान: लक्ष्मणगड,राजस्थान, वर्तमान स्थान: बजाज "गोपुष्प" सिव्हिल लाईन , देशमुख प्लॉट,खामगांव , जिल्हा बुलढाणा, महाराष्ट्र) की वंशावली श्री पंकज गोपाल बजाज जी द्वारा 10 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई
BA00025	बुधिया परिवार			स्व श्री आशाराम बुधिया जी (बंसल गोत्र बुधिया परिवार पैतृक स्थान: , वर्तमान स्थान:) की वंशावली श्री रघुनन्दन बुधिया जी पुत्र श्री रामजी लाल बुधिया द्वारा 26 जून 2023 को प्राप्त हुई
BA00026	चौधरी परिवार	श्री माधोपुर (रिंग्स) राजस्थान	चित्तूर (आंध्र प्रदेश)	स्व श्री नैणसुख दास (गोत्र: बंसल चौधरी परिवार पैतृक निवास : श्री माधोपुर (रिंग्स) राजस्थान, निवास स्थान: चित्तूर (आंध्र प्रदेश) जी की वंशावली हमें श्री भूषण बंसल पुत्र श्री श्याम सुंदर जी बंसल द्वारा 14 जून 2023 को प्राप्त हुई।

।। वंशावली सूची ।।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
BA00026	चौधरी परिवार	श्री माधोपुर (रिंग्स) राजस्थान	चित्तूर (आंध्र प्रदेश)	स्व श्री नैणसुख दास (गोत्र: बंसल चौधरी परिवार पैतृक निवास : श्री माधोपुर (रिंग्स) राजस्थान, निवास स्थान: चित्तूर (आंध्र प्रदेश) जी की वंशावली हमें श्री भूषण बंसल पुत्र श्री श्याम सुंदर जी बंसल द्वारा 14 जून 2023 को प्राप्त हुई।
BA00027	गोंदिया परिवार	गोरी दुधवा तहसील खेतड़ी	गोंदिया महाराष्ट्र	स्व श्री रामरतन जी (गोत्र: बंसल गोंदिया परिवार पैतृक निवास: गोरी दुधवा तहसील खेतड़ी वर्तमान निवास स्थान: गोंदिया महाराष्ट्) जी की वंशावली हमें श्री मोहन बंसल जी पुत्र श्री देवकी नंदन बंसल पुत्र द्वारा 9 अक्टूबर 2023 को प्राप्त हुई।
BA00028		तहसील रानिया सिरसा हरियाणा		स्व श्री सवईमल जी (गोत्र: बंसल पैतृक निवास: तहसील रानिया सिरसा हरियाणा) जी की वंशावली हमें श्री रमन बंसल जी द्वारा 19 अक्टूबर 2023 को प्राप्त हुई।
BA00029	करीवाल परिवार	करी गांव (पोद्दार) शेखावाटी नवलगढ़ राजस्थान	मुंबई	स्व श्री रुपरामजी करीवाल जी (गोत्र: बंसल करीवाल परिवार पैतृक निवास: करी गांव (पोद्दार) शेखावाटी नवलगढ़ राजस्थान, वर्तमान:मुंबई) की वंशावली हमें श्री ललितकुमार पुरुषोत्तमलाल करीवाला जी द्वारा 02 नवंबर 2023 को प्राप्त हुई।
BA00030				श्री मुशदी लाल जी (गोत्र: पोद्दार परिवार पैतृक निवास: वर्तमान:) की वंशावली हमें श्री संजय बंसल पुत्र श्री मुंशी लाल बंसल जी द्वारा 12 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई।
BA00031	तुलसियान परिवार			तुलसियान परिवार (गोत्र: बंसल) की 33 पीढ़ियों की वंशावली हमें श्री गोपीराम गुप्ता द्वारा 12 नवंबर 2022 को प्राप्त हुई।
BA00032	झुनझुनवाला परिवार	झुनझुन	झुनझुन	स्व श्री लाल चंद जी श्री (बंसल गोत्र झुनझुनवाला परिवार) की वंशावली श्री पृथ्वीराज रामनिवास झुनझुनवाला रचित पुस्तक से नवम्बर 2023 प्राप्त हुई
BA00033	देवड़ा परिवार			देवड़ा परिवार की वंशावली

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
BA00034/1	बिहरोरिया परिवार	बिहरोड़ हरियाणा	जयपुर राजस्थान	स्व श्री हनोता राय जी अग्रवाल (बंसल गोत्र बिहरोरिया/दादरी वाले पैतृक स्थान: बिहरोड़ हरियाणा वर्तमान स्थान: जयपुर राजस्थान) की वंशावली डॉ संजय बंसल जी पुत्र श्री ओमप्रकाश जी बंसल द्वारा 14 जून 2023 को प्राप्त हुई
BA00034/2	बिहरोरिया परिवार			स्व श्री प्रह्लाद राय बंसल जी अग्रवाल (बंसल गोत्र बिहरोरिया/दादरी वाले पैतृक स्थान: बिहरोड़ हरियाणा) की वंशावली श्री राज कुमार बंसल जी पुत्र श्री भगवान बंसल जी द्वारा 10 नवम्बर 2023 को प्राप्त हुई
BA00034/3	बिहरोरिया परिवार	भडोसी	भडोसी से नाहड़ से बिरोहड़	स्व श्री तुलसीराम बंसल जी अग्रवाल (बंसल गोत्र बिहरोरिया/दादरी वाले पैतृक स्थान: बिहरोड़ हरियाणा निकास: भडोसी से नाहड़ से बिरोहड़) की वंशावली श्री समी बंसल जी द्वारा 6 नवम्बर 2023 को प्राप्त हुई
BA00035	खेतान परिवार	झुनझुन		खेतान परिवार की वंशावली
BA00036	टांटिया परिवार	अबोहर पंजाब	श्रीगंगा नगर राजस्थान	स्वर्गीय श्री टोडरमल जी (गोत्र: बंसल कुटुंबनाम: टांटिया परिवार पैतृक निवास: अबोहर पंजाब वर्तमान निवास: श्रीगंगा नगर राजस्थान) की वंशावली हमें श्री राजदीप तातिया जी द्वारा 7 जनवरी 2024 को प्राप्त हुई।
BA00037		नारनौल		स्व श्री रघुबर दयाल जी (गोत्र: बंसल पूर्वज: नारनौल) की वंशावली हमें श्री गोविन्द बंसल जी अमलाई द्वारा श्री श्याम सुन्दर बगड़िया के सहयोग से 11 जनवरी 2023 को प्राप्त हुई।
BA00038		अलवर राजस्थान,	इंदौर मध्य प्रदेश	श्री माखनलाल जी (गोत्र: बंसल पूर्वज: अलवर राजस्थान, वर्तमान स्थान: इंदौर मध्य प्रदेश) की वंशावली हमें श्री योगेश अग्रवाल के सहयोग से श्री रितेश भरुका कन्नड़ महाराष्ट्र द्वारा 21 फरवरी 2024 को प्राप्त हुई।
BA00039	बजाज परिवार	रामगढ़ शेखावाटी, जिला सीकर राजस्थान	तिनसुकिया, असम	श्री सनेहीराम जी (गोत्र: बंसल बजाज परिवार पूर्वज: रामगढ़ शेखावाटी, जिला सीकर राजस्थान, वर्तमान स्थान तिनसुकिया, असम) की वंशावली हमें श्री सुयोग बजाज के सहयोग से 21 फरवरी 2024 को प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
BA00040		किशनगढ़, राजस्थान	नासिक, महाराष्ट्र	स्व श्री दौलतराम जी अग्रवाल जी (गोत्र: बंसल पूर्वज: किशनगढ़, राजस्थान, वर्तमान स्थान नासिक, महाराष्ट्र) की वंशावली हमें श्री तुषार गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री राजेंद्र गुप्ता जी के सहयोग से 24 फरवरी 2024 को प्राप्त हुई।
BA00041	लडिया परिवार	शरदार शहर (चूरू राजस्थान)	शरदार शहर (चूरू राजस्थान)	स्व श्री भूधरमल जी अग्रवाल जी (गोत्र: बंसल लाडिया परिवार पूर्वज: शरदार शहर (चूरू राजस्थान) की वंशावली हमें श्री तुषार गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री अशोक लाडिया जी के सहयोग से २0 सितम्बर 2024 को प्राप्त हुई।
BI00001		डीडवाना राजस्थान	डीडवाना राजस्थान	यह स्व श्री महरम दास जी (बिंदल गोत्र) की वंशावली हमें श्री अमर अग्रवाल जी पुत्र स्व श्री नटवरलाल जी पैतृक स्थान डीडवाना राजस्थान द्वारा 10 अक्टूबर 2022 को प्राप्त हुई
BI00002	लडिया परिवार			लडिया परिवार की वंशावली श्री लीलाधर लडिया और श्री घनश्याम दास लडिया जी के सहयोग से हमें जून 2023 को प्राप्त हुई।
BI00003		हाथरस घंटाघर	मुंबई	स्व श्री फुलचंद् अग्रवाल (बिंदल गोत्र पैतृक स्थान: हाथरस घंटाघर वर्तमान स्थान:मुंबई) की वंशावली हमें श्री चंद्र प्रकाश जी अग्रवाल पुत्र श्री द्वारका प्रसाद जी अग्रवाल द्वारा 15 सितम्बर 2023 को प्राप्त हुई
BI00004	सराफ परिवार	फतेहपुर शेखावाटी जिला जयपुर राजस्थान	फतेहपुर शेखावाटी जिला जयपुर राजस्थान	स्व श्री जाजूराम जी (बिंदल गोत्र सराफ परिवार पैतृक स्थान: फतेहपुर शेखावाटी जिला जयपुर राजस्थान वर्तमान स्थान: कोतमा, जिला अनूपपुर (म.प्र.) की वंशावली हमें श्री नवल किशोर सराफ पिता स्व. जमुना प्रसाद सराफ से श्री श्याम सुन्दर बगड़िया निवासी अमलई जिला अनूपपुर (म.प.) द्वारा 9 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई।
GA00001		फारुखनगर, ग़ाज़ियाबाद	फारुखनगर, ग़ाज़ियाबाद	श्री हंस राम जी गर्ग (फारुखनगर, ग़ाज़ियाबाद) की वंशावली हमें श्रीमति रेखा गुप्ता जी से 10 जनवरी 2021 को प्राप्त हुई है

।। वंशावली सूची ।।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GA00002		दिल्ली	दिल्ली	श्री अवनीश अग्रवाल - (गोत्र गर्ग) दिल्ली वालो की वंशावली
GA00003		नारनौल , सिंहाने	ग्वालियर	स्व.श्री बिहारी लाल जी गर्ग जी ग्वालियर वालो की वंशावली पैतृक स्थान : नारनौल , सिंहाने यह वंशावली हमें श्री राजकुमार जी गर्ग (65 वर्ष) द्वारा श्री रवि जिंदल जी से 10 जुलाई 2022 प्राप्त हुई है
GA00004				श्री नटवर लाल अग्रवाल (गर्ग गोत्र) वंशावली यह वंशावली हमें श्री नटवर लाल अग्रवाल से श्री रवि जिंदल द्वारा जुलाई 2022 में प्राप्त हुई है
GA0005				श्री घुट्टू लाल जी गर्ग की वंशावली श्री रवि जिंदल द्वारा 15 जुलाई 2022 में प्राप्त हुई है
GA00006		जयपुर गाँव जसूपुरा धौलपुर राजस्थान	जयपुर गाँव जसूपुरा धौलपुर राजस्थान	यह वंशावली हमें श्री दीन दयाल जी (गर्ग गोत्र) पुत्र श्री छोटे लाल जी (वर्तमान निवास: जयपुर गाँव जसूपुरा धौलपुर राजस्थान गौत्र गर्ग निकास बसईया (लालू) से रवि जिंदल जी द्वारा 05 अगस्त 2022 को प्राप्त हुई
GA00007		गाँव बेगा तहसील गन्नौर सोनीपत हरियाणा	गाँव बेगा तहसील गन्नौर सोनीपत हरियाणा	यह वंशावली हमें श्री अमित गर्ग उर्फ अंकित गर्ग (LG) पुत्र श्री वेदप्रकाश गर्ग जी पैतृक स्थान/निवास स्थान: गाँव बेगा तहसील गन्नौर सोनीपत हरियाणा से रवि जिंदल जी द्वारा 05 अगस्त 2022 को प्राप्त हुई
GA00008		जगसौरा - जिला इटावा	गल्ला आढतिया , इटावा उ0प्र0 पिन कोड206001	यह वंशावली हमें शिव प्रताप एण्ड संस, अनन्त प्रताप एण्ड संस (गर्ग गोत्र), गल्ला आढतिया , इटावा उ0प्र0 पिन कोड206001, मूल निवासी ग्राम - जगसौरा -जिला इटावा से श्रीमती नेहा मित्तल द्वारा 6 अगस्त 2022 को प्राप्त हुई है

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GA0009		ग्राम तालहटा मोदीनगर, गाज़ियाबाद , उत्तर प्रदेश	न्यू भगवतपूरा, ब्रह्मपुरी, मेरठ, उत्तर प्रदेश	यह वंशावली हमें श्री अमित गर्ग पुत्र श्री राम किशोर गर्ग जी (पैतृक स्थान: ग्राम तालहटा मोदीनगर, गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश , वर्तमान निवास न्यू भगवतपूरा, ब्रह्मपुरी, मेरठ, उत्तर प्रदेश से श्रीमती नेहा मित्तल द्वारा 07 अगस्त 2022 को प्राप्त हुई
GA00010		फतेहगढ़ पंचूर तहसील जीरा	लुधियाना	यह वंशावली हमें श्री हर्ष कुमार (गर्ग गोत्र पुत्र श्री सतपाल गर्ग जी (पैतृक स्थान: फतेहगढ़ पंचूर तहसील जीरा वर्तमान निवास लुधियाना से श्री सुरेश कुमार गोयल द्वारा 08 अगस्त 2022 को प्राप्त हुई
GA00011		मेहम	बटाला	यह श्री फेरामल अग्रवाल जी की वंशावली हमें श्री चंरणजीत अग्रवाल पुत्र श्री फूल चंद अग्रवाल जी (पैतृक स्थान: मेहम वर्तमान निवास स्थान: बटाला द्वारा श्री सुरेश कुमार गोयल जी 27 अगस्त 2022 को प्राप्त हुई
GA00012		पखखोकलां	तपा मंडी (बरनाला)	यह श्री फतिया मल्ल जी की वंशावली हमें श्री सतपाल गर्ग जी पुत्र श्री सरूप चंद जी (पैतृक स्थान: पखखोकलां वर्तमान निवास स्थान: तपा मंडी (बरनाला) द्वारा श्री सुरेश कुमार गोयल जी से 1 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई
GA00013		चरथावल मुज़फ़्फ़रनगर	अंकुरविहार लोनी गाज़ियाबाद	यह श्री तारा चंद गर्ग जी की वंशावली हमें श्री उमेश अनुराग गर्ग पुत्र श्री नरेश चंद गर्ग जी (पैतृक स्थान: चरथावल मुज़फ़्फ़रनगर निवास स्थान: अंकुरविहार लोनी गाज़ियाबाद से 02 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई
GA00014		लिंगा जिला बालाघाट	लिंगा जिला बालाघाट	यह स्व श्री मनहोरी लाल अग्रवाल (गर्ग गोत्र) वंशावली हमें श्री महेश अग्रवाल पुत्र स्व श्री बिसन दयाल अग्रवाल जी (पैतृक स्थान/ निवास स्थान: लिंगा जिला बालाघाट से श्री रवि जिंदल जी द्वारा 5 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई
GA00015		भोपाल	भोपाल	यह श्री रामस्वरूप जी अग्रवाल (गर्ग गोत्र) (पैतृक स्थान/ निवास स्थान: भोपाल) वंशावली हमें श्रीमति नमिता अग्रवाल जी से से सुश्री नमिता मंगल जी द्वारा 20 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई

।। वंशावली सूची ।।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GA00016		ग्राम अजीतपुर बगवाला तहसील गुलावठी, जिला बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश	कृष्णा पार्क एक्सटेंशन, पो और थाना तिलकनगर, नई दिल्ली	यह श्रीमान सिंह जी (गर्ग गोत्र) पैतृक निवास ग्राम अजीतपुर बगवाला तहसील गुलावठी, जिला बुलंदशहर वर्तमान निवास - तिलक नगर, नई दिल्ली -110018 की वंशावली हमें श्री राज कुमार अग्रवाल जी पुत्र श्री मिट्ठन लाल जी द्वारा 16 नवम्बर 2022 को प्राप्त हुई
GA00017		गौतम बुद्ध नगर (उत्तरप्रदेश)	गौतम बुद्ध नगर (उत्तरप्रदेश)	यह स्वर्गीय श्री लाला टेकन मल जी गर्ग पैतृक स्थान/वर्तमान निवास स्थान: - गौतम बुद्ध नगर (उत्तरप्रदेश) वंशावली हमें श्री विनय गर्ग पुत्र श्री देवेंन्द्र गर्ग द्वारा 24 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई
GA00018		गामड़ोछ	दिल्ली	यह श्री राम गर्ग जी अग्रवाल (पैतृक स्थान -गामड़ोछ निवास स्थान - दिल्ली) की वंशावली हमें श्री ओजस अग्रवाल पुत्र श्री मनीष अग्रवाल से श्रीमति नेहा मित्तल जी द्वारा 9 नवम्बर 2022 को प्राप्त हुई
GA00020	पटौदीया परिवार	अग्रोहा हिसार	झुंझुनूं जिला, राजस्थान	यह स्वर्गीय श्री लाला तुहीराम जी की वंशावली (गर्ग गोत्र, पटौदीया परिवार पैतृक निवास: अग्रोहा हिसार, वर्तमान निवास: झुंझुनूं जिला, राजस्थान) श्री सुमित गर्ग पुत्र श्री हेतराम जी गर्ग 12 फरवरी 2022 को प्राप्त हुई।
GA00021		भूषण कला राजस्थान	अमलाई (Amlai) अनूपपुर जिला मध्य प्रदेश एवं भाटापारा रायपुर छतीसगढ़	स्वर्गीय श्री बेगराज जी और श्री सीताराम जी भाइयों की वंशावली (गर्ग गोत्र पैतृक निवास: भूषण कला राजस्थान वर्तमान निवास: अमलाई (Amlai) अनूपपुर जिला मध्य प्रदेश एवं भाटापारा रायपुर छतीसगढ़) श्री बनवारी लाल जी पुत्र श्री जयकरण जी एवं श्री अरुण कुमार अग्रवाल पुत्र श्री कलेश कुमार अग्रवाल जी द्वारा श्री श्याम सुन्दर बगड़िया के सहयोग से 15 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई।
GA00022		शेरपुर खिलचीपुर जिला सवाई माधोपुर	कोटा	स्व श्री नारायण दास जी (गोत्र: गर्ग परिवार: कसेरा पैतृक: शेरपुर खिलचीपुर जिला सवाई माधोपुर वर्तमान निवास: कोटा) की वंशावली श्री ओम शंकर गर्ग पुत्र श्री बाबूलाल गर्ग 15 फरवारी 2023 को प्राप्त हुई
GA00023	गाड़ोदिया परिवार	खामगाँव (Khamgaon) बुलढाणा जिला महाराष्ट्र	खामगाँव (Khamgaon) बुलढाणा जिला महाराष्ट्र	स्वर्गीय श्री लक्ष्मी नारायण अग्रवाल (गोत्र: गर्ग परिवार: गाड़ोदिया निवास: खामगाँव (Khamgaon) बुलढाणा जिला महाराष्ट्र) की वंशावली, श्री योगराज अग्रवाल पुत्र श्री ओमप्रकाश अग्रवाल द्वारा हमें 16 फरवरी 2023 को प्राप्त हुई।

।। वंशावली सूची ।।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GA00024	सरावगी परिवार	राजगढ़ चूरू राजस्थान	राजगढ़ चूरू राजस्थान	यह स्वर्गीय श्री पीढ़ामल जी सरावगी (गोत्र: गर्ग परिवार: सरावगी पैतृक निवास: राजगढ़ चूरू राजस्थान) की वंशावली, श्री रतन अग्रवाल पुत्र श्री विश्वनाथ अग्रवाल द्वारा हमें 19 फरवरी 2023 को प्राप्त हुई।
GA00025		निदाना रोहतक हरियाणा	शक्तिनगर सोनभद्र उ प	यह स्वर्गीय श्री रामचंदर गर्ग जी (गोत्र: गर्ग पैतृक निवास: निदाना रोहतक हरियाणा , वर्तमान निवास: शक्तिनगर सोनभद्र उ प) की वंशावली, श्री सुरेश कुमार गर्ग जी पुत्र स्व श्री रामकुमार गर्ग जी द्वारा हमें 9 मार्च 2023 को प्राप्त हुई।
GA00026				स्वर्गीय श्री लाला छबीलदास जी गर्ग गोत्र की वंशावली पुस्तक जून 2023 में प्राप्त हुई
GA00027		गोविन्दपूरा पलसाना राजस्थान झेरिया परिवार	दोंडाईचा जिला धुलिया महाराष्ट्र	स्व श्री हुकमी चंद जी (गर्ग गोत्र गोविन्दपूरा पलसाना राजस्थान झेरिया परिवार) जी की वंशावली हमें श्रीमती कलावती अग्रवाल जी द्वारा 24 मई 2023 को प्राप्त हुई।
GA00028		फरह, मथुरा	बल्केश्वर एवं शास्त्रीपुरम, आगरा	स्व श्री पन्नालाल गर्ग (प्रेमपुंज) (अग्रवाल गोत्र: गर्ग निवास:फरह, मथुरा वर्तमान निवास: बल्केश्वर एवं शास्त्रीपुरम, आगरा) की वंशावली हमें श्री अजय अग्रवाल पुत्र श्री हरेश चंद जी गर्ग द्वारा 25 मई 2023 को प्राप्त हुई।
GA00029		सिंघाना, सीकर, राजस्थान		स्व श्री किरोड़ीमल जी (गोत्र: गर्ग पैतृक: सिंघाना, सीकर, राजस्थान) की वंशावली श्री शुभेष अग्रवाल पुत्र श्री बालगोविंद प्रसाद अग्रवाल दवार जून 2023 में प्राप्त हुई
GA00030	लाला नरूमल गर्ग परिवार	कराड़ा, जिला कैथल हरियाणा		स्व श्री लाला नरूमल गर्ग (गोत्र: गर्ग पैतृक निवास: करोड़ा, जिला कैथल हरियाणा, महम जिला रोहतक, हरियाणा,) की वंशावली हमें श्री मोहित गर्ग द्वारा 14 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई। (1600-2020 ईस्वी तक 17 पीढ़िया, स्व श्री लाला नरूमल गर्ग मुगल काल में दिल्ली में दरबारी थे। मुख्य व्यवसाय - व्यापार-महाजनी, कपड़ा व अनाज उत्पादन)

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GA00031				स्व श्री (अधिवक्ता) परमेश्वरी सहाय जी अग्रवाल (वकील साहब) की वंशावली
GA00032				स्व श्री गोकुलचंद्र अग्रवाल जी (गोत्र: गर्ग परिवार) की वंशावली हमें श्री मोतीलाल जी (सिरोंज) जी द्वारा 05 अगस्त 2022 को प्राप्त हुई।
GA00033				स्व श्री प्रभु राज अग्रवाल जी (गोत्र: गर्ग परिवार) की वंशावली हमें श्री दीनदयाल अग्रवाल जी पुत्र श्री छोटे लाल जी अग्रवाल री जी द्वारा 05 अगस्त 2022 को प्राप्त हुई।
GA00034	चौधरी परिवार	सलामपुरिया जिला झुंझुनू राजस्थान	सलामपुरिया जिला झुंझुनू राजस्थान	यह श्रीकिशन जी चौधरी जी (गोत्र: गर्ग परिवार सलामपुरीया चौधरी पैतृक निवास :सलामपुरिया जिला झुंझुनू राजस्थान) की वंशावली हमें श्री मनोहर सलामपुरिया पुत्र श्री बसेसर चौधरी जी द्वारा 15 जून 2023 को प्राप्त हुई।
GA00035	बुडाकिया परिवार			यह स्व श्री धनपत राय जी (गोत्र: गर्ग बुडाकिया परिवार) की वंशावली श्री आनंद कुमार गुप्ता पुत्र श्री त्रिलोकचंद गुप्ता जी द्वारा 18 जून 2023 को प्राप्त हुई।
GA00036		बाबई से गुढ़ा (पोख) जिला झुंझुनू	कलकत्ता, सूरत, इंदौर, झारखंड	यह स्व श्री केसूराम जी (गोत्र: गर्ग पूर्वज: बाबई से गुढ़ा (पोख) जिला झुंझुनू के हैं वर्तमान: कलकत्ता, सूरत, इंदौर, झारखंड) की वंशावली हमें श्री महेश अग्रवाल जी द्वारा 2 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई।
GA00037		न्यांगल गांव (राजगढ़, चुरु)	भादरा (हनुमानगढ़) राजस्थान	यह स्व श्री उदयभान जी (गोत्र: गर्ग पूर्वज: न्यांगल गांव (राजगढ़, चुरु) वर्तमान: भादरा (हनुमानगढ़) राजस्थान) की वंशावली हमें श्री प्रिंस कुमार अग्रवाल जी पुत्र श्री Sh. रतन लाल जी अग्रवाल द्वारा 2 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई।
GA00038	चौधरी परिवार	सलामपुरिया बगड़ जिला झुंझुन राजस्थान	शेगाव बुलढाणा महाराष्ट्र	यह स्व श्री किशन चंद जी (गोत्र: गर्ग चौधरी परिवार पूर्वज: सलामपुरिया बगड़ जिला झुंझुन राजस्थान वर्तमान शेगाव बुलढाणा महाराष्ट्र) की वंशावली हमें श्री रजनीकांत राधेश्याम जी सलामपुरिया द्वारा 4 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GA00039	बेडियाँ परिवार	सुजानगढ	सुजानगढ , नेपाल , मुंबई	यह स्व श्री टेकुचंद जी (गोत्र: गर्ग सुजानगढ निवासी बेडियाँ परिवार) की वंशावली हमें श्रीमती अरुणा बेडियाँ द्वारा 10 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई।
GA00040	भट्टेवाले परिवार	गंगाननगर राजस्थान	गंगाननगर राजस्थान	स्व श्री मनीराम जी भट्टेवाले (गोत्र: गर्ग भट्टेवाले परिवार स्थान: गंगाननगर राजस्थान) की वंशावली हमें 13 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई।
GA00041		हरदौगंज, अलीगढ़	दिल्ली	यह स्व श्री रामप्रसाद जी (गोत्र: गर्ग पूर्वज: हरदौगंज, अलीगढ़) की वंशावली हमें श्री मनीष गर्ग जी द्वारा 28 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई।
GA00042				चक बानियांवाला निवासी (गर्ग गौत्रीय अग्रवाल परिवार श्री गंगानगर) वंशावली
GA00043				यह स्व श्री विष्णु चंद्र गुप्त जी (गोत्र: गर्ग) की वंशावली हमें उनकी पुस्तक से प्राप्त हुई।
GA00044	पटवारी परिवार	डीडवाना राजस्थान	डीडवाना राजस्थान	स्व श्री कुशाली राम जी (गोत्र: गर्ग पटवारी परिवार पूर्वज: डीडवाना राजस्थान) की वंशावली हमें श्री मनीष पटवारी पुत्र श्री राजेंद्र पटवारी जी 21 अक्टूबर जुलाई 2023 को प्राप्त हुई।
GA00045	गाड़ोदिया परिवार	रामगढ जिला सीकर राजस्थान	जिला अनूपपुर कोतमा मध्य प्रदेश बिलासपुर छत्तीसगढ़	स्व. श्री पेश राम जी (गोत्र: गर्ग गाड़ोदिया परिवार पूर्वज: रामगढ जिला सीकर राजस्थान वर्तमान:जिला अनूपपुर कोतमा मध्य प्रदेश बिलासपुर छत्तीसगढ़) की वंशावली हमें श्री गणेश अग्रवाल जी एडवोकेट पूर्व शासकीय अधिवक्ता (जिला अनूपपुर कोतमा मध्य प्रदेश) द्वारा 25 अक्टूबर 2023 को प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GA00046	गोल्याण परिवार	नोहर	अहमदाबाद	स्व. श्री बजरंगदास गोल्याण (गोत्र: गर्ग गोल्याण परिवार पैतृक स्थान: नोहर वर्तमान निवास स्थान: अहमदाबाद) की वंशावली हमें श्री नरेश गोल्याण जी द्वारा 2 दिसम्बर 2023 को प्राप्त हुई।
GA00047				स्व श्री माधव राम जी (गोत्र: गर्ग परिवार) की वंशावली हमें श्री दिनेश गर्ग (पुल्लू) द्वारा 12 जून 2023 को प्राप्त हुई।
GA00048		नदीगॉंव जिला जालौन उत्तर प्रदेश	ग्वालियर मध्यप्रदेश	स्व: श्री पुन्नूलाल जी अग्रवाल (गोत्र: गर्ग पैतृक स्थान: नदीगॉंव जिला जालौन उत्तर प्रदेश वर्तमान निवास स्थान: ग्वालियर मध्यप्रदेश) की वंशावली हमें श्री संतोष राज अग्रवाल पुत्र स्व: श्री कैलाश चंद्र जी अग्रवाल जी द्वारा 7 दिसम्बर 2023 को प्राप्त हुई।
GA00049		थाना भवन, जिला शामली उत्तर प्रदेश	कोटा राजस्थान	स्व: श्री बैजनाथ सहाय (गोत्र: गर्ग पैतृक स्थान: थाना भवन, जिला शामली उत्तर प्रदेश वर्तमान निवास स्थान: कोटा राजस्थान) की वंशावली हमें श्री राम निवास गर्ग पुत्र श्रीराम गर्ग अग्रवाल जी द्वारा 7 दिसम्बर 2023 को प्राप्त हुई।
GA00050	चमड़िया परिवार	रतन नगर, राजस्थान	डोबसन लेन, हावड़ा पश्चिम बंगाल	स्व: श्री रत्ती राम जी (गोत्र: गर्ग पैतृक चमड़िया परिवार स्थान: रतन नगर, राजस्थान वर्तमान निवास स्थान: डोबसन लेन, हावड़ा पश्चिम बंगाल) की वंशावली हमें श्री पवन कुमार चमड़िया द्वारा 11 दिसम्बर 2023 को प्राप्त हुई।
GA00051		दौसद / अलवर / राजस्थान	मुंबई, महाराष्ट्र	स्व: श्री राम दयाल गुप्ता जी (गोत्र: गर्ग परिवार पैतृक निवास : दौसद / अलवर / राजस्थान वर्तमान निवास:मुंबई, महाराष्ट्र) की वंशावली हमें श्री नंदकिशोर अग्रवाल पुत्र श्री सत्यप्रकाश अग्रवाल जी द्वारा 11 दिसम्बर 2023 को प्राप्त हुई।
GA00052		नारेहड़ा राजस्थान	कोटपूतली जयपुर राजस्थान बुढ़ार (मप्र).	स्वर्गीय श्री भीमाराम जी की वंशावली (गर्ग गोत्र राड़ा परिवार पैतृक निवास: नारेहड़ा राजस्थान वर्तमान निवास: कोटपूतली जयपुर राजस्थान) श्री राजेन्द्र गर्ग जी, कोटपूतली (राज) व बुढ़ार (मप्र). जी द्वारा श्री श्याम सुन्दर बगड़िया के सहयोग से 15 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GA00053	भारतीया परिवार	डीडवाना राजस्थान	नांदेड़, महाराष्ट्र	स्व: श्री नाथमल जी भारतीया (गोत्र: गर्ग भारतीया परिवार पैतृक निवास : डीडवाना राजस्थान वर्तमान निवास:नांदेड़, महाराष्ट्र कुलदेवी: सफेदी माता : पुरोहित: गौड) की वंशावली हमें श्री अजय भारतीया पुत्र श्री शंकरलाल भारतीया जी से श्री रितेश भारूका द्वारा 17 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई।
GA00054	धन्नावत परिवार	देवलगांव राजा जिला बुलढाणा महाराष्ट्र	अग्रोहा से दिल्ली फतेहपुर से लाडनू दयालपुर से देवलगांव राजा जिला बुलढाणा महाराष्ट्र	स्व श्री शंकरलालजी धन्नावत (अग्रवाल) (गर्ग गोत्र धन्नावत परिवार पैतृक स्थान: देवलगांव राजा जिला बुलढाणा महाराष्ट्र (स्थान्तरण अग्रोहा से दिल्ली फतेहपुर से लाडनू दयालपुर से देवलगांव राजा जिला बुलढाणा महाराष्ट्र) की वंशावली श्री कैलाश शंकरलाल जी धन्नावत से श्री रितेश भारूका द्वारा 17 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई।
GA00055	राजा कटारे परिवार		हनुमानताल जबलपुर मध्यप्रदेश	स्व श्री नंदलाल अग्रवाल (गर्ग गोत्र राजा कटारे परिवार पैतृक स्थान: वर्तमान स्थान: हनुमानताल जबलपुर मध्यप्रदेश) की वंशावली श्री निखिल अग्रवाल जीद्वारा 14 जून 2023 को प्राप्त हुई
GA00056 /1	बगड़िया परिवार	अमलाई (Amlai) अनूपपुर जिला मध्य प्रदेश (अनूपपुर ज़िले के गठन से पूर्व यह शहडोल ज़िले के अंतर्गत आता था)	अमलाई (Amlai) अनूपपुर जिला मध्य प्रदेश (अनूपपुर ज़िले के गठन से पूर्व यह शहडोल ज़िले के अंतर्गत आता था)	यह स्वर्गीय श्री लालचंद जी बगड़िया की वंशावली (गर्ग गोत्र, बगड़िया परिवार पैतृक निवास: अमलाई (Amlai) अनूपपुर जिला मध्य प्रदेश (अनूपपुर ज़िले के गठन से पूर्व यह शहडोल ज़िले के अंतर्गत आता था) श्री श्याम सुन्दर बगड़िया पुत्र स्वर्गीय श्री गजानन्द जी बगड़िया द्वारा 14 फरवरी को प्राप्त हुई।
GA00056 /2	बगड़िया परिवार			यह स्वर्गीय श्री शिव लाल जी (गर्ग गोत्र, बगड़िया परिवार, चाऊ बीराजी सती माता, कुलदेवी पाडल माताजी, कुलदेवता नरसिंघ भगवान) की वंशावली हमें श्रीमती मीरा बगड़िया जी से 15 मई को प्राप्त हुई।

।। वंशावली सूची ।।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GA00056 /3	बगड़िया परिवार	चिड़ावा जिला झुंझुनू	चिड़ावा जिला झुंझुनू	यह स्वर्गीय श्री रामनिवास जी बगड़िया (गर्ग गोत्र, बगड़िया परिवार, पैतृक स्थान: चिड़ावा जिला झुंझुनू) की वंशावली हमें श्री एस के बगड़िया जी से 15 जून 2023 को प्राप्त हुई।
GA00056 /4	बगड़िया परिवार	सलामपुरिया बगड़ जिला झुंझुन राजस्थान	श्रीगंगाननगर राजस्थान	यह स्वर्गीय श्री लक्ष्मण दास जी बगड़िया (गर्ग गोत्र, बगड़िया परिवार, पैतृक स्थान: बागड़, इस्लामपुर जिला झुंझुन राजस्थान, वर्तमान: श्रीगंगाननगर राजस्थान) की वंशावली हमें श्री अरुण बगड़िया जी पुत्र श्री अमर नाथ बगड़िया जी से 13 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई।
GA00057	कारीवाल परिवार			सती दादी माँ सोमती दादी की वंशावली स्व श्री सतियो चौधरी जी (गोत्र: गर्ग गोत्र कारीवाल परिवार बड़वा चौधरी परिवार करि गांव हरियाणा) की वंशावली हमें श्रीमती मधु अग्रवाल जी से श्री अशोक गुप्ता जी द्वारा 26 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई। सती विक्रमी सम्वत 1629 विस्थापन 1809 (विक्रमी सम्वत)
GA00058	केडिया परिवार			गोत्र: गर्ग - केडिया परिवार वंशावली
GA00058 /1	केडिया परिवार			GA00058/1 - गोत्र: गर्ग - केडिया परिवार वंशावली स्वर्गीय श्री धनीराम केडिया की वंशावली (गर्ग गोत्र केडिया परिवार पैतृक निवास: [] वर्तमान निवास:[]) श्री नाथूराम केडिया पुत्र श्री [] के सहयोग से 10 मार्च 2024 को प्राप्त हुई।
GA00059	मोदी परिवार	गावं हासमपुर सीकर राजस्थान,	शेगाव जिला बुलढाणा महाराष्ट्र	स्व श्री चाँदमल जी (गर्ग गोत्र, मोदी परिवार, पैतृक स्थान: गावं हासमपुर सीकर राजस्थान, वर्तमान: शेगाव गांव जिला बुलढाणा महाराष्ट्र) की वंशावली हमें श्री संजय मोदी जी पुत्र श्री रतन लाल जी द्वारा 14 जनवरी 2024 को प्राप्त हुई।
GA00060	हवेली वाला परिवार	ग्राम अजबगढ तहसील थानागाजी जिला अलवर राजस्थान	ग्राम अजबगढ तहसील थानागाजी जिला अलवर राजस्थान	स्व श्री मोती राम जी (गर्ग गोत्र, हवेली वाला परिवार, पैतृक स्थान: ग्राम अजबगढ तहसील थानागाजी जिला अलवर राजस्थान) की वंशावली हमें श्री राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता पुत्र श्री कन्हैयालाल गुप्ता जी द्वारा 18 जनवरी 2024 को प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GA00058 /2	केडिया परिवार			GA00058/2 - गोत्र: गर्ग - केडिया परिवार वंशावली स्वर्गीय श्री खेसी दास केडिया केडिया की वंशावली (गर्ग गोत्र केडिया परिवार पैतृक निवास: चिड़ावा राजस्थान वर्तमान निवास: राबर्ट्सगंज सोनभद्र उत्तरप्रदेश) श्री हरिकिशोर केडिया पुत्र श्री रामावतार केडिया के सहयोग से ०८ अगस्त २०२४ को प्राप्त हुई।
GA00061	भाल परिवार	उंधारी ढूंढारी, देवली, टोंक गाव - रिखडिया	रामगंज मंडी	स्व: श्री रूप चंद जी (गोत्र: गर्ग परिवार भाल पैतृक निवास : उंधारी ढूंढारी, देवली, टोंक गाव - रिखडिया वर्तमान निवास: रामगंज मंडी) की वंशावली हमें डॉ लोकमणि बंसल (कोटा निवासी) जी के सहयोग से 15 मार्च 2024 को प्राप्त हुई।
GA00062	चौधरी परिवार	सलामपुर बगड़ जिला झुंझुन राजस्थान	शेगांव बुलढाणा महाराष्ट्र	स्व: श्री किशन जी चौधरी (गोत्र: गर्ग परिवार चौधरी पैतृक निवास : सलामपुर बगड़ जिला झुंझुन राजस्थान वर्तमान निवास: शेगांव बुलढाणा महाराष्ट्र) की वंशावली हमें श्री रजनीकांत पुत्र श्री राधेश्याम सलामपुरिया जी के सहयोग से 18 मई 2024 को प्राप्त हुई।
GA00063		गांव लाडूखेड़ा	गांव लाडूखेड़ा	श्री हरिमणि जी (गोत्र: गर्ग पैतृक निवास : गांव लाडूखेड़ा) की वंशावली हमें श्री हरीश अग्रवाल पुत्र श्री रमेश चंद्र जी अग्रवाल द्वारा 21 जुलाई 2024 को प्राप्त हुई।
GA00064	चौधरी कंदोई परिवार	बीकानेर, राजस्थान	बीकानेर, राजस्थान/सरदार शहर/दिल्ली	श्री सेठ हरसुख जी (गोत्र: गर्ग चौधरी कंदोई परिवार पैतृक निवास : बीकानेर, राजस्थान) की वंशावली हमें श्री गौरीशंकर कंदोई (सरदार शहर) श्री केदार अग्रवाल (दिल्ली) जी द्वारा ०३ अगस्त 2024 को प्राप्त हुई।
GA00065		गांव टाटवाना	गांव टाटवाना	श्री जसराम जी (गोत्र: गर्ग पैतृक निवास : गांव टाटवाना) की वंशावली हमें श्री दिलीप कुमार पुत्र श्री छगनमल जी अग्रवाल द्वारा ०८ अगस्त २०२४ को प्राप्त हुई।

।। वंशावली सूची ।।

कुल - क्रमांक	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GO00001	चिड़ी गांव , रोहतक हरियाणा से सराय से	सिवाल खास मेरठ उत्तर प्रदेश/ दिल्ली	गोयल परिवार की वंशावली, उद्गम स्थल - चिड़ी गांव , रोहतक हरियाणा से सराय से सिवाल खास मेरठ उत्तर प्रदेश
GO00002	गॉव रमपूरा घतुराला, पोस्ट नियामतपुर वाया सिरसी तहसील बिलारी (राजा का सहसपुर) जिला मुरादाबाद (अब चंदौसी) उत्तर प्रदेश	जोधपुर राजस्थान	गोयल परिवार की वंशावली गॉव रमपूरा घतुराला, पोस्ट नियामतपुर वाया सिरसी तहसील बिलारी (राजा का सहसपुर) जिला मुरादाबाद (अब चंदौसी) उत्तर प्रदेश
GO00003	काशीपुर, उधम सिंह नगर, उत्तराखंड	काशीपुर, उधम सिंह नगर, उत्तराखंड	श्री विनय गोयल जी की वंशावली वर्तमान स्थल : काशीपुर, उधम सिंह नगर, उत्तराखंड यह वंशावली हमें श्री विनय गोयल जी द्वारा श्री रवि जिंदल से 01 जुलाई 2022 में प्राप्त हुई है
GO00004			श्री गंगाराम (गोयल गोत्र) जी की वंशावली हमें श्री अलोक गोयल द्वारा श्री रवि जिंदल से 10 जुलाई 2022 में प्राप्त हुई है
GO00005	गुहाना जिला सोनीपत	ग्राम पंचायत कुडेकेला, जिला रायगढ़, धमंजगढ ब्लाक छत्तीसगढ़ राज्य	गोत्र गोयल , पूर्वज हरियाणा राज्य के गुहाना जिला सोनीपत, यह वंशावली श्री राजेश गोयल (जिला रायगढ़ के धमंजगढ ब्लाक के ग्राम पंचायत कुडेकेला में निवास , छत्तीसगढ़ राज्य) द्वारा तिथि 10 जुलाई 2022 को बनवाई
GO00006	ग्राम दौताइ जिला हापुड़ (उ प्र)	मेरठ उ प्र	पैतृक ग्राम; दौताइ जिला हापुड़ (उ प्र)) निवास (मेरठ उ प्र)) स्व0 श्री हरसुख लाल गोयल जी की वंशावली, यह वंशावली हमें श्री महेश गोयल जी द्वारा 16 जुलाई 2022 में प्राप्त हुई है

।। वंशावली सूची ।।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GO00007		नगला तुला (भरतपुर)	किशनगढ़ (अजमेर)	यह वंशावली हमें श्री अनिल गोयल पुत्र श्री रामप्रसाद गोयल जी पैतृक स्थान: नगला तुला (भरतपुर) निवास स्थान: किशनगढ़ (अजमेर) से श्री रवि जिंदल जी द्वारा 04 अगस्त 2022 को प्राप्त हुई
GO00008		बटाला, पंजाब	बटाला, पंजाब	यह वंशावली हमें श्री सुरेश कुमार गोयल पुत्र श्री राम मूर्ति अग्रवाल (पैतृक स्थान/ निवास स्थान: बटाला, पंजाब) से रवि जिंदल जी द्वारा 06 अगस्त 2022 को प्राप्त हुई
GO00009	नम्बरदार परिवार	महम हरियाणा	महम हरियाणा	स्वर्गीय श्री भूरामल जी (गोत्र: गोयल कुटुंबनाम: नम्बरदार परिवार) जी की वंशावली हमें श्री विनोद गोयल जी द्वारा जनवरी 2023 को प्राप्त हुई।
GO0010		देवबंद	कांधला कस्बा जिला शामली उत्तर प्रदेश	श्री घमनलाल गोयल जी की वंशावली (वर्तमान स्थान: कांधला कस्बा जिला शामली उत्तर प्रदेश पैतृक स्थान: देवबंद (लगभग 550 वर्ष पूर्व) द्वारा रवि जिंदल जी से 25 अगस्त 2022 को प्राप्त हुई है
GO00011		लाहौर	बटाला	यह श्री बन्ना मल जी (गोयल गोत्र) वंशावली हमें श्री अश्वनी अग्रवाल पुत्र श्री कश्मीरी लाल जी से श्री सुरेश कुमार गोयल जी द्वारा 16 अगस्त 2022 को प्राप्त हुई
GO00012		मेहम	बटाला	यह श्री नानक चंद अग्रवाल जी (गोयल गोत्र) की वंशावली हमें श्री सुभाष चंद्र सुपुत्र श्री दरबारी लाल (मूल निवासी - मेहम वर्तमान निवास स्थान: बटाला से श्री सुरेश कुमार गोयल के सहयोग द्वारा 12 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई
GO00013				श्री कन्हैया लाल गोयल (गोत्र: गोयल) जी की वंशावली हमें श्री गोविंद गोयल जी द्वारा सितम्बर 2022 में प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GO00015		ग्राम बजना	बुलंदशहर	यह श्री खेम चंद अग्रवाल (गोयल गोत्र) (पैतृक स्थान: ग्राम बजना, वर्तमान - बुलंदशहर) वंशावली हमें श्री विष्णु गोयल पुत्र श्री केशव देव अग्रवाल से श्री रवि जिंदल द्वारा 22 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई
GO00016		अलोदा जमशेद पुर	अलोदा जमशेद पुर	यह श्री नाथु लाल मोदी जी (गोयल गोत्र) की वंशावली हमें श्री अशोक कुमार मोदी सुपुत्र श्री बजरंग लाल मोदी निवास अलोदा जमशेद पुर रवि जिंदल जी द्वारा 16 सिंतम्बर 2022 को प्राप्त हुई
G000017		आगरा	पीएसओ पुर	यह स्व0 श्री मूलचंद्र गोयल जी की वंशावली हमें श्री अजय गोयल सुपुत्र स्व श्री रमेश चंद्र गोयल (पैतृक स्थान: काशीपुर निवास स्थान: काशीपुर (उत्तराखण्ड) से श्री रवि जिंदल जी द्वारा 23 सिंतम्बर 2022 को प्राप्त हुई
GO00018		गाज़ियाबाद	गाज़ियाबाद	यह श्री चौधरी भाल सिंह अग्रवाल (गोयल गोत्र) (पैतृक स्थान/ निवास स्थान: गाज़ियाबाद) वंशावली हमें श्री श्रवण कुमार (गोयल) अग्रवाल द्वारा 20 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई
GO00019		फतेहपुर (अलीगढ़)	फतेहपुर (अलीगढ़)	यह श्री गोविन्द राम अग्रवाल जी (गोयल गोत्र) पैतृक निवास: फतेहपुर (अलीगढ़) की वंशावली श्री पंकज अग्रवाल पुत्र श्री राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल से 5 नवम्बर 2022 को प्राप्त हुई
GO00020		छारा	बहादुरगढ़	यह श्री बनवारी लाल जी अग्रवाल (पैतृक स्थान - छारा निवास स्थान - बहादुरगढ़) की वंशावली हमें श्री केशव गोयल पुत्र श्री मनोज गोयल से श्रीमति नेहा मित्तल जी द्वारा 11 नवम्बर 2022 को प्राप्त हुई
GO00021		हरदा, मध्य प्रदेश राज्य)	हरदा, मध्य प्रदेश राज्य)	यह श्री मटाबकस जी (गोयल गोत्र) (पैतृक स्थान - हरदा, मध्य प्रदेश राज्य) की वंशावली हमें श्रीमती सरोज गोयल जी से श्रीमती संजना अग्रवाल जी द्वारा 26 दिसम्बर 2022 को प्राप्त हुई

।। वंशावली सूची ।।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GO00022		चीडावा झुंझुनू जिला राजस्थान	चीडावा झुंझुनू जिला राजस्थान	यह स्व. श्री जानकी दास टिबड़ेवाल (गोयल गोत्र) जी की वंशावली हमें श्री अनिल कुमार टिबड़ेवाल पुत्र श्री रामचंद्र टिबड़ेवाल (निवास स्थान: चीडावा झुंझुनू जिला राजस्थान) द्वारा 24 जनवरी 2023 को प्राप्त हुई।
GO00023		पौंख गांव (गुढा) भोजगढ़ , झुंझुनूं जिला, राजस्थान	झरिया धनबाद झारखंड/बैंगलोर	यह स्वर्गीय श्री मंगल चंद भोजगढ़रिया जी की वंशावली (गोयल गोत्र, पैतृक निवास: पौंख गांव (गुढा) भोजगढ़ , झुंझुनूं जिला, राजस्थान) श्री निर्मल कुमार जी भोजगढ़रिया (बैंगलोर) पुत्र श्री राधेशयाम जी भोजगढ़रिया (झरिया धनबाद झारखंड) द्वारा 7 फ़रवरी को प्राप्त हुई।
GO00024	मोर परिवार	अकोड़ा जिला-नागौर, राजस्थान	पचोरा जिला-जलगांव महाराष्ट्र	यह स्वर्गीय श्री गुलाबचंद जी मोर की वंशावली (गोयल गोत्र, पैतृक निवास: अकोड़ा जिला-नागौर, राजस्थान , वर्तमान निवास: पचोरा जिला- जलगांव महाराष्ट्र) श्री सुरेशजी मोर पुत्र श्री शंकरलालजी मोर द्वारा 12 फरवरी को प्राप्त हुई।
GO00025	लीलरिया परिवार	ग्राम खेतड़ी जिल्हा शिखर राजस्थान	ग्राम खेतड़ी जिल्हा शिखर राजस्थान	यह स्वर्गीय श्री पीथालालजी लीलडीया जी (गोत्र: गोयल परिवार:लीलरिया पैतृक निवास: ग्राम खेतड़ी जिल्हा शिखर राजस्थान, कुल सती चुंडावत माता जी) की वंशावली, श्रीमति सुलेखा द्वारा हमें 01 मार्च 2023 को प्राप्त हुई।
GO00026		जोरावर नगर	कटंगी बालाघाट मध्यप्रदेश	यह स्वर्गीय श्री नारायण अग्रवाल जी (गोत्र: गोयल पैतृक निवास: जोरावर नगर, वर्तमान निवास: कटंगी बालाघाट मध्यप्रदेश) की वंशावली, श्री सुनील अग्रवाल पुत्र श्री शंकर लाल अग्रवाल द्वारा हमें 03 मार्च 2023 को प्राप्त हुई।
GO00027	भारूका परिवार (कन्नड़)	डीडवाना चूरू राजस्थान		स्व श्री भारूमल जी (भारूका परिवार गोयल गोत्र पैतृक निवास: डीडवाना चूरू राजस्थान) की वंशावली हमें श्री संजय भारूका द्वारा 3-मई-2023, श्री गजेंद्र गोयल से 10-जून-2023, श्री रितेश भारूका 28-सितम्बर-2023 श्री जगदीश भारूका द्वारा 28-सितम्बर-2023को प्राप्त हुई।
GO00028	गोयनका परिवार	जयपुर मांडवा राजस्थान	अकोला महाराष्ट्र	यह स्वर्गीय श्री गंगाराम जी अग्रवाल (गोत्र: गोयल परिवार: गोयनका पैतृक निवास: जयपुर मांडवा राजस्थान, वर्तमान निवास: अकोला महाराष्ट्र) की वंशावली, श्री लालीकुमार अग्रवाल जी पुत्र श्री हरिकिसन अग्रवाल जी द्वारा हमें 25 मार्च 2023 को प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GO00029		सिंघाना राजस्थान	चांदवड जिला नासिक महाराष्ट्र	स्व श्री बोधराम जी (वैश्य अग्रवाल गोत्र: गोयल गोत्र सिंघानिया परिवार निवास:सिंघाना राजस्थान से प्रीतमपुर राजस्थान वहां से चांदवड जिला नासिक महाराष्ट्र) की वंशावली हमें श्री दिवेश अग्रवाल पुत्र श्री रामुलाल जी अग्रवाल द्वारा 25 मई 2023 को प्राप्त हुई।
GO00030			दाहोद (गुजरात)	स्वर्गीय श्री रामलाल जी अग्रवाल (गोत्र: गोयल निवास: दाहोद (गुजरात) जी की वंशावली हमें श्री एन वी गोयल जी पुत्र श्री विजय भाई जगदीश चंद्र अग्रवाल द्वारा 14 जून 2023 को प्राप्त हुई।
GO00031				स्वर्गीय श्री तोता राम जी अग्रवाल (गोत्र: गोयल) जी की वंशावली हमें श्री महावीर गोयल जी पुत्र श्री ओमप्रकाश गोयल जी द्वारा जून 2023 में प्राप्त हुई।
GO00032		सिंघाना राजस्थान	शैलपुरी चाँदवड, जिला नासिक महाराष्ट्र	स्वर्गीय श्री बोध राम जी अग्रवाल (गोत्र: गोयल पैतृक स्थान: सिंघाना राजस्थान से प्रीतमपुर राजस्थान, वहां से शैलपुरी ता चाँदवड, जिला नासिक महाराष्ट्र) जी की वंशावली हमें श्री दिवेश अग्रवाल जी द्वारा 24 जून 2023 को प्राप्त हुई।
GO00033	तातिया परिवार	सूरजगढ़ राजस्थान	अकोला महाराष्ट्र	स्वर्गीय श्री सुखदेव जी (गोत्र: गोयल कुटुंबनाम: तातिया परिवार पैतृक निवास: सूरजगढ़ राजस्थान वर्तमान निवास: अकोला महाराष्ट्र जी की वंशावली हमें श्री महेंद्र तातिया पुत्र श्री राधेश्याम तातिया निवासी अकोला द्वारा 20 अक्तूबर 2023 को प्राप्त हुई।
GO00034		ग्राम महरोली	ग्राम महरोली	यह स्व श्री प्रताप सिंह जी (गोत्र गोयल ग्राम महरोली) की वंशावली श्री महेंद्र कुमार जी पुत्र श्री ईसरी प्रसाद जी द्वारा हमें 18 जून 2023 को प्राप्त हुई।
GO00035			नीमच मध्य प्रदेश	यह स्व श्री फतेहराम जी की वंशावली (नीमच मध्य प्रदेश) श्री तरु जी द्वारा हमें 18 जून 2023 को प्राप्त हुई।

|| वंशावली सूची ||

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GO00036			अहमदाबाद	यह स्व श्री फूलचंद जी (गोत्र: गोयल) की वंशावली श्री मनोज कुमार जी (निवास अहमदाबाद) द्वारा 17 जून 2023 को प्राप्त हुई।
GO00037	गिनोडिया परिवार			श्री राधेश्याम गिनोडिया (गोत्र: गोयल कुटुंबनाम: गिनोडिया परिवार) जी की वंशावली हमें श्री सुमित गिनोडिया जी पुत्र श्री कमखया पसाद गिनोडिया द्वारा जून 2023 में प्राप्त हुई।
GO00038		डीडवाना	जोधपुर	स्वर्गीय श्री नेनू राम जी (गोत्र: गोयल कुटुंबनाम: छितरका खांप पैतृक निवास:डीडवाना वर्तमान निवास: जोधपुर, सती माता: सत्ती दादी मुक्ता मां डीडवाना (राजस्थान) जी की वंशावली हमें श्री महेश गोयल पुत्र श्री ओम प्रकाशजी निवासी जोधपुर द्वारा 20 जून 2023 को प्राप्त हुई।
GO00039		चिड़ावा राजस्थान	कलकत्ता	श्री भजन राम जी (गोत्र: गोयल पैतृक निवास : चिड़ावा राजस्थान, वर्तमान कलकत्ता) जी की वंशावली हमें श्री सौरभ अग्रवाल जी पुत्र श्री अशोक अग्रवाल जी द्वारा 3 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई।
GO00040	बरासरिया परिवार			स्वर्गीय श्री बुधा राम (गोत्र: गोयल कुटुंबनाम: बरासरिया गोयल) जी की वंशावली हमें श्री एस के गोयल जी द्वारा 7 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई।
GO00041		गवंडी एक्सटेंशन मौजपुर दिल्ली	गवंडी एक्सटेंशन मौजपुर दिल्ली	यह श्री काशीराम जी (गोयल गोत्र) निवास गवंडी एक्सटेंशन मौजपुर दिल्ली की वंशावली श्री अशोक कुमार गुप्ता जी द्वारा से 18 अक्टूबर 2022 को प्राप्त हुई
GO00042			मुथल हरियाणा	स्वर्गीय श्री ज्वाला प्रसाद जी (गोत्र: गोयल स्थान: मुथल हरियाणा) जी की वंशावली हमें श्रीमती निधि गोयल जी धर्मपत्नी श्री मनोज गोयल जी द्वारा 14 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई।

।। वंशावली सूची ।।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GO00043	जमनादास परिवार सिरसा 1	सिरसा	हिसार	स्वर्गीय श्री धर्म राम जी (गोत्र: गोयल स्थान: हिसार) जी की वंशावली हमें श्री सुरेश कुमार गोयल जी पुत्र श्री अमरनाथ जी द्वारा 14 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई।
GO00044		गुढ़ा, महेंद्रगढ़, हरियाणा	बीकानेर, राजस्थान	स्वर्गीय श्री गेंदाराम जी गोयल जी (गोत्र: गोयल पैतृक स्थान: गुढ़ा, महेंद्रगढ़, हरियाणा वर्तमान स्थान: बीकानेर, राजस्थान) जी की वंशावली हमें श्री नितेश गोयलजी पुत्र स्वर्गीय श्री प्रदीप गोयल द्वारा 14 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई।
GO00045	जमनादास परिवार सिरसा 2	सिरसा	हिसार	स्व श्री बालक राम जी (गोत्र: गोयल स्थान सिरसा) की वंशावली श्री विनोद गोयल जी से जून 2023 में प्राप्त हुई
GO00046	शरण परिवार	महम	महम	स्व श्री चौधरी जी (गोत्र: गोयल शरण परिवार की वंशावली श्री विनोद गोयल जी से जून 2023 में प्राप्त हुई
GO00047		गांव लालसोट, हिंडौन सिटी	एबी रोड बीनागंज जिला गुना एमपी	स्वर्गीय श्री सॊजी रामजी गोयल जी (गोत्र: गोयल पैतृक स्थान:गांव लालसोट, हिंडौन सिटी वर्तमान स्थान: एबी रोड बीनागंज जिला गुना एमपी) की वंशावली हमें श्री अंकित गोयल पुत्र श्री घनश्याम जी गोयल जी द्वारा 1 अक्टूबर 2023 को प्राप्त हुई।
GO00048	परतापूरिया परिवार	परतापूरिया नीमराना अलवर राजस्थान	धमतरी, रायपुर आदि विभिन्न स्थान	स्वर्गीय श्री हुकुम चंद जी गोयल जी (गोत्र: गोयल परतापूरिया परिवार पैतृक स्थान:परतापूरिया नीमराना अलवर राजस्थान) की वंशावली हमें श्री अरुण लाठ जी द्वारा 1 अक्टूबर 2023 को प्राप्त हुई।
GO00049		सिंघाना	सिंघाना	स्वर्गीय श्री दयाराम जी (गोत्र: गोयल जैन परिवार पैतृक स्थान: सिंघाना) की वंशावली हमें श्री ललित जैन जी द्वारा 1 अक्टूबर 2023 को प्राप्त हुई।

।। वंशावली सूची ।।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GO00050		जोरावर नगर	कटंगी बालाघाट मध्यप्रदेश	स्वर्गीय श्री नारायण जी (गोत्र: गोयल पैतृक स्थान: जोरावर नगर वर्तमान स्थान: कटंगी बालाघाट मध्यप्रदेश) की वंशावली हमें श्री सुनील जी पुत्र श्री शंकर लाल जी द्वारा 11 नवम्बर 2023 को प्राप्त हुई।
GO00051	सुरेखा परिवार	लक्ष्मणगढ़ सीकर राजस्थान	लक्ष्मणगढ़ सीकर राजस्थान	स्वर्गीय श्री भोज राज जी (गोत्र: गोयल सुरेकापरिवार पैतृक स्थान:लक्ष्मणगढ़ सीकर राजस्थान) की वंशावली हमें श्री सुभाष सुरेखा पुत्र श्री राम निरंजन सुरेका द्वारा 16 नवम्बर 2023 को प्राप्त हुई।
GO00052		नागौद जिला सतना मध्य प्रदेश	लगभग 80 वर्षों से बुढ़ार जिला शहडोल	स्वर्गीय श्री राघव प्रसाद अग्रवाल (गोत्र: गोयल पैतृक स्थान:नागौद जिला सतना मध्य प्रदेश वर्तमान स्थान: बुढ़ार जिला शहडोल - लगभग 80 वर्षों से) की वंशावली हमें श्री सतीश कुमार अग्रवाल पुत्र श्री रामेश्वर प्रसाद अग्रवाल द्वारा 2 दिसंबर 2023 को श्री श्याम सुन्दर जी बगड़िया द्वारा प्राप्त हुई।
GO00053	बाजारी परिवार			स्वर्गीय श्री कुशली राम जी (गोत्र: गोयल बाजारी परिवार) की वंशावली हमें श्री मनीष पटवारी जी द्वारा 18 नवम्बर 2023 को प्राप्त हुई।
GO00054		पनियाली गाँव यू.पी.तहसील तलेडी जिला सहारनपुर	कोटा राजस्थान	श्री मंगत राय जी अग्रवाल (गोत्र: गोयल पैतृक स्थान:पनियाली गाँव यू.पी.तहसील तलेडी जिला सहारनपुर वर्तमान स्थान: कोटा राजस्थान) की वंशावली हमें श्रीमती रचना गोयल द्वारा 2 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई।
GO00055	गोयनका परिवार	लक्ष्मण गढ़ शेखावाटी जिला राजस्थान	बिजुरी जिला अनूपपुर मप्र	श्री मगनी राम जी गोयनका (गोत्र: गोयल गोयनका परिवार पैतृक स्थान: लक्ष्मण गढ़ शेखावाटी जिला राजस्थान वर्तमान स्थान बिजुरी जिला अनूपपुर मप्र) की वंशावली हमें श्री बाल कृष्ण गोयनका द्वारा श्री श्याम सुन्दर बगड़िया निवासी अमलई से 15 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई।
GO00056				स्व श्री अमीचंद हंसारिया जी (गोत्र: गोयल हंसारिया परिवार की वंशावली हमें श्री अशोक गुप्ता जी से 15 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई।

।। वंशावली सूची ।।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GO00057		लपावली तहसील बालघाट जिला गंगापुर सिटी राजस्थान	हिण्डोन सिटी जिला करौली राजस्थान	स्व श्री ईश्वर प्रसाद जी (गोत्र: गोयल पैतृक स्थान:लपावली तहसील बालघाट जिला गंगापुर सिटी राजस्थान वर्तमान स्थान: हिण्डोन सिटी जिला करौली राजस्थान) की वंशावली हमें श्री सुरेश चंद गुप्ता पुत्र स्व श्री दामोदर लाल गोयल द्वारा 12 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई।
GO00058	तुहीराम परिवार		लगभग 80 वर्षों से बुढ़ार जिला शहडोल	स्व श्री तुहीराम (गोत्र: गोयल तुहीरामका परिवार) की वंशावली श्री पुरषोत्तम राम तुहीरामका की पुस्तक तुहीरामका वंश परिचय श्री पवन गोयल और श्री विनोद गोयल नम्बरदार जी के सहयोग से प्राप्त हुई
GO00059	मनसीखिरिया (Manshikiriya) परिवार			मनसीखिरिया (Manshikiriya) परिवार की वंशावली
GO00060	गोयनका परिवार	रामगढ़ सीकर राजस्थान	कोतमा जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश	स्व श्री भादरमल जी गोयनका (गोत्र: गोयल गोयनका परिवार पूर्वज: रामगढ़ सीकर राजस्थान वर्तमान: कोतमा जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश) की वंशावली हमें श्रीमती किरण गोयनका पति श्री केशव कुमार गोयनका जी द्वारा श्री श्याम सुन्दर बगड़िया के सहयोग से 03 दिसम्बर 2023 को प्राप्त हुई।
GO00061	कयाल परिवार	सांभर झील जिला. जयपुर राज		स्व श्री गोगराजी जी कयाल (गोत्र: गोयल कयाल परिवार पूर्वज: सांभर झील जिला. जयपुर राज.) की वंशावली हमें श्री तुलसीराम जी कयाल द्वारा 10 जनवरी 2024 को प्राप्त हुई।
GO00062	गोयनका परिवार	उमरिया		स्व श्री गौरीदत्त जी गोयनका (गोत्र: गोयल गोयनका परिवार पूर्वज: उमरिया) की वंशावली हमें श्री गोविन्द बंसल जी अमलाई द्वारा श्री श्याम सुन्दर बगड़िया के सहयोग से 11 जनवरी 2023 को प्राप्त हुई।
GO00063		डाबला (नीम का थाना, राजस्थान)	फुनगा, जिला अनूपपुर, मप्र.	स्व श्री मंगल चंद (गोत्र: गोयल पैतृक स्थान: डाबला (नीम का थाना, राजस्थान) वर्तमान स्थान: फुनगा, जिला अनूपपुर, मप्र.) की वंशावली हमें श्री चन्द्र प्रकाश अग्रवाल पुत्र श्री रामरतन लाल जी द्वारा श्री श्याम सुन्दर बगड़िया के सहयोग से 24 जनवरी 2023 को प्राप्त हुई।

।। वंशावली सूची ।।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
GO00064	भारूका परिवार (बसावा)	बसावा जिला सीकर राजस्थान	भागलपुर	स्व श्री गुलाबराय जी (गोत्र: गोयल भारूका परिवार पैतृक निवास : बसावा जिला सीकर राजस्थान निवास स्थान: भागलपुर) जी की वंशावली हमें श्री अमरदीप भारूका पुत्र श्री स्व श्री केशर देव भारूका द्वारा 17 मार्च 2023 को प्राप्त हुई।
GO00065	हवेली वाले	गुडियानी तहसील कोसली जिला रेवाड़ी हरियाणा	अहमदाबाद गुजरात	स्व श्री जीतराम जी (गोत्र: गोयल हवेली वाले वर्तमान स्थान: अहमदाबाद गुजरात मूल निवास: गुडियानी तहसील कोसली जिला रेवाड़ी हरियाणा (पहले यह स्थान रोहतक झझर तहसील के अंतर्गत था) की वंशावली हमें श्री हरी निवास गुप्ता जी पुत्र श्री मनोहर लाल राम जी द्वारा 30 अगस्त 2024 को प्राप्त हुई। इस परिवार के पुर्वज मेहतवास से गुडियानी आकर बसे थे। मेहतावास रेवाड़ी के पास स्थित है वहां एक भी कुंड है। कुंड नाम का एक गांव है।जहां स्लेट बनाने का पत्थर निकलता है हमारे गांव मे दोही गोत्र के कुटुम्ब रहते हैं।गोयल एवं बंसल। गांव छोड़ कर जो अन्य स्थानों पर बस गए उन मे से कुछ ने गुडियानिया लिखने लगे एवं कुछ गुडियानी वाला लिखने लगे
GN00001	गंगल	गावं उटवारा	बीकानेर, हिसार और अन्य स्थान	स्व श्री जयसी बाबा जी (गंगल परिवार गोत्र पैतृक निवास: गावं उटवारा वाला वर्तमान: बीकानेर, हिसार और अन्य स्थान) की वंशावली श्री भारत भूषण गुप्ता पुत्र श्री शंकर लाल जी गुप्ता द्वारा हमें 17 मार्च 2023 को प्राप्त हुई।
GN00002				स्व श्री अमर सिंह जी (गोयनर परिवार गोयन गोत्र पैतृक निवास: शेरपुर सवाई माधोपुर वर्तमान: श्योपुर मध्य प्रदेश) की वंशावली श्रीमती अर्चना गुप्ता धर्मपत्नी डॉ लोकमणि गुप्ता (बंसल) के भाई श्री महेन्द्र जी द्वारा हमें 25 फरवरी 2024 को डॉ लोकमणि गुप्ता जे के सहयोग से प्राप्त हुई।
JI00001				श्री उमराव अग्रवाल (जिंदल गोत्र) जी की वंशावली यह वंशावली हमें श्री रवि जिंदल द्वारा 01 जुलाई 2022 में प्राप्त हुई है

।। वंशावली सूची ।।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
JI00002		मलेर कोटला	फगवाड़ा	यह श्री इधु मल अग्रवाल (जिंदल गोत्र) वंशावली हमें श्री राज कुमार जिंदल पुत्र श्री दर्शन लाल जिंदल जी (पैतृक स्थान: मलेर कोटला निवास स्थान: फगवाड़ा (1968 से) से श्री रवि जिंदल जी द्वारा 6 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई
JI00003		भिखी जिला बठिंडा पंजाब	रानी बाजार बीकानेर	श्री भगवान दास गुप्ता (गोत्र: जिंदल, पैतृक निवास : भिखी जिला बठिंडा पंजाब, वर्तमान: रानी बाजार बीकानेर) की वंशावली हमें श्री अनिल कुमार गुप्ता पुत्र श्री कोरसेन गुप्ता द्वारा हमें 5 मार्च 2023 को प्राप्त हुई।
JI00004		महरौली (राजस्थान)	नसीराबाद (राजस्थान)	श्री स्व श्री जैसराजजी जिंदल जी (गोत्र: जिंदल, लगभग 1830 से 1850 के मध्य महरौली (राजस्थान) से नसीराबाद (राजस्थान) आये) की वंशावली हमें श्री गोविन्द जिंदल जी पुत्र श्री छीतरमल जिंदल जी द्वारा 14 जून 2023 को प्राप्त हुई।
JI00005	नलवावाले परिवार	हिसार हरियाणा	हिसार हरियाणा	श्री स्व श्री मगनी राम जी जिंदल (गोत्र: जिंदल, पैतृक निवास : नलवावाले हिसार हरियाणा) की वंशावली हमें श्री पंकज जिंदल पुत्र श्री ब्रिज मोहन जिंदल जी द्वारा 13 जून 2023 को प्राप्त हुई।
JI00006		सिधांवा भिवानी हरियाणा	सिधांवा भिवानी हरियाणा	स्व श्री जय लाल जी जिंदल (गोत्र: जिंदल, पैतृक निवास : सिधांवा भिवानी हरियाणा) की वंशावली हमें श्रीमती कविता अग्रवाल द्वारा 19 जून 2023 को प्राप्त हुई।
JI00007		राजगढ़ चूरू राजस्थान		स्व श्री भेखमल मल जी (गोत्र: जिंदल, पैतृक निवास : राजगढ़ चूरू राजस्थान) की वंशावली हमें श्री रतन जी पुत्र स्व श्री विश्वनाथ जी जिंदल द्वारा 8 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई। (राजगढ़ चूरू राजस्थान से निकास लगभग 100 पूर्व, कुछ परिवार के सदस्य अभी भी पुराने समय से ही राजगढ़ चूरू राजस्थान में निवास करते है परन्तु सम्पर्क में नहीं है)
JI00008		चांदपुर (बिजनौर) उत्तर प्रदेश	चांदपुर (बिजनौर) उत्तर प्रदेश	स्व श्री उमराव सिंह जी (गोत्र: जिंदल, पैतृक निवास : चांदपुर (बिजनौर) उत्तर प्रदेश) की वंशावली हमें श्री विनीत कुमार जिंदल पुत्र श्री रघुनन्दन शरण जी जिंदल द्वारा 8 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई।

।। वंशावली सूची ।।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
JI00009	खरकियाँ परिवार			श्री केवल राम खरकियाँ (गोत्र: जिंदल परिवार: खरकियाँ) जी की गोपाल जिंदल द्वारा पुस्तक में संकलित वंशावली श्री गोविन्द जिंदल जी द्वारा 21 अगस्त 2023 को प्राप्त हुई
JI00010		हठूर पंजाब	अहमदाबाद)	स्व श्री अमर नाथ (गोत्र: जिंदल, पैतृक निवास : हठूर पंजाब, वर्तमान: अहमदाबाद) की वंशावली हमें श्री मोहित जिंदल पुत्र श्री कमल जिंदल द्वारा 12 अक्टूबर 2023 को प्राप्त हुई।
JI00011	खेमका परिवार	चूरू राजस्थान		स्व श्री खेमचंद जी (गोत्र: जिंदल खेमका परिवार पैतृक निवास : चूरू राजस्थान वर्तमान: समस्त भारत) की वंशावली हमें श्री रमा शंकर खेमका जी द्वारा उनकी लिखी पुस्तक "खेमका कुल गाथा" से 04 अक्टूबर 2024 को प्राप्त हुई।
KA00001		जहांगीराबाद जिला बुलंदशहर, उत्तरप्रदेश	जहांगीराबाद जिला बुलंदशहर, उत्तरप्रदेश	स्वर्गीय श्री गुरदयाल मल जी (गोत्र: कंसल गोत्र पैतृक स्थान: जहांगीराबाद जिला बुलंदशहर, उत्तरप्रदेश) की वंशावली हमें श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री ज्ञान चंद जी (लोनेवाला, पुणे) द्वारा 28 नवम्बर 2022 को प्राप्त हुई।
KA00002	रायपुरिया	रायपुर राजस्थान	ग्वालियर मध्यप्रदेश	यह श्री सोहूराम जी (कंसल गोत्र) (पैतृक रायपुर राजस्थान वर्तमान निवास - ग्वालियर मध्यप्रदेश) की वंशावली हमें श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल जी द्वारा 8 दिसम्बर 2022 को प्राप्त हुई। श्री सोहूराम जी जी का परिवार राजस्थान ब्यावर के पास रायपुर नामक स्थान से 200 वर्ष पूर्व ग्वालियर में आया. अजमेर ब्यावर एवं दिल्ली में निवास करने वाले रायपुर से निकले हुए परिवार के लोग अपना कुटुंब नाम "रायपुरिया" लिखते हैं यह एक प्रतिष्ठित समाजसेवी परिवार है।
KU00001		प्रयाग	प्रयाग	श्री प्रियदास अग्रवाल कुछल गोत्र (प्रयाग) जी की वंशावली हमें श्री संजय अग्रवाल से श्री रवि जिंदल द्वारा 10 जुलाई 2022 में प्राप्त हुई है
KU00002		सिरोली बहाली नारनौल	सिवनी मध्यप्रदेश	स्वर्गीय श्री मान सिंह (गोत्र: कुछल निवास: सिरोली बहाली नारनौल, वर्तमान निवास: सिवनी मध्यप्रदेश) की वंशावली, श्री तरुण जी पुत्र श्री भगवान दास अग्रवाल हमें 2 मार्च 2023 को प्राप्त हुई।

।। वंशावली सूची ।।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
KU00003		ग्राम छोटी खुर्द दिल्ली	ग्राम छोटी खुर्द दिल्ली	स्वर्गीय श्री पूर्ण चंद जी (गोत्र: कुछाल गोत्र पैतृक स्थान: ग्राम छोटी खुर्द दिल्ली - 39) की वंशावली हमें श्री विजय कुमार कुछल द्वारा 26 जून 2023 को प्राप्त हुई।
MK00001		काशी	काशी	काशी मधुकुल गोत्र साह परिवार की वंशावली वर्ष 2007 में निर्मित
MA00001		सरहून खेड़ा, कोटपुतली, राजस्थान	सरहून खेड़ा, कोटपुतली, राजस्थान	श्री खेमचंद जी अग्रवाल (मंगल गोत्र) जी की वंशावली पैतृक स्थान : सरहून खेड़ा, कोटपुतली, राजस्थान कुल देवी - दैहमी माता - मनसा देवी गोत्र : मंगल यह वंशावली श्री अखिलेश अग्रवाल (मंगल गोत्र) द्वारा श्री रवि जिंदल जी से प्राप्त हुई (10 जुलाई 2022)
MA00002		सिरोंज, विदिशा, मध्य प्रदेश	सिरोंज, विदिशा, मध्य प्रदेश	यह वंशावली हमें श्रीमती कर्तिका अग्रवाल जी पैतृक और निवास स्थान: सिरोंज, विदिशा, मध्य प्रदेश से श्री रवि जिंदल जी द्वारा 04 अगस्त 2022 को प्राप्त हुई
MI00003		ठाकुरगंज (बिहार)	किशनगढ़ (अजमेर)	यह वंशावली हमें श्री सुमित अग्रवाल (मंगल गोत्र) पुत्र श्री बिमल कुमार अग्रवाल पैतृक स्थान: ठाकुरगंज (बिहार) निवास स्थान: किशनगढ़ (अजमेर) से रवि जिंदल जी द्वारा 05 अगस्त 2022 को प्राप्त हुई
MI00004		अलोदा जमशेद पुर	अलोदा जमशेद पुर	यह श्री नाथु लाल मोदी जी (मंगल गोत्र) की वंशावली हमें श्री अशोक कुमार मोदी सुपुत्र श्री बजरंग लाल मोदी निवास अलोदा जमशेद पुर रवि जिंदल जी द्वारा 16 सिंतम्बर 2022 को प्राप्त हुई
MA00005		बमोरी जिला विदिशा	बमोरी जिला विदिशा	यह श्री मुकुंद राय जी (मंगल गोत्र) पैतृक निवास बमोरी जिला विदिशा वंशावली श्रीमति नमिता जी से 28 अक्टूबर 2022 को प्राप्त हुई

।। वंशावली सूची ।।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
MA00006		मुरादाबाद उत्तरप्रदेश राज्य)	हिसार हरयाणा	यह श्री सेठ राम सहाय मल जी (मंगल गोत्र) (स्थान - मुरादाबाद उत्तरप्रदेश राज्य) की वंशावली हमें श्री कैलाश चंद्र गुप्ता जी पुत्र श्री रामेश्वर दयाल गुप्ता जी (निवास स्थान हिसार हरयाणा राज्य) से 01 जनवरी 2023 को प्राप्त हुई
MA00007		ततारपुर	सानिया (छोटी खाटू) राजस्थान	यह श्री सेठ माहाराम जी (मंगल गोत्र) (पैतृक स्थान: ततारपुर) की वंशावली हमें श्री गोविन्द अग्रवाल जी पुत्र श्री मांगीलाल अग्रवाल जी (निवास स्थान: सानिया (छोटी खाटू) राजस्थान) से 06 जनवरी 2023 को प्राप्त हुई
MA00008		मोहना जिला फरी दाबाद	मोहना जिला फरीदा बाद	यह स्व. श्री नानक चंद (मंगलगोत्र) जी की वंशावली हमें श्री ललित कुमार जी पुत्र श्री राम किशोर (मोहना जिला फरीदाबाद) द्वारा 5 फरवरी 2023 को प्राप्त हुई।
MA00009	गुड़वाले परिवार	कोटा	कोटा	यह स्वर्गीय श्री मीठालाल गुड़वाले जी (मंगल गोत्र वर्तमान स्थान: कोटा) की वंशावली हमें श्रीमती सरिता अग्रवाल जी द्वारा डॉ लोकमणि गुप्ता से 6 फ़रवरी 2022 को प्राप्त हुई।
MA00010		किरतपुर जिला बिजनौर उत्तर प्रदेश	किरतापुर जिला बिजनौर उत्तर प्रदेश	स्व श्री करोड़ीमल जी (गोत्र: मंगल, पैतृक स्थान: किरतपुर जिला बिजनौर उप) की वंशावली श्री सचिन अग्रवाल पुत्र श्री रजनीश अग्रवाल द्वारा हमें 17 जून 2023 को प्राप्त हुई।
MA00011		श्री माधोपुर	चित्तोरगढ	यह स्व श्री देवी सहाय जी (गोत्र: मंगल पैतृक स्थान: श्री माधोपुर वर्तमान स्थान: चित्तोरगढ) की वंशावली श्री अशोक कुमार गुप्ता जी पुत्र श्री माखनलाल गुप्ता द्वारा हमें 24 जून 2023 को प्राप्त हुई।
MA00012	मोदी परिवार	गांव: पलासरा	मुंबई, सूरत	यह स्व श्री सेवाराम जी (गोत्र: मंगल मोदी परिवार पैतृक गांव: पलासरा कुलदेवता: बालाजी टपकेश्वर महादेव) की वंशावली श्री परमेश्वर लाल मोदी पुत्र श्री ज्वाला प्रसाद जी मोदी द्वारा 28 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई।
MA00013	दासीवाला परिवार	पैतृक स्थान (Parental place)	वर्तमान स्थल (Cuurent Place)	स्व श्री भेरू रामजी दासीवाला (गोत्र: मंगल पैतृक गांव:) की वंशावली श्री जवाहर लाल पुत्र श्री पुष्प चंद्र जी द्वारा 09 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई।

।। वंशावली सूची ।।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
MA00014		उदयपुर धान मंडी राजस्थान	चित्तौड़गढ़ रेलवे स्टेशन के पास अग्रवाल किराना स्टोर निकट रंगीला हनुमान मंदिर उदयपुर , राजस्थान	स्व श्री कालू राम जी अग्रवाल (गोत्र: मंगल पैतृक गांव:उदयपुर धान मंडी राजस्थान वर्तमान स्थान: चित्तौड़गढ़ रेलवे स्टेशन के पास अग्रवाल किराना स्टोर) की वंशावली श्री हिमांशु जी पुत्र श्री उमा शंकर जी aur श्री कन्हैया लाल पुत्र स्व श्री जगन्नाथ अग्रवाल द्वारा 20 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई। द्वारा 09 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई।
MA00015	परसावत परिवार	जायल डीडवाना	चालीसगांव महाराष्ट्र	स्व श्री नानक राम जी (गोत्र: मंगल परसावत परिवार पैतृक गांव:जायल डीडवाना वर्तमान स्थान: चालीसगांव महाराष्ट्र) की वंशावली श्री रितेश भारूका द्वारा 15 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई।
MA00016		रामगढ चूरू राजस्थान	मुंबई	स्व श्री तुलसीदास जी गुप्ता (गोत्र: मंगल पैतृक गांव: रामगढ चूरू राजस्थान वर्तमान स्थान: मुंबई) की वंशावली श्री संजीव कुमार गुप्ता पुत्र श्री मुरारी लाल गुप्ता द्वारा 2 जनवरी 2024 को प्राप्त हुई।
MA00017		मुरैना मध्य प्रदेश	इंदौर)	श्री गंगाविशन जी (गोत्र: मंगल पैतृक गांव: मूल निवासी गांव सुजर्मा तहसील कैलारस जिला मुरैना मध्य प्रदेश वर्तमान स्थान: इंदौर) की वंशावली श्री शरद कुमार जी मंगल पुत्र श्री रामवतार जी मंगल द्वारा 25 अप्रैल 2024 को प्राप्त हुई।
MI00004		कासगंज	कासगंज	यह वंशावली हमें श्री अवनीश मित्तल पुत्र स्व. श्री महेश चंद्र मित्तल जी कासगंज से श्री रवि जिंदल जी द्वारा 27 जुलाई 2022 को प्राप्त हुई
MI00005		भोपाल	भोपाल	यह श्री लक्ष्मी नारायण मित्तल जी (पैतृक स्थान: भोपाल वर्तमान निवास स्थान: - भोपाल) की वंशावली हमें श्रीमती नेहा मित्तल से सुश्री नमिता मंगल जी द्वारा 24 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई

।। वंशावली सूची ।।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
MI00006		मूल निवास स्थान: वैर(भरतपुर) राजस्थान पैतृक स्थान: ब्रह्मबाद, बयाना (भरतपुर) राजस्थान	बड़ौदा , गुजरात	यह स्व श्री राम प्रसाद मित्तल जी की वंशावली (मूल निवास स्थान: वैर(भरतपुर) राजस्थान पैतृक स्थान: ब्रह्मबाद, बयाना (भरतपुर) राजस्थान वर्तमान निवास स्थान : बड़ौदा , गुजरात) हमें श्री देवेन्द्र मित्तल पुत्र श्री सत्येन्द्र मित्तल द्वारा श्री रवि जिंदल से 20 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई
MI00007		शेख रिसायत पटियाला (पंजाब)	शेख रिसायत पटियाला (पंजाब)	यह वंशावली हमें अग्रवंश पुस्तक से प्राप्त हुई है जो डॉ रामचंद्र गुप्ता (पुत्र श्री शोभाराम अग्रवाल) शेख रिसायत पटियाला (पंजाब) द्वारा 1921 ईस्वी में लिखी गयी थी
MI00008	चानौतिया परिवार	हांसी चानौतिया	हांसी चानौतिया	यह लाला लिच्छीराम अग्रवाल जी (मित्तल गोत्र) निवास हांसी चानौतिया परिवार की वंशावली श्री ब्रह्मराजपुत्र श्री हरिचन्द्र जी से 21-सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई
MI00009	आलवाला परिवार	बांशी नैनवा जिला बूंदी राजस्थान	कोटा राजस्थान	श्री राम लाल जी आलवाला (मित्तल गोत्र,आलवाला परिवार पैतृक निवास बांशी नैनवा जिला बूंदी राजस्थान वर्तमान कोटा राजस्थान) की वंशावली प्राप्त हुई
MI000010	बगड़िया परिवार	सादुलपुर - राजगढ़	गिरिडीह ज़िला झारखण्ड/ रिशरा (पश्चिमी बंगाल)	यह स्वर्गीय श्री जोध राज जी (मित्तल गोत्र) की वंशावली, श्री गोपाल बगड़िया जी पुत्र श्री गिरधारीलाल जी बगड़िया (पैतृक निवास सादुलपुर - राजगढ़ लगभग 150 वर्ष पूर्व (~1850 ईस्वी में गिरिडीह ज़िला भारत के झारखण्ड राज्य में विस्थापन हुआ यह वंशावली हमें श्री सुरेश कुमार बगड़िया (पुत्र स्वर्गीय श्री रामेश्वर लाल बगड़िया) अपनी पत्नी श्रीमती पुष्पा और पुत्र सहित रिशरा (पश्चिमी बंगाल) में निवास कर रहे है के सहयोग से हमें 6 फरवरी 2023 को प्राप्त हुई। (सिवनी से सादुलपुर आए सादुलपुर से गिरडीह गए)

।। वंशावली सूची ।।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
MI00011		किशन पूरा (निकट रींगस सीकर (राजस्थान)	बीकानेर	श्री बंसी लाल (गोत्र: मित्तल पैतृक निवास :किशन पूरा (निकट रींगस सीकर (राजस्थान)) की वंशावली हमें श्री राकेश मित्तल (जन्मस्थान: सबाथू हिमाचल प्रदेश , वर्तमान निवास:बीकानेर) पुत्र श्री हरीचंद मित्तल द्वारा हमें 5 मार्च 2023 को प्राप्त हुई।
MI00012		सिग्नोरे ,गुढ़ा गौड़जी जिला झुंझुन, राजस्थान	अकोला	श्री केदारमलजी अग्रवाल (गोत्र: मित्तल पैतृक निवास: सिग्नोरे ,गुढ़ा गौड़जी जिला झुंझुन, राजस्थान, वर्तमान निवास: अकोला) की वंशावली, श्री दीपक अग्रवाल पुत्र श्री ओमप्रकाश अग्रवाल द्वारा हमें 10 मार्च 2023 को प्राप्त हुई।
MI00013	सरावगी परिवार	अजीतपुरा जिला हनुमानगढ़ राजस्थान	जलगांव, महाराष्ट्र	यह स्वर्गीय श्री रूपचंद जी सरावगी (गोत्र: मित्तल परिवार: सरावगी पैतृक निवास: अजीतपुरा जिला हनुमानगढ़ राजस्थान वर्तमान निवास: जलगांव, महाराष्ट्र) की वंशावली, श्री पवन कुमार जी पुत्र श्री संतलाल अग्रवाल जी द्वारा हमें 13 मार्च 2023 को प्राप्त हुई।
MI00014	अंगारके परिवार	सरमथुरा (राजस्थान)	राजस्थान	स्व श्री सेडूराम जी अग्रवाल (परिवार: अंगारके गोत्र: मित्तल पैतृक निवास : सरमथुरा (राजस्थान) जी की वंशावली हमें श्री दाऊ दयाल गुप्ता जी पुत्र श्री श्रवण कुमार मित्तल जी से 26 अप्रैल 2023 को प्राप्त हुई।
MI00015		धुलिया	धुलिया	स्व श्री बिसनराम जी ग्रवाल (गोत्र: मित्तल निवास : धुलिया, फर्म का नाम: पूरणमलजी बालूरामजी) जी की वंशावली हमें श्रीमती मीरा जी 14 मई 2023 को प्राप्त हुई।
MI00016	कंदोई परिवार	शादुलपुर	शादुलपुर	श्रीधर जी (गोत्र: मित्तल कंदोई परिवार शादुलपुर) की वंशावली श्री टीकम चंद नागरमल अग्रवाल जी द्वारा 15 जून 2023 को प्राप्त हुई

।। वंशावली सूची ।।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
MI00017		गांव - बुआना लाखु जिला सोनीपत हरियाणा	गांव - बुआना लाखु जिला सोनीपत हरियाणा	स्व श्री भूरामल जी जैन (गोत्र: मित्तल गांव - बुआना लाखु जिला सोनीपत हरियाणा) की वंशावली श्री आकाश जैन पुत्र श्री अशोक जैन जी द्वारा 15 जून 2023 को प्राप्त हुई
MI00018	डुलानिया परिवार	पुराना गांव राजगढ़, सादुलपुर जिला चूरु राजस्थान	नई दिल्ली	श्री गजानंद जी (गोत्र: मित्तल पैतृक स्थान: पुराना गांव राजगढ़, सादुलपुर जिला चूरु राजस्थान वर्तमान स्थान: नई दिल्ली) की वंशावली श्री ज्ञानेश्वर अग्रवाल पुत्र श्री सागर मल अग्रवाल जी द्वारा 15 जून 2023 को प्राप्त हुई
MI00019	सफर परिवार	चूरु राजस्थान	पिलानी	श्री गोपीरामजी सफर (गोत्र: मित्तल सफर परिवार पैतृक स्थान: चूरु राजस्थान वर्तमान स्थान: पिलानी) की वंशावली श्री महेश कुमार अग्रवाल पुत्र श्री रतन लाल सफर द्वारा 15 जून 2023 को प्राप्त हुई
MI00020	महमिये परिवार	स्यालकोट	स्यालकोट	श्री महाराजमल जी महमिये (गोत्र: मित्तल महमिये परिवार पैतृक स्थान: स्यालकोट) की वंशावली श्री अशोक गुप्ता द्वारा 15 जून 2023 को प्राप्त हुई
MI00021		बहु जलेरी गांव जिला रोहतक हरियाणा	अबोहर पंजाब	श्री परसराम मित्तल जी (गोत्र: मित्तल पैतृक स्थान: बहु जलेरी गांव जिला रोहतक हरियाणा, वर्तमान: अबोहर पंजाब) की वंशावली श्री सुशील जी पुत्र श्री मदन लाल जी द्वारा 15 जून 2023 को प्राप्त हुई
MI00022	थरडं (पाटोदिया) परिवार	झुंझूनू	पाटोदा	स्व श्री पूरणमल जी (गोत्र: मित्तल थरडं/पाटोदिया परिवार पैतृक स्थान: झुंझूनू में पाटोदा) की वंशावली श्री पवन पाटोदिया पुत्र श्री डूंगर मल द्वारा 4 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई

।। वंशावली सूची ।।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
MI00023	उमरा परिवार	उमरा गांव (ब्लॉक/तहसील हांसी जिला हिसार हरियाणा)	टिटलागढ़ (Titlagarh) (जिला बलांगिर ओड़िशा)	स्व श्री (श्रेष्ठी) भोपामलजी चौधरी जी (गोत्र: मित्तल पैतृक निवास: उमरा गांव (ब्लॉक/तहसील हांसी जिला हिसार हरियाणा) वर्तमानस्थान: टिटलागढ़ (Titlagarh) (जिला बलांगिर ओड़िशा) की वंशावली हमें श्री धनराज जैन द्वारा 15 जून 2023 को प्राप्त हुई।
MI00024			फिरोजाबाद उत्तरप्रदेश)	स्व श्री नन्नू मल जी मित्तल (गोत्र: मित्तल स्थान: फिरोजाबाद उत्तरप्रदेश) की वंशावली श्री दीपक कुमार जैन मित्तल पुत्र श्री सुरेश चंद जैन अधिवक्ता द्वारा 4 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई
MI00025	सफड़िया परिवार	सफड़ राजस्थान	सतना मध्यप्रदेश	स्व श्री लल्लूमल जी मित्तल जी (गोत्र: मित्तल सफड़िया परिवार पैतृक स्थान: सफड़ राजस्थान, वर्तमान: सतना मध्यप्रदेश) की वंशावली श्रीमती कविता अग्रवाल जी द्वारा 12 नवम्बर 2023 को प्राप्त हुई।
MI00026	घीवाला परिवार	खोरी, राजस्थान, तहसील शाहपुरा जिला जयपुर राजस्थान	कोटा, राजस्थान	स्व श्री गोरधन दास जी (गोत्र: मित्तल घीवाला परिवार पैतृक स्थान: गांव-खोरी, तहसील शाहपुरा जिला जयपुर राजस्थान, वर्तमान: कोटा, राजस्थान कुलदेवी: बिदारा धाम वैष्णो देवी (बिदरा-शाहपुरा),) की वंशावली श्री बी एल मित्तल जी द्वारा 21 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई, मन्ना लाल जी 1905 में (लगभग) कोटा राजस्थान 1910 में प्रवासित हुए।
MI00027	परसरामपुरीया			परसरामपुरीया मित्तल परिवार की वंशावली
MI00028				श्री भगवती प्रसाद गुप्ता (गोत्र: मित्तल) की वंशावली हमें जुलाई 2023 को प्राप्त हुई

।। वंशावली सूची ।।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
MI00029	पटवारी परिवार	नैनवा जिला. बूंदी राजस्थान	नैनवा जिला. बूंदी राजस्थान	स्व श्री ग्यारसी लाल जी (गोत्र: मित्तल (कागला) पटवारी परिवार (नैनवा जिला. बूंदी राजस्थान) की वंशावली हमे 20 अगस्त 2023 को प्राप्त हुई
MI00030				स्व श्री तुलसीराम जी (गोत्र: मित्तल परिवार पैतृक निवास : वर्तमान निवास:) की वंशावली हमें श्रीमती मधु जी धर्मपत्नी श्री अशोक जी (पुत्र श्री स्व श्री सुवालाल जी) द्वारा 30 नवम्बर 2023 को प्राप्त हुई।
MI00031				स्व श्री लाला मौजीराम जी (गोत्र: मित्तल परिवार पैतृक निवास : वर्तमान निवास:) की वंशावली हमें श्री उदय जी पुत्र श्री प्रकाश चंद जी द्वारा 11 दिसम्बर 2023 को प्राप्त हुई।
MI00032		खोरी तहसील साहपुरा जिला	कोटा राजस्थान	स्व श्री रामरतन जी जी (गोत्र: मित्तल घीवाला परिवार पैतृक निवास : खोरी तहसील साहपुरा जिला (लगभग 1910 के आसपास खोरी, जयपुर से कोटा आगमन, वर्तमान निवास: कोटा राजस्थान) की वंशावली हमें श्री मुकेश गुप्ता पुत्र श्री मोहन लाल गुप्ता जी द्वारा 15 दिसम्बर 2023 को प्राप्त हुई।
MI00033		आगरा	कोटा	स्व श्री राधेलाल जी (गोत्र: मित्तल जैन परिवार पैतृक निवास: आगरा निवास: कोटा) की वंशावली हमें श्री गोविन्द प्रसाद जैन (मित्तल) द्वारा 15 दिसम्बर 2023 को प्राप्त हुई।
MI00034				ठाकुरद्वारा (मित्तल गोत्र की वंशावली) 8 अक्तूबर 2019 को पुस्तक के रूप में प्राप्त हुई

।। वंशावली सूची ।।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
MI00035	मंडीवाला परिवार	भासारी (अलवर) से भगवतगढ़ फिर भदलाव-श्यामपुरा आ कर रहे फिर कुण्डेरा सवाई माधोपुर रहे	कोटा	मण्डीवाला मित्तल परिवार की वंशावली - मण्डीवाला मित्तल परिवार की दसवीं पीढ़ी के पूर्वज शाह शालिगराम जी, रखावचंद जी का मूल निवास भासारी (अलवर) से भगवतगढ़ फिर भदलाव-श्यामपुरा आ कर रहे फिर कुण्डेरा सवाई माधोपुर रहे साह रामरतन जी के 4 पुत्र हुए उन्होंने 3 हवेलीओं का निर्माण लगभग 150 वर्ष पूर्व करवाया और वही बस गए, यह विस्तृत वंशावली हमे श्री जगदीश प्रसाद मित्तल कोटा से 2023 में प्राप्त हुई (अग्रवाल वंशावली) वर्तमान में कोटा निवासी मित्तल परिवार की चार पूर्वजों की व चार वर्तमान पीढ़ियों की वंशावली। हमारे कुल का निकास भगवत गढ़(सवाई माधोपुर)मंडी वाला मित्तल परिवार, बाद में कुंडेरा (स0माधोपुर)वहां से 60 वर्ष पूर्व कोटा आकर बस गये। संकलन-जगदीश प्रसाद मित्तल
MI00036	तिरखा परिवार	माठ (उत्तरप्रदेश) महावन (उत्तरप्रदेश) सूरोठ टोढाभीम	भुसावर और मथुरा	स्व श्री निर्मल जी (गोत्र: मित्तल तिरखा परिवार पैतृक निवास : माठ (उत्तरप्रदेश) महावन (उत्तरप्रदेश) सूरोठ टोढाभीम भुसावर और मथुरा) की वंशावली हमें श्री विजय कुमार मित्तल जी से 22 अक्तूबर 2023 को प्राप्त हुई।
MI00037		नारनौंद हरियाणा	नारनौंद हरियाणा	स्व श्री छज्जू राम जी (गोत्र: मित्तल नारनौंदवाले पैतृक निवास: नारनौंद हरियाणा) की वंशावली हमें श्री संजय मित्तल पुत्र श्री हंसराज मित्तल जी अहमदाबाद गुजरात द्वारा 30 दिसम्बर 2023 को प्राप्त हुई।
MI00038	टीलेवाले परिवार		आगरा उत्तरप्रदेश	स्व श्री लाला सेठ श्री शिवप्रसाद अग्रवाल टीलेवाले (गोत्र: मित्तल टीलेवाले परिवार वर्तमान निवास: आगरा उत्तरप्रदेश) की वंशावली हमें श्री गोपीचंद अग्रवाल पुत्र जी श्री रमेश चंद्र जी (समाजसेवी) द्वारा 12 अक्टूबर 2024 को प्राप्त हुई।
MI00039	धर्मदासका परिवार	त्योंदा तहसील खेत्री जिला झुंझुनू राजस्थान	तंज़ानिया ईस्ट अफ्रीका	स्व श्री भीमराव धर्मदासका जी (गोत्र: मित्तल धर्मदासका परिवार पैतृक निवास: त्योंदा तहसील खेत्री जिला झुंझुनू राजस्थान वर्तमान निवास तंज़ानिया ईस्ट अफ्रीका) की वंशावली हमें श्री राजेश अग्रवाल (CA) पुत्र श्री आत्माराम अग्रवाल जी (अधिवक्ता) द्वारा 12 अक्टूबर 2024 को प्राप्त हुई।

।। वंशावली सूची ।।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
MI00040	ज्ञानाका परिवार	शाहपुरा तहसील धानोता गांव राजस्थान	शाहपुरा तहसील धानोता गांव राजस्थान	स्व श्री गोविंदराम अग्रवाल जी (गोत्र: मित्तल ज्ञानाका परिवार पैतृक निवास: शाहपुरा तहसील धानोता गांव राजस्थान की वंशावली हमें श्री नरसिंह गुप्ता (अधिवक्ता) द्वारा 24अक्टूबर 2024 को प्राप्त हुई।
NA0001		फतेहपुर तहसील: हटा जिला दमोह	जबलपुर	स्व श्री गोरेलाल जी (गोत्र: नागल फतेहपुर तहसील: हटा जिला दमोह, वर्तमान जबलपुर) की वंशावली श्री निखिल अग्रवाल जी द्वारा हमें 18 जून 2023 को प्राप्त हुई।
NA0002		दयानतपुर गावं, जिला बुलंदशहर उत्तर प्रदेश	लोनेवाला, पुणे	स्व श्री तिरखाराम जी (गोत्र: नागल दयानतपुर गावं, जिला बुलंदशहर उत्तर प्रदेश) की वंशावली हमें श्री प्रदीप कुमार नागल पुत्र श्री ज्ञान चंद जी (लोनेवाला, पुणे) द्वारा 27 जून 2023 को प्राप्त हुई।
SI00001		किल्होड़ा, हापुड़ उत्तर प्रदेश	किल्होड़ा, हापुड़ उत्तर प्रदेश	श्री लाला श्री बनारसी दास जी (सिंघल गोत्र , निवास: किल्होड़ा, हापुड़ उत्तर प्रदेश) की वंशावली
SI00002		लोहिया नगर गाज़ियाबाद	लोहिया नगर गाज़ियाबाद	श्री खचेडूमल सिंघल जी (सिंघल गोत्र वर्तमान लोहिया नगर गाज़ियाबाद) यह श्री संतोष कुमार सिंघल पुत्र श्री रघुबर दयाल जी से प्राप्त हुई
SI00003	लाठ परिवार	सलामपुर (राजस्थान)	देवइया / हैदराबाद	यह लाठ परिवार सिंघल गोत्र (पैतृक निवास: सलामपुर (राजस्थान) की वंशावली श्री बद्री नारायण (देवइया / हैदराबाद) द्वारा हमें 19 फरवरी 2023 को प्राप्त हुई।
SI00004		काशी	काशी	बाबू हरिश्चंद्र जी की वंशावली

।। वंशावली सूची ।।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
SI00005		नोहटा (म.प्र.) निवास स्थान: रायपुर (छ.ग.)	नोहटा (म.प्र.) निवास स्थान: रायपुर (छ.ग.)	यह वंशावली हमें श्री दीपक अग्रवाल जी (सिंघल गोत्र) पुत्र श्री धनेश अग्रवाल जी पैतृक स्थान: नोहटा (म.प्र.) निवास स्थान: रायपुर (छ.ग.) से 05 अगस्त 2022 को प्राप्त हुई
SI00006		हिसार ,हरियाणा	हिसार ,हरियाणा	यह वंशावली सुलतान पुर, जिला हिसार ,हरियाणा से प्रोफ़ेसर सत्य सुरेन्द्र सिंगला द्वारा 21 अगस्त को प्राप्त हुई
SI00007		रोहतक	ईस्ट पंजाबी बाग नई दिल्ली	यह लाला हरलाल सिंघल जी की वंशावली हमें श्री अजय सिंघल जी पुत्र श्री भगवान दास सिंघल जी पैतृक स्थान रोहतक निवास स्थान ईस्ट पंजाबी बाग नई दिल्ली-110026 द्वारा 23 अगस्त 2022 को प्राप्त हुई , लाला हरलाल सिंघल 1700 वर्ष में गांव किनाना से प्रस्थान करते हुए 1800 में शोमलो से कलानौर पहुंचे।
SI00008		हरसोरा (राजस्थान)	रेवाड़ी	यह श्री माथुरा प्रशाद (सिंघल गोत्र) वंशावली हमें श्री नवीन सिंघल पुत्र श्री बालमुकंद हर्सोरिया जी (पैतृक स्थान: हरसोरा (राजस्थान) निवास स्थान: रेवाड़ी से श्री रवि जिंदल जी द्वारा 6 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई
SI00009		बसेड़ा रानी का (मुज्जफनगर)	बासेड़ा रानी का (मुज्जफनगर)	यह श्री दिनामल अग्रवाल (सिंघल गोत्र) वंशावली हमें श्री अजय अग्रवाल पुत्र श्री बृजमोहन अग्रवालजी (पैतृक स्थान/ निवास स्थान: बसेड़ा रानी का (मुज्जफनगर) से श्री रवि जिंदल जी द्वारा 6 सितम्बर २०२२ को प्राप्त हुई
SI00010		मुजफ्फनगर उत्तर प्रदेश	मुजफ्फनगर उत्तर प्रदेश	यह श्री जनार्दन दास अग्रवाल (सिंघल गोत्र) वंशावली हमें श्री संजीव अग्रवाल पुत्र श्री अग्रवाल जी (वर्तमान निवास स्थान: मुजफ्फनगर उत्तर प्रदेश से श्री सुरेश कुमार गोयल जी द्वारा 7 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई
SI00011		बाबेल (पानीपत) हरियाणा	ऊंचा गाँव (कैराना) उत्तर प्रदेश	यह श्री माना मल अग्रवाल जी (सिंघल गोत्र) की वंशावली हमें श्री विकास अग्रवाल जी पुत्र श्री दीपक अग्रवाल जी (मूल निवासी - बाबेल (पानीपत) हरियाणा वर्तमान निवास स्थान: ऊंचा गाँव (कैराना) उत्तर प्रदेश द्वारा 14 सितम्बर 2022 को प्राप्त हुई

।। वंशावली सूची ।।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
SI00012		हरसोला गांव कैथल हरियाणा	दिल्ली रोहिणी	यह श्री कपूर चंद जी (सिंघल गोत्र) पैतृक निवास हरसोला गांव कैथल हरियाणा वर्तमान निवास स्थान: दिल्ली रोहिणी की वंशावली श्री नवीन गोयल जी से 2 अक्टूबर 2022 को प्राप्त हुई
SI000013		सिराली (Sirali) हरदा ज़िला मध्य प्रदेश राज्य	सिराली (Sirali) हरदा ज़िला मध्य प्रदेश राज्य	यह श्री त्रिलोक चंद्र जी अग्रवाल (पैतृक स्थान - सिराली (Sirali) हरदा ज़िला मध्य प्रदेश राज्य) की वंशावली हमें शिखा अग्रवाल से श्रीमती संजना अग्रवाल द्वारा 26 दिसम्बर 2022 को प्राप्त हुई
SI00014	कंदोई परिवार	मकराना बोरावद नागौर राजस्थान	मालेगांव वाशिम महाराष्ट्र	यह स्वर्गीय श्री कालूरामजी कंदोई जी की वंशावली (सिंघल गोत्र, पैतृक निवास: मकराना बोरावद नागौर राजस्थान, वर्तमान निवास: मालेगांव वाशिम महाराष्ट्र) श्री प्रेमकुमार अग्रवाल (वाशिम महाराष्ट्र) पुत्र श्री गोविंदराम जी अग्रवाल द्वारा 12 फरवरी को प्राप्त हुई।
SI00015	जगतरामका परिवार	बड़वा गांव	रायगढ़, छत्तीसगढ़	स्व श्री चाचाराम जी अग्रवाल (गोत्र: सिंघल कुटुंबनाम: जगतरामका निवास: बड़वा गांव सती माता: धानी सती माता बीबी सती माता) जी की वंशावली हमें श्री अनंत कुमार जगतरामका पुत्र श्री गणेश कुमार जगतरामका निवासी श्याम टॉकीज रोड रायगढ़, छत्तीसगढ़ द्वारा 26 मई 2023 को प्राप्त हुई।
SI00016	चौकड़ायत परिवार			यह स्व श्री दयाकिशन जी अग्रवाल (गोत्र: सिंघल परिवार: चौकड़ायत) की वंशावली, श्री दिलीप अग्रवाल जी पुत्र श्री जी द्वारा हमें 30 मई 2023 को प्राप्त हुई।
SI00017		पिंनाना, सोनीपत, हरियाणा	कमला नगर, दिल्ली	यह स्व श्री देवाराम जी अग्रवाल (गोत्र: सिंघल परिवार: चौकड़ायत पैतृक निवास:पिंनाना, सोनीपत, हरियाणा , स्थानांतर: कमला नगर, दिल्ली, परिवार का विस्तार: देहली, मुंबई, कोलकत्ता, तिनसुकिआ) की वंशावली, श्री दिनेश गुप्ता पुत्र श्री लालचंद जी द्वारा हमें 15 जून 2023 को प्राप्त हुई।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
SI00018	लुंडिया (ढांढणिया) परिवार	मोतिहारी	भागलपुर	स्व श्री माधव लुंडिया (गोत्र: सिंघल ढांढणिया परिवार पैतृक निवास : मोतिहारी निवास स्थान: भागलपुर) जी की वंशावली हमें श्रीमती राशिका ढांढणिया जी द्वारा 10 जून 2023 को प्राप्त हुई।
SI00019	बेरीवाल परिवार			यह स्व श्री मोतीराम बेरीवाल जी अग्रवाल (गोत्र: सिंघल परिवार: बेरीवाल)की वंशावली, श्री सुरेंद्र अग्रवाल जी द्वारा हमें 15 जून 2023 को प्राप्त हुई।
SI00020	चनाणी परिवार	श्री गंगानगर राजस्थान	श्री गंगानगर राजस्थान	श्री हनुमान प्रसाद चनाणी (गोत्र: सिंघल निवास : श्री गंगानगर राजस्थान) जी की वंशावली हमें श्री मनोज कुमार चनाणी पुत्र श्री हनुमान प्रसाद चनाणी 5 जून 2023 को प्राप्त हुई।
SI00021	पंसारी परिवार			यह स्व श्री हेमराज पंसारी जी (गोत्र: सिंघल, पंसारी परिवार) की वंशावली श्री विष्णु कुमार पुत्र श्री मंगत राम जी पंसारी द्वारा 17 जून 2023 को प्राप्त हुई।
SI00022	समराया परिवार		ग्राम समराया तहसील वैर जिला भरतपुर राजस्थान	यह स्व श्री टोडर मल जी (सिंघल गोत्र निवास स्थान: ग्राम समराया तहसील वैर जिला भरतपुर राजस्थान) की वंशावली श्री वैभव अग्रवाल जी द्वारा हमें 3 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई।
SI00023	खोवाला परिवार	रघुनाथगढ़, सीकर शेखावाटी, राजस्थान	नेर (यवतमाल) महाराष्ट्र)	स्व श्री चाचाराम जी (सिंघल गोत्र खोवाला परिवार पैतृक निवास: रघुनाथगढ़, सीकर शेखावाटी, राजस्थान वर्तमान निवास:नेर (यवतमाल) महाराष्ट्र) की वंशावली प्रकाशक श्री माणिकलाल संकलनकर्ता श्री किशोर अग्रवाल, श्री राजेश अग्रवाल पुत्र श्री बनवारी लाल जी द्वारा हमें 19 फरवरी 2023 को प्राप्त हुई।

।। वंशावली सूची ।।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
SI00024				स्व श्री रतनसी दास जी अग्रवाल जी (गोत्र: सिंघल कुटुंबनाम: भावथड़ी वाले पैतृक निवास: भावठड़ी गांव (निकट सादुलपुर) वर्तमान निवास: सिलीगुड़ी पश्चिम बंगाल(सं 1955 से) की वंशावली हमें श्री मुरारीलाल पुत्र श्री भीष्म चंद द्वारा 23 जून 2023 को प्राप्त हुई।
SI00025		सुरजगढ / चिड़ावा	विशाखापत्तनम	स्व श्री प्रमेश्वर लालजी जी (गोत्र: सिंघल पैतृक: सुरजगढ / चिड़ावा वर्तमान निवास: विशाखापत्तनम) की वंशावली श्री जे पी अग्रवाल द्वारा 23 जून 2023 को प्राप्त हुई
SI00026	कानूनगो	रामपुर जिला जींद	जींद	स्व श्री भूरामल जी (गोत्र: सिंघल पैतृक: रामपुर जिला जींद वर्तमान निवास: जींद) की वंशावली चौधरी बृंदावन कानूनगो द्वारा लिखित पुस्तक "अग्रवालो का इतिहास" से प्राप्त हुई
SI00027		जींद	जींद	स्व श्री जीवनामल जी (गोत्र: सिंघल वर्तमान निवास: जींद) की वंशावली श्री महेश कुमार सिंघल जी पुत्र श्री राम प्रताप सिंघल द्वारा 20 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई
SI00028		सिरोही (नीम का थाना) सीकर जिला, राजस्थान	पुणे महाराष्ट्र)	स्व श्री करणी राम जी (गोत्र: सिंघल वर्तमान निवास: सिरोही (नीम का थाना) सीकर जिला, राजस्थान वर्तमान: पुणे महाराष्ट्र) की वंशावली श्री अनिल अग्रवाल पुत्र श्री राम अवतार जी द्वारा 2 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई
SI00029		कावत,सीकर	हावड़ा, पश्चिम बंगाल	स्वर्गीय श्री धनराज जी (गोत्र: सिंघल पैतृक स्थान: कावत,सीकर वर्तमान निवास: हावड़ा, पश्चिम बंगाल) की वंशावली श्री शंभु अग्रवाल पुत्र स्वर्गीय श्री द्वारका प्रसाद अग्रवाल (कुशातरा) जी द्वारा 3 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई
SI00030		गांव सिवाह,पानीपत, हरियाणा		यह स्व श्री सदनमल जी (सिंघल गोत्र निवास स्थान: गांव सिवाह,पानीपत, हरियाणा) की वंशावली श्री नरेश कुमार सिंघल पुत्र श्री भगत राम जी द्वारा हमें 3 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई।

।। वंशावली सूची ।।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
SI00031	नवेटिया परिवार			यह स्व श्री मनसाराम जी (सिंघल गोत्र नवेटिया परिवार) की वंशावली श्री लक्ष्मण नवेटिया द्वारा हमें 28 जुलाई 2023 को प्राप्त हुई।
SI00032		बासनी,राजस्थान	कलकत्ता	स्व श्रीजगन्नाथ जी डाँड़निया (सिंघल गोत्र वासनिवाल परिवार पैतृक स्थान: बासनी,राजस्थान वर्तमान निवास स्थान: कलकत्ता) की वंशावली श्री पवन के वासनिवाल पुत्र श्री पन्नालालजी बासनिवाल द्वारा हमें 8 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई।
SI00033			टीकरा पारा, बिलासपुर, छतीसगढ	स्व श्री रतिराम जी (सिंघल गोत्र वर्तमान निवास स्थान: टीकरा पारा, बिलासपुर, छतीसगढ) की वंशावली श्री संतोष अग्रवाल पुत्र श्री राम निवास जी द्वारा हमें 8 दिसंबर 2023 को प्राप्त हुई।
SI00034				स्व श्री तुलसी राम जी (सिंघल गोत्र) की वंशावली जनवरी 2024 में प्राप्त हुई
SI00035	जिन्दगर परिवार	श्री गंगानगर राजस्थान	श्री गंगानगर राजस्थान	स्व श्री शेरुमल जी (सिंघल गोत्र जिन्दगर परिवार वर्तमान निवास स्थान: श्री गंगानगर राजस्थान) की वंशावली श्री रवि गुप्ता एडवोकेट पुत्र श्री राम लाल जी जिन्दगर द्वारा हमें २५ सितम्बर 2024 को प्राप्त हुई।
TA00001		झज्जर हरयाणा	गांव चौराली	यह स्वर्गीय श्री बालूशाह जी की वंशावली (तायल गोत्र सेढ़ू परिवार पैतृक निवास: झज्जर हरयाणा , रन्हेरा बुलंदशहर वर्तमान: गांव चौराली) श्री दिनेश बंसल द्वारा पुस्तक 'सेढ़ू परिवार की वंशावली' (प्रकाशन तिथि 07 दिसंबर 2003) से ली गयी है

।। वंशावली सूची ।।

कुल - क्रमांक	कुटुंबनाम (Family Name)	पैतृक स्थान	वर्तमान स्थल	विवरण
TA00002		ग्राम असमोली, जिला संभल, उत्तर प्रदेश	महरौली, न्यू दिल्ली	यह स्वर्गीय श्री बंसीधर अग्रवाल जी की वंशावली (तायल गोत्र, पैतृक निवास: ग्राम असमोली, जिला संभल, उत्तर प्रदेश वर्तमान निवास: महरौली, न्यू दिल्ली) श्री जे के अग्रवाल पुत्र श्री भगवानदास अग्रवाल द्वारा 5 फ़रवरी को प्राप्त हुई।
TA00003		ग्वालियर (म.प्र.)	भोपाल	यह श्री फूलचंद जी अग्रवाल जी (गोत्र तायल पैतृक निवास: ग्वालियर (म.प्र.), वर्तमान निवास:भोपाल) जी की वंशावली हमे श्री नरेश चंद्र तायल जी पुत्र श्री शिव प्रसाद अग्रवाल से फरवरी 2023 में प्राप्त हुई।

।। अग्रवालों के कुटुंबनाम।।

अग्रवालों के कुटुंबनाम भी अन्य भारतीय पारिवारिक नाम के अनुसार ही अनेक प्रकार की जटिल प्रणालियों व नामकरण पद्धतियों पर आधारित हैं जो किसी कुटुंब के निवास स्थान, निकास स्थान अथवा विस्थापन स्थान के आधार पर, व्यक्ति के पद, व्यवसाय या धार्मिक आस्था पर आधारित होते हैं।

किसी भी व्यक्ति का पूरा नाम प्रायः तीन भागों में विभाजित किया जा सकता है - औपचारिक नाम, मध्य भाग और पारिवारिक नाम। नाम का प्रथम भाग अर्थात औपचारिक नाम- नाम का वह भाग है जो व्यक्तिगत सम्बोधन के लिए प्रयुक्त होता है। यह प्रायः जन्म के पश्चात नामकरण के समय दिया जाता है, सनातन मान्यता में जन्म का नाम किसी ऐसे वर्ण से प्रारंभ होता है, जो उस व्यक्ति की जन्म-कुंडली के आधार पर उसके लिये शुभ हो। अथवा यह परिवार के किसी बुजुर्ग व्यक्ति, माता या पिता द्वारा अथवा कुलगुरु के द्वारा उचित लक्षण देख कर दिया जाता है यह भाग व्यक्तिगत होता है जो किसी व्यक्ति के नाम को जाति, कुल या पारिवारिक नाम से जुड़कर विशिष्टता प्रदान करता है। विद्वान इस बात से सहमत हैं कि व्यक्तिगत नामों का उपयोग मानव विकास के अत्यंत प्रारंभिक काल में हुआ।

नाम का मध्य भाग - यह एक ऐच्छिक भाग है। यह कई प्रकार का होता है जैसे कि

(१) औपचारिक नाम का पूरक - उदाहरण शत्रुघ्न यहाँ 'घ्न' शब्द शत्रु का पूरक है अन्य उदाहरण - आनंद प्रकश, हर्ष वर्धन।

(२) तटस्थ नाम - जाति-आधारित भेद-भाव के कारण या जाति के प्रति तटस्थ रहने के लिये, कई लोगों ने मध्य नाम कुमार, लाल आदि का प्रयोग करते हैं जैसे राम कुमार, मोहन लाल।

(३) पिता का नाम - कुछ प्रांतों में मध्य भाग में पिता का औपचारिक नाम का प्रयोग होता है।

तीसरा भाग कुटुंबनाम- नाम का यह भाग जिसे पारिवारिक नाम भी कहा जाता है। आमतौर पर कुटुंबनाम/पारिवारिक नाम, नाम के अंत में प्रयोग किया जाता है, जो किसी व्यक्ति को विरासत में मिला होता है, कुटुंब और परिवार के सभी सदस्यों द्वारा प्रयोग किया जाता है। नामों का क्रम किन्ही-किन्ही स्थानों पर भिन्न हो सकता है।

पारिवारिक नाम, किसी व्यक्ति के कुल का सूचक होता है इसका प्रयोग प्रायः जातियों की पहचान के लिये किया जाता है। कुछ संस्कृतियों में, कुटुंबनाम, परिवार का नाम, या अंतिम नाम, व्यक्ति के व्यक्तिगत नाम का वह भाग होता है

जो किसी के परिवार, जाति या समुदाय को इंगित करता है। प्राचीन काल से ही कुटुंबनाम अलिखित-लिखित रूप में अस्तित्व में रहा है जैसे प्रभु श्री राम का वंश रघुकुल कहलाता था

पारिवारिक नाम को प्रायः शिष्टता पूर्वक कभी-कभी प्रथम नाम की तरह भी उपयोग किया जाता है जैसे गुप्ता जी, अग्रवाल जी आदि।

अन्य वर्गों की भांति अग्रवाल समाज के विभिन्न परिवार भी अपने गोत्र के साथ-साथ अपने निवास स्थान, अपने कुल के प्रसिद्ध पुरुष के नाम, व्यवसाय, पद अथवा धार्मिक आस्था सूचक नामों से पहचाने जाने लगे और समय के साथ उन परिवारों ने इन्हीं सूचक नामों को अपने कुटुंबनाम की भांति प्रयोग करना प्रारम्भ कर दिया ये कुटुंबनाम (व्योम, अल्ल, बंक, फांक, सम्बोधन आदि) उन परिवारों की विशिष्टता पर आधारित थे जैसे कि उद्गम स्थान, निकास स्थान, विस्थापन स्थान, पद, व्यवसाय इत्यादि।

कुछ कुटुंबनामों में समय-समय पर कुछ बदलाव भी हुए हैं। कुछ नामों के अर्थ अभी भी अज्ञात और अस्पष्ट हैं। इस प्रकार वर्गीकरण की कई और श्रेणियाँ इसमें जोड़ी जा सकती हैं। समय के साथ, उत्प्रवास और विस्थापन के साथ वर्तनी और उच्चारण बदलने के साथ, कुटुंबनामों में भी कई परिवर्तन हुए हैं, कदाचित आपके संज्ञान में कोई भी वंशावली अथवा कुटुंब नाम से सम्बंधित कोई भी जानकारी आये तो हमसे अवश्य साझा करें।

हमारी महान सनातनी परम्परा में विज्ञान आधारित गोत्र परम्परा प्रारंभ से रही है सभी अपनी गोत्र परम्परा का पूर्ण ज्ञान रखते थे, व्यक्ति को कर्मों को चुनने की स्वतंत्रता थी सभी जातियों में सामान गोत्र हुआ करते थे क्योंकि सभी सनातन कुलों के आदि पुरुष हमारे ऋषि ही थे, विवाह के लिए अपने गोत्र से अलग गोत्र में विवाह का प्रावधान था किन्तु जातीय बंधन न था कोई व्यक्ति अपनी स्वेच्छा से कोई भी कार्य चुनने के लिए स्वतंत्र था। समय के साथ-साथ, समाज में पीढ़ी उपरांत पीढ़ी में पुत्र द्वारा पिता के व्यवसाय को चुनने से समाज में जातियों का उद्भव हुआ किन्तु एक जाति के व्यक्ति द्वारा अन्य जाति के कार्य को अपनाने के असंख्य उदाहरण हमारी पुस्तकों में वर्णित हैं।

।। अग्रवाल कुटुंबनामों का वर्गीकरण ।।

अग्रवालों में विभिन्न जाति सूचक नामों और गोत्रो के साथ अन्य सहस्रों व्योम, अल्ल, बँक, अटक, शाखा और उपनाम का भी प्रयोग किया किया जाता है। यह कुटुंबनाम अग्रवालों के व्यवसाय, स्थान, वंश, आदि के भेद से उत्पन्न हुए हैं और इनका अपना समग्र और विस्तृत इतिहास है। इस भाग में उन्हीं कारकों के आधार अग्रवालों के विभिन्न कुटुंबनामों का वर्गीकरण, गोत्र, मूलस्थान, अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी सती माता आदि विवरण दिया है।

कुटुंबनाम का वर्गीकरण

कुटुंबनाम का निम्नलिखित वर्गीकरण (अल्ल, बंक, फांक आदि) परिवारों की विशिष्टता पर आधारित है जैसे- परिवार के उद्गम स्थान, निकास स्थान, विस्थापन स्थान, पद, व्यवसाय अथवा उनके परिवार में हुए प्रसिद्ध पुरुष इत्यादि।

वर्ण/जाति आधारित कुटुंबनाम

वर्ण/जाति आधारित कुटुंबनाम में कुटुंब अपनी वर्ण अथवा जाति का नाम अपने कुटुंबनाम के लिए प्रयोग करता है।

उदाहरण: गुप्त (अपभ्रंश: गुप्ता), वैश्य, अग्रवाल, (अपभ्रंश : अग्रवाला, अगरवाला) अग्रवंशी, अग्रकुल, अग्रहरि, सेठ, साहू इत्यादि।

कुटुंबपुरुष आधारित कुटुंबनाम

अग्रवाल परिवारों में अनेको व्यक्तियों ने अपने वंश में विशेष नाम और ख्याति प्राप्त की, जिससे उन्हीं के नाम से उनका वंश प्रसिद्ध हो गया तथा परिवार के लोग उनका नाम कुटुंबनाम के रूप में प्रयोग करने लगे। कुटुंबपुरुष आधारित कुटुंबनाम में कुटुंब अपने कुलपुरुष का नाम अपने पारिवारिक नाम की तरह प्रयोग करता है। यहाँ विशेष बात यह है कि जहाँ पूर्वजों के नाम पर कुटुंबनाम चलता है वहाँ उस से सम्बंधित परिवार का गोत्र एक ही होता है।

उदाहरण: कहनानी, तनमुखरामका, राजारामका, संतरामजीका, हिम्मतसिंहका, मानसिंहका, हरलालका, टिकमाणी, भावसिंहका होल्लमल इत्यादि।

स्थान आधारित कुटुंबनाम

अनेक अग्रवाल अपने मूल स्थान को छोड़कर अन्यत्र बस गये, किंतु मूल स्थान से संबंध बनाये रखने के लिये, उस स्थान का प्रयोग अपने नाम के साथ करने लगे। स्थान आधारित कुटुंबनाम में कुटुंब निवास/प्रवास/विस्थापन स्थान के नाम या उसमे कुछ संशोधन कर उसे अपने कुटुंबनाम के लिए प्रयोग करता है। प्राय: स्थान आधारित कुटुंबनाम, व्यक्ति से जुड़े स्थान से सम्बंधित होते हैं। इस तरह के स्थान किसी भी प्रकार की गांव/नगर आदि जहाँ व्यक्ति का घर, खेत कार्य या व्यवसाय हो। कुछ अग्रवालों ने अपने निकास स्थान गाँव अथवा नगर के नाम से अपने कुटुंबनाम रखे हैं।

उदाहरण: कानोडिया, कासलीवाल, केजड़ीवाल, केडिया, गनेरीवाल, गाड़ोदिया, झुनझुनवाला, टीबड़ेवाल, डालमिया, तोदी, हलवासिया, धानुका, जयपुरयि, हिसारिया, केड, केड़िया इत्यादि।

व्यवसाय आधारित कुटुंबनाम

व्यवसाय आधारित कुटुंबनाम में कुटुंब अपने व्यवसाय का नाम या उसमे कुछ संशोधन कर उसे अपने कुटुंबनाम के लिए प्रयोग करता है। पूर्व काल में जिस कार्य से जिस परिवार को जिस कार्य के लिए प्रसिद्ध था उस परिवार ने उसी व्यवसाय को अपने कुटुंबनाम की तरह प्रयोग करना प्रारम्भ कर दिया।

उदाहरण: पंसारी, पोद्दार, बजाज, लोहिया, सराफ, घीवाला, बाल्टीवाला, कसेरा, कंदोई, जौहरी, कोड़ीवाले इत्यादि।

पद आधारित कुटुंबनाम

पद आधारित कुटुंबनाम में कुटुंब अपने पद का नाम या उसमे कुछ संशोधन कर उसे अपने कुटुंबनाम के लिए प्रयोग करता है।

उदाहरण: कानुनगो, ख़ज़ांची, पोद्दार, पटवारी, सेठ, चौधरी, रत्नाकर, भारतेंदु, नंबरदार इत्यादि।

पदवी आधारित कुटुंबनाम

पदवी आधारित कुटुंबनाम में कुटुंब राजा या प्रश्न से प्राप्त पदवी/सम्मान आदि का नाम या उसमे कुछ संशोधन कर उसे अपने कुटुंबनाम के लिए प्रयोग करता है।

उदाहरण: राय, रईस इत्यादि।

आस्था आधारित कुटुंबनाम

आस्था आधारित कुटुंबनाम में कुटुंब अपनी धार्मिक श्रद्धा के आधार पर अपने इष्ट देव/देवी/धार्मिक गुरु/धार्मिक स्थान के नाम का या उसमे कुछ संशोधन कर उसे अपने कुटुंबनाम के लिए प्रयोग करता है, इस प्रकार के कुटुंबनाम के गोत्र का अनुमान लगाना कठिन है। इस प्रकार के एक से कुटुंबनाम प्राय: कई समुदायों में पाए जाते हैं।

उदाहरण: दादू, जैन, आर्य इत्यादि।

प्रथा आधारित कुटुंबनाम

प्रथा आधारित कुटुंबनाम में कुटुंब किसी विशेष प्रथा के कारण प्रसिद्ध होने पर उसी प्रथा को आधार मान या उसमें कुछ संशोधन कर उसे अपने कुटुंबनाम के लिए प्रयोग करता है, इस प्रकार के एक से कुटुंबनाम प्राय: कई समुदायों में पाए जाते हैं।

उदाहरण: गिंदोड़िया इत्यादि।

घटना आधारित कुटुंबनाम

घटना आधारित कुटुंबनाम में कुटुंब किसी विशेष घटना अथवा परिस्थितियों के आधार के कारण प्रसिद्ध होने से, उसी घटना को या उसमे कुछ संशोधन कर उसे अपने कुटुंबनाम के लिए प्रयोग करता है।

उदाहरण: टांटिया, सूगला, चिड़ीपाल, मोर इत्यादि।

स्वभाव विशेषता आधारित कुटुंबनाम

स्वभावगत विशेषता के आधार पर कई पारिवारिक नामों का प्रचलन उनके परिवार की स्वभावगत विशेषता के कारण भी हो गया।

उदाहरण: मजाकिया स्वभाव के कारण मसखरा, असम में बनिये को अति चतुर स्वभाव के कारण काईया, भक्ति स्वभाव के कारण भगत इत्यादि।

आकृति आधारित कुटुंबनाम

समाज में कुछ पुरुष अपनी कुछ विशेष आकृति/बनावट होने के कारण भी विख्यात हुए, इन कुटुंबनाम का प्रचलन उन पुरुषों की विशेष आकृति के कारण माना गया।

उदहारण: भूत कुटुंबनाम उस कुटुंब में सदस्यों की भूतनुमा आकृति के कारण प्रचलित हुआ।

कुछ कुटुंबनाम का गुणों के आधार पर वर्गीकरण किया गया जैसे - बीसा, दस्सा, पंजा आदि किन्तु समय के साथ उसका कोई औचित्य नहीं रहा है और इस प्रकार के कुटुंबनामों का प्रयोग नगण्य है।

।। गोत्र आधारित कुटुंबनाम ।।

हमारी महान वैदिक संस्कृति में किसी व्यक्ति का परिचय उसके गोत्र, प्रवर, वेद, उपवेद, शाखा, सूत्र, छन्द, शिखा, पाद, देव, द्वार आदि एकादश बिंदुओं से होता हैं जिन्हें एकादश परिचय भी कहा जाता है। इस विधि से सभी जनों को उनके मूल का ज्ञान रहता था और इनका उपयोग सभी धार्मिक और सामाजिक कार्यों में संकल्प के समय किया जाता था।

1 गोत्र- गोत्र का आशय उस ऋषि परंपरा से है जिससे व्यक्ति अपने वंश की उत्पत्ति मानता है। वैदिक ज्ञान प्राचीन वैज्ञानिक ऋषियों को ध्यानावस्था में प्राप्त हुआ। उन ऋषियों की संतानें अथवा उनके शिष्य उस ऋषि परंपरा के माने गए। यह ऋषि परंपरा ही गोत्र है। गोत्र के कई अर्थ हैं- 'गो' का अर्थ है गुण सूत्र और 'त्र' का अर्थ है रक्षा करना।

प्राचीन काल में मात्र चार ही गोत्र थे कालांतर में वे सात हो गए। जो इस प्रकार हैं- वशिष्ठ, विश्वमित्र, भारद्वाज, कश्यप, गौतम, अत्रि, और जमदग्नि। विष्णु पुराण में इन्हें सप्त-ऋषि कहा गया है। इन्हीं के नाम पर सात नक्षत्रों के समूह को सप्त ऋषि मंडल भी कहा गया है।

विश्वामित्रो जमदग्निर्भरद्वाजोऽथ गौतमः।

अत्रिवर्सष्ठिः कश्यपइत्येतेसप्तर्षयः॥

सप्तानामृषी-णामगस्त्याष्टमानां

यदपत्यं तदोत्रामित्युच्यते॥

विश्वामित्र, जमदग्नि, भारद्वाज, गौतम, अत्रि, वशिष्ठ, कश्यप- इन सप्तऋषियों और आठवें ऋषि अगस्त्य की संतान गोत्र कहलाती है। कालांतर में अनेक और मन्त्रद्रष्टा ऋषि हुए जिनसे अन्य गोत्र अस्तित्व में आये।

2. प्रवर- प्रवर शब्द का अर्थ है श्रेष्ठ। अर्थात उस कुल में ऐसे कौन से श्रेष्ठजन हुए हैं जो कुल प्रवर्तक बने, जिन्होंने आचरण के लिए कुछ नियम दिए अथवा वे वेद मंत्र के दृष्टा ऋषि हुए, प्रवर के आधार पर जनेऊ के धागों का निर्धारण होता है। पांच धागों से निर्मित जनेऊ धारण करने वाले पंचप्रवर और तीन धागों वाले जनेऊ धारण करने वाले त्रिप्रवर कहलाये।

आपस्तंब आदि ऋषि के मत से सभी गोत्रों के तीन प्रवर होते हैं।

त्रीन्वृणीते मंत्राकृतोवृणीते॥ 7॥

अथैकेषामेकं वृणीते द्वौवृणीते त्रीन्वृणीते न चतुरोवृणीते न

पंचातिवृणीते॥ 8॥

वैश्यों के भी तीन मंत्रद्रष्टा ऋषि हुए, भलंदर, प्रांशु और संकील (मंकील), अतः वैश्य त्रिप्रवर हुए।

3. वेद- विषय में दक्षता और उच्च कोटि की विशिष्टता के लिए गोत्रों के लिए वेदों की शाखाओं का निर्धारण किया गया, गोत्र प्रवर्तक ऋषि जिस वेद का चिन्तन, व्याख्यादि के अध्ययन एवं वंशानुगत निरन्तरता पढ़ने की प्रेरणा अपने वंशजों को देता है, उस गोत्र का वही वेद माना जाता है। वेद का अभिप्राय यह है कि उस गोत्र के ऋषि ने उसी वेद के पठन-पाठन या प्रचार में विशेष ध्यान दिया और उस गोत्रवाले प्रधानतया उसी वेद का अध्ययन और उसमें कहे गए कर्मों का अनुष्ठान करते आए हैं। चार वेद इस प्रकार हैं-यजुर्वेद, सामवेद, ऋग्वेद, अथर्ववेद।

4. उपवेद- वेदों के विस्तार और कलाकौशल का प्रचार कर संसार की सामाजिक उन्नति का मार्ग बतलाने वाले शास्त्र का नाम उपवेद है। उपवेद सब विद्याओं का संग्रह कहा जाता है, यह वेदों से ही निकले होते हैं। जैसे - धनुर्वेद (वेदः यजुर्वेद ऋषिः विश्वामित्र), गन्धर्ववेद (वेदः ऋषिः भरतमुनि), आयुर्वेद(वेदःऋग्वेद ऋषिः धन्वंतरि), स्थापत्य (वेदः अथर्ववेद ऋषिः विश्वकर्मा), हर गोत्र का अपना अलग अलग उपवेद होता है।

5. शाखा - वेदों का ज्ञान बहुत विस्तृत है। चारों वेदों की लगभग 1131 शाखाएँ प्राप्य हैं इसलिए महर्षियों ने विषय में विशिष्टा के लिए प्रत्येक गोत्र के लिए वेद की शाखा का निर्धारण किया। प्रत्येक व्यक्ति को उसकी वेद शाखा का ज्ञान होना चाहिए।

6.सूत्र - ऋषियों की शिक्षाओं को सूत्र कहा जाता है। वेदों की शाखाओं को सूत्र रूप में विभाजित किया है, जिसके माध्यम से उस शाखा में प्रवाहमान ज्ञान व संस्कृति को कोई क्षति न हो और ज्ञान अक्षुण्ण रहे, उन वेदानुकुल संस्कारी कर्मों का वर्णन और विधि बतलाने वाले ग्रन्थ ऋषियों ने सूत्र रूप में लिखे हैं और वे ग्रन्थ भिन्न-भिन्न गोत्रों के लिए निर्धारित वेदों के भिन्न-भिन्न सूत्र ग्रन्थ हैं। प्रत्येक वेद का अपना सूत्र है।

सामाजिक, नैतिक तथा शास्त्रानुकुल नियमों वाले सूत्रों को धर्म सूत्र कहते हैं आनुष्ठानिक वालों को श्रौत सूत्र तथा विधिशास्त्रों की व्याख्या गृह् सूत्र कहा जाता है। ऋषियों ने विभिन्न गोत्रों के लिए वैदिक सूत्र निर्धारित किये ताकि वे सूत्रों का विस्तृत अध्ययन कर सकें। उदाहरण पारस्कर सूत्र, बौधायन सूत्र, ब्रह्म सूत्र, कात्यान सूत्र, गोभिल सूत्र आदि।

7. छन्द - वेदों के मंत्रों में प्रयुक्त श्लोकों में मात्राओं की संख्या और उनके उच्चारणों (लघु-गुरु) के क्रमों के समूहों को छंद कहते हैं - वेदों में अनेको प्रकार के छंद प्रयुक्त हुए हैं।

अत्यष्टि, अतिजगती, अतिशक्करी, अनुष्टुप, अष्टि, उष्णिक्, एकपदा विराट (दशाक्षरा), गायत्री, जगती, त्रिषटुप, द्विपदा विराट, धृति, पंक्ति, प्रगाथ, प्रस्तार, बृहती, महाबृहती, विराट और शक्करी इत्यादि प्रत्येक गोत्र का एक परम्परागत छंद है।

8.शिखा और जनेऊ- प्रत्येक पुरुष के मुंडन संस्कार के समय सिर पर शिखा/चोटी रखना एक सनातनी परम्परा है। अपनी कुल परम्परा के अनुरूप शिखा को दक्षिणावर्त अथवा वामावार्त्त रूप से बांधने की परम्परा शिखा कहलाती है। शिखा में ग्रंथि बाईं ओर अथवा दाहिनी ओर तरफ घुमा कर देने नियम था जो किसी व्यक्ति का गोत्र निरूपित करने में सहायक होता है। सामवेदियों की बाईं शिखा और यजुर्वेदियों की दाहिनी शिखा कही गयी है।

इसी प्रकार जो लोग वैदिक नियम धर्म का पालन कर जनेऊ धारण करते थे, जनेऊ के धागों की गणना से उस कुल के प्रवर का ज्ञान हो जाता है। जनेऊ पर लगने वाली ब्रह्म गांठ में कितनी गांठें लगाई जा रही हैं उससे भी व्यक्ति के वंश के बारे में ज्ञात होता है। वैश्य कुल में ३ प्रवर हुए हैं अतः अग्र कुल के व्यक्ति ३ धागे वाला जनेऊ धारण कर सकते हैं। शिखा और ब्रह्म गांठ के बारे के शोध शेष है।

9.पाद- अपने-अपने गोत्रानुसार लोग अपना पाद प्रक्षालन करते हैं। यह एक पहचान बनाने के लिए बनाया गया नियम है। अपने-अपने गोत्र के अनुसार लोग पहले अपना बायाँ पैर या दायाँ पैर धोते हैं, सामवेदियों का बायाँ पाद और इसी प्रकार यजुर्वेदियों की दाहिना पाद माना जाता है।

10. देवता- प्रत्येक कुल का देवता भी निर्धारित होता था। कुल देवता, स्थान देवता, इष्ट देवता कुल की रीति के अनुसार पूजे जाते रहे हैं। उदाहरण विष्णु भगवान, कृष्ण भगवान, अग्नि देवता, समस्त अग्रवालों की कुल देवी महालक्ष्मी देवी हैं।

कुटुम्बों में सतियों, ऊतकों और पितरों का भी पूजन विधि विधान से किया जाता है। प्रत्येक वेद या शाखा का पठन, पाठन करने वाले किसी विशेष देव की आराधना करते हैं वही उनके कुल देवता (गणेश, विष्णु, शिव, दुर्गा, सूर्य इत्यादि पञ्च देवों में से कोई एक) उनके आराध्य देव है। इसी प्रकार कुल के भी संरक्षक देवता या कुलदेवी होती हैं। इनका ज्ञान कुल के वयोवृद्ध अग्रजों (माता-पिता आदि) के द्वारा अगली पीढ़ी को दिया जाता है।

11. द्वार- यज्ञ मण्डप में अध्वर्यु (यज्ञकर्त्ता) जिस दिशा अथवा द्वार से प्रवेश करता है अथवा जिस दिशा में बैठता है, वही उस गोत्र वालों की द्वार होता है। यज्ञ मंडप तैयार करने की कुल 39 विधाएं हैं और हर गोत्र के व्यक्ति के प्रवेश के लिए अलग द्वार होता है।

धार्मिक कार्यों में एकादश परिचय का बहुत अधिक महत्व होता है। विवाह संस्कार के अवसर पर वंश परंपरा परिचय का विशेष महत्व है। कन्या और वर पक्ष के पुरोहित मंगलाचरण के साथ और संकल्प के समय गोत्र आदि का विवरण उच्चारित किया जाता है। यह परंपरा अभी भी व्यवहार में है।

गोत्र आधारित कुटुंबनाम में कुटुंब अपने गोत्र का प्रयोग करता है। अग्रवालों की कुलदेवी माता महालक्ष्मी की कृपा से महाराज श्री अग्रसेन के अपने पुत्रों के साथ-साथ १८ यज्ञ किये और यज्ञों में बैठे १८ गुरुओं के नाम पर ही अग्रवाल समाज में १८ गोत्रों की स्थापना हुई और उसी आधार पर महाराज अग्रसेन ने अग्रोहा के गणतंत्र राज्य की स्थापना की। अग्रोहा में 18 राज्य इकाइयाँ सम्मिलित थीं।

गोत्र विचार- महाराज अग्रसेन द्वारा बनाए गए नियम और सनातन संस्कारों के अनुसार एक ही गोत्र में विवाह एक नूतन गठबंधन नहीं हो सकता है। अन्तः स्वगोत्रीय विवाह शास्त्र सम्मत नहीं माना गया है व्याकरण के जनक पाणिनि ने प्रयोजनों के लिये में गोत्र की परिभाषा कुछ इस प्रकार प्रस्तुत की है 'अपात्यम पौत्रप्रभ्रति गोत्रम्' (४.१.१६२), अर्थात गोत्र शब्द का अर्थ है कि पुत्र के पुत्र के साथ शुरू होने वाली संतान्। गोत्र, कुल या वंश की संज्ञा है जो उसकी ७ पीढ़ी तक चलती है, मनुस्मृति के अनुसार भी सात पीढ़ी बाद प्रभाव समाप्त हो जाता है अर्थात सात पीढ़ी बाद गोत्र का मान बदल जाता है और आठवी पीढ़ी का पुरुष का ८ पीढ़ी पूर्व अलग हुए वंश की कन्या से विवाह शास्त्रों में उचित है। किंतु गोत्र की गणना का सही पता न होने के कारण अज्ञानतावश सनातन लोग भ्रमित हैं और सहस्त्रों वर्ष प्राचीन पूर्वजों के नाम का प्रयोग कर विवाह आदि सम्बन्ध में कर रहे हैं इसमें समाज के गुणी वर्ग को आगे आना चाहिए और भ्रांति दूर करनी चाहिए ।

अग्रवाल समाज के १८ गोत्र निम्नलिखित हैं। गर्ग, गोयल, गोयन, मित्तल, बंसल, जिंदल, कुच्छल, तायल, मधुकुल, तिंगल, बिंदल, धारण, ऐरण, मंगल, भंदल, नागल, सिंघल, तायल (पूर्ण जानकारी के लिए अग्रवाल कुटुंबनामों का विवरण देखिये।

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: ऐरन (Airan)

पृष्ठ: 1

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: एरन, एरण, इन्दल, एयरन, एरोन, Airan, Aeron

ऋषि: अत्रि (Atri)/औंर्वा(Aaurva)

गोत्रपति: इन्द्रमल (Indramal)

वेद (Veda): यजुर्वेद: (Yajurveda)

शाखा (Branch): माध्यंदिन वाजसनेयि शाखा (वाजसनेयी संहिता माध्यंदिन)

सूत्र (Sutra): कात्यायन (Kaatyayn)

विवरण: ऐरन एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है।

इस गोत्र में सुप्रसिद्ध गाँधीवादी नेता मेठ जमनालाल बजाज, कमलनयन बजाज, राहुल बजाज, श्री प्रताप जी सेट अमलनेर, रायरामप्रताप आली. राजा इन्दमन, राजा ख्यालीराम बहादुर, राजा पटनीमल, प्रवीणचन्द्र एरण, रायकृष्णादास, सीताराम राय, गोविन्दचंद जैसे अनेक यशस्वी व्यक्तित्व हुए, जिन्होंने अपने कार्यों द्वारा अग्रवाल समाज को गौरवान्वित किया है।

डीग में दिल्ली रोड पर ऐरन गोत्री अग्रवाल परिवार (कुंडा वालों कुटुंबनाम से के नाम से जाना जाता है) ने एक विशाल कुंडा का निर्माण सम्वत १८३३ में करवाया था जिसमें आज भी आस-पास के गांव के लोग नहाने और पीने के लिए पानी लेने आते है

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: ऐरन (Airan)

पृष्ठ: 2

आली (Aali)
आलमाल (Aalmal)
आलवाले (Aalwale)
अमलनेर (Amalner)
बड़ेगांववाला (Badegavwala)
बैराठी (Bairathi)
बजाज (Bajaj)
बांववाले (Banvwale)
बराजलवाला (Barajalwala)
बैरती (Barati)
बेरीवाल (Beriwal)
भादहला (Bhadahala)
भागेरिया (Bhageriya)
भालोटिया (Bhalotiya)
बुधासिया (Budhasia)
चवसरिया (Chavsariya)
छपरिया (Chhaparia)
चिरालिया (Chiralia)
चिरानिया (Chirania)
चिरमिया (Chirmiya)

डीगवाले (Deegwale)
धचरमिया (Dhacharamiya)
ढंढारिया (Dhandariya)
ढवारिया (Dhavariya)
गणेशगढ़िया (Ganeshagadhiya)
गुजरवासिया (Gujaravasia)
हरभजनका (Harbhajanka)
इन्दमन (Indman)
इटरावाल (Itarawal)
इटावावाले (Itawawale)
इटावावाला (Itwawala)
झाजरिया (Jhaajariya)
कायना (Kaayna)
काहनोरिया (Kahnoria)
काईया (Kaiya)
कसेरा (Kasera)
कयाल (Kayal)
कयाण (Kayan)
केडिया (Kedia)

कुंडावाला (Kindawala)
मोरीजवाला (Morijwala)
मुंशी (Munshi)
नाहड़िया (Nahadiya)
नहडिया (Nahdiya)
नासिकवाले (Nasikwale)
राय (Rai)
साहा (Saha)
सहरिया (Sahariya)
साय (Say)
सेदपुरिया (Sedpuria)
सेठप्रतापजीका (Sethpratapjika)
सेठपुरिया (Sethpuriya)
शाह (Shah)
सोबका (Sobka)
सोमका (Somka)
सोनका (Sonaka)
सोंथालिया (Sonthaliya)
उणियारावाले (Uniyarawale)

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: . बंसल (Bansal)

पृष्ठ: 1

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: बांसल, बांसिल

ऋषि: वत्स्य (Vatsya)/Vishist/ Vats

गोत्रपति: वीरभान (Virbhan)

वेद (Veda): सामवेद: (Samaveda)

शाखा (Branch): कौथमी (Kouthmi)/कौथमी(Kauttham)

सूत्र (Sutra): गोभिल (Gobhil)

विवरण: बंसल एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है। इस गोत्र के लोग प्रायः पूरे भारत में फैले हुए हैं इस गोत्र में भी अनेक बड़े-बड़े प्रतिष्ठित महानुभाव हुए हैं, जिन्होंने अपने यशस्वी कार्यों से समाज का नाम ऊँचा किया हैं। इसी गोत्र ने देश को रामनाथ पोद्दार, रामप्रसाद पोदार, रामनारायण रूइया, सरजमल जालान ताराचंद घनश्यामदास, हनुमान प्रसाद धानुका जैसे उद्योगपति और ईश्वरदास जालान, विमल जालान, डॉ. सत्यकेत विद्यालंकार, शिवचंद भरतिया, हनुमान प्रसाद पोदार, घनश्यामदास जालान, सूरजमल झंझनवाला, घनश्यामदास जयनारायण पोद्दार, रामेश्वर टाटिया, गिरीश साँधी, देवकीनंदन जटिया, पवन बंसल, मुरली देवड़ा, जैसे महान समाज सेवी, राजनीतिक, अर्थशास्त्री, साहित्यकार, धर्मपरायण व्यक्तित्व, सांसद, भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के सूत्रधार कलाविद सुयोग्य नेता एवं प्रशासक देश को प्रदान किए हैं, जो पूरे समाज के ही नहीं, सम्पूर्ण राष्ट्र के भी गौरव हैं ।

बंसल गोत्र आधरित कुटुंब नाम -
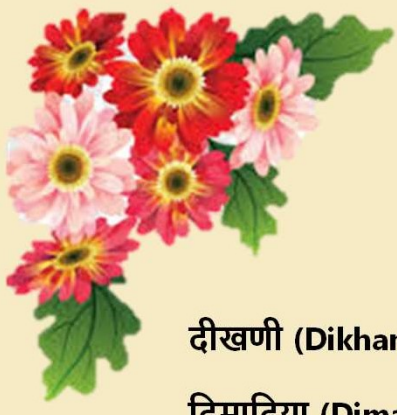
।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: . बंसल (Bansal)

पृष्ठ: 2

दीखणी (Dikhani)	झझुका (Jhajhuka)	खराड़ी (Kharaadi)
दिमादिया (Dimadia)	झालेरीवाला (Jhaleriwala)	खवाला (Khawala)
दिनोदिया (Dinodiya)	झामवाल (Jhamwal)	ख़ज़ांची (Khazanchi)
डॉक्टीवाल (Doctiwale)	झंझनूवाला (Jhanjhanuwala)	खेमका (Khemka)
फतेहचंदका (Fatehchandka)	झारीबुरीवाला (Jhariburiwala)	खेरीबांसवाले (Kheribanswale)
फतेहपुरिया (Fatehpuriya)	झावरीवाल (Jhavariwal)	खोवाला (Khowala)
गाड़ोदिया (Gaadodiya)	झुनझुनवाला (Jhunjhunuwala)	खूबना (Khubana)
गढ़िया (Gadhiya)	कामटिया (Kaamtiya)	कोसलीवाले (Kosaliwale)
गाडिया (Gadiya)	कहा (Kaha)	कुचमनीय (Kuchamaniya)
गाँधीवाले (Gandhiwale)	कामठिया (Kamthia)	कुचामणिया (Kuchmania)
घालरीवाला (Ghalriwala)	कन्दोई (Kandoi)	कूटपीवाल (Kutpiwal)
घामीवाले (Ghamiwale)	करवीवाले (Karaviwale)	लाट (Laat)
गीदड़ा (Gidda)	कारीवाला (Kariwal)	लोयलका (Loyalaka)
हाड़ा (Haada)	कसेरा (Kasera)	मधुरिया (Madhuria)
हांडा (Handa)	कटपीसवाले (Katpieswale)	मामेरीवाल (Mameriwal)
हिम्मतरामका (Himmatramka)	कयाल (Kayal)	मंढावाले (Mandhawale)
हीराखानवाला (Hirakhanwala)	केजड़ीवाल (Kejdiwal)	मण्डवाल (Mandwal)
जालान (Jaalan)	केसरा (Kesara)	मंगलूनेवाले (Mangalunewale)
जाजोदिया (Jajodiya)	खैलिडा (Khailida)	मंजमार्ले (Manjamarle)
जालानी (Jalani)	खेतान (Khaitan)	माँजमावाले (Manjmawale)
जटिया (Jatiya)	खजांची (khajanchi)	मरोदिया (Marodia)
झालकारीवाला (Jhaalkariwala)	खालडा (khalda)	मसखरा (Maskhara)

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: . बंसल (Bansal)

पृष्ठ: 3

माथुरिया (Mathuriya)
माउडिया (Maudia)
मौंदिया (Maundiya)
मोदी (Modi)
मोजवाले (Mojwale)
मुहाहिब (Muhahub)
मुंडिया (Mundia)
मुसाहिब (Musaahib)
नागौरी (Nagauri)
नागौर (Nagor)
नागोरी (Nagori)
नाहारीवाल (Nahariwal)
नरेड़ी (Naredi)
नाउका (Nauka)
नेमाणी (Nemani)
नोहरिया (Nohariya)
नेपानी (Nopani)
पाटोदिया (Paatodiya)
पावतावाले (Paavtawale)
पार्तावाल (Partawal)
पाथरवाले (Patharwale)

पटरारी (Patrari)
पत्थरका (Pattharaka)
पटवारी (Patwaari)
पअवारी (Pawari)
फतेहरिया (Phatehariya)
पोद्दार (Poddhar)
प्रहलादका (Prahaladka)
प्रवादका (Pravadaka)
रेद (Raid)
राजगढिया (Rajgadiya)
रामलालका (Ramlalka)
रामुका (Ramuka)
रुइया (Ruiya)
संधध (Sadhdh)
साहू (Sahu)
संधि (Sandhi)
संघी (Sanghi)
सारंड्ड़या (Sardiya)
सांवड़िया (Savdiya)
सावड़िया (Sawandiya)
शाह (Shah)

शाहू (Shahoo)
शैख्वाटिया (Sheikhvatiya)
सिगलिया (Siglia)
सिखरा (Sikhara)
सिंगलिया (Singaliya)
सिसोदिया (Sisodiya)
सोमनाथवाला (Somnathwala)
सुद्राणिया (Sudrania)
सुल्तानिया (Sultania)
टालीवाला (Taliwala)
टांटिया (Tantiya)
ततीवाला (Tatiwala)
तेजावत (Tejavat)
थोईवाले (Thoiwale)
तितवाल (Titwal)
तोपरवानावाले (Topewanawale)
तोपखानावाले (Topkhanawale)
तुलस्यान (Tulsian)
वैद (Vaid)
योहार (Yohar)

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: बिंदल (Bindal)

पृष्ठ: 1

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: विंदल, Vindal

ऋषि: यवस्या या वशिष्ठ Yavasya or Vashista

गोत्रपति: वृन्ददेव (Vrinddev)

वेद (Veda): यजुर्वेद: (Yajurveda)

शाखा (Branch): माध्यंदिन वाजसनेयि शाखा (वाजसनेयी संहिता माध्यंदिन)

सूत्र (Sutra): कात्यायन (Kaatyayn)

विवरण: बिंदल एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है।

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: बिंदल (Bindal)

पृष्ठ: 2

आर्य (Aary)

बागला (Bagla)

बालोजी (Baloji)

बारवाले (Barwale)

भीमसारवाला (Bhimsariya)

चैनानिया (Chainaniya)

चांदीवाल (Chandiwala)

चौकसी (Chaukasi)

दौडतीवाले (Daudatiwale)

दोहतिवाले (Dhohtiwale)

धोतीवाले (Dhotiwale)

फतेहपुरिया (Fatehpuriya)

फतेहपुरवाले (Fatehpurwale)

गन (Gan)

घोड़तीवाले (Ghodatiwale)

घोहतीवाले (Ghohatiwale)

जयपुरिया (Jaipuriya)

कांर्ततया (Kanrtataya)

काँवटिया (Kanwatiya)

खेमका (Khemka)

लडिया (Ladia)

लक्कर (Lakkar)

लटिया (Latia)

लोढ़ा (Lodha)

मंडावेवाला (Mandavewala)

माण्डरेवाल (Mandrewal)

मुसद्दी (Musaddi)

पपरिवाल (Papapriwal)

फतेहरिया (Phatehariya)

पिपरावावाले (Pipravawale)

पिपरीवाल (Pipriwal)

सांवलका (Sanwalka)

सर्राफ (Saraf)

सरावगी (Sarawagi)

सवालका (Sawalka)

शोरवाले (Shorawale)

सीघई (Sighai)

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: भंदल (Bhandal)

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: डिंगल, भंदल, भंडाल

ऋषि: भारद्वाज (Bhardwaj)/धौम्य (Dhaumy)

गोत्रपति: वासुदेव (Vasudev)

यजुर्वेद: (Yajurveda)

शाखा (Branch): मध्यादिनी (Madhyadini)/माधुरी(Madhuri)

सूत्र (Sutra): कात्यायनी (Kaatyayni)

विवरण: भंडाल एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है।

भंदल गोत्र का एक परिवार महेन्द्रगढ़ (पूर्व में कानोड़) में निवास (सन् 1884 के लगभग) करता था। परिवार में श्री जगन्नाथ के चार पुत्र - जोकीराम, गंगाराम, दयाराम, मयाराम हुए। गंगाराम के पुत्र रूड़मल व रूड़मल के पुत्र सुषदेव हुए। बाद में इनका परिवार राजस्थान के अलवर जिले की तहसील कोट कासिम में निवास करता रहा। (पुस्तक- अग्रवाल समाज की विरासत)

जाजोदिया

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: धारण (Dharan)

पृष्ठ: 1

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: धरान, डेरानी, ठालन, Deran

ऋषि: भेकर या घुम्या Bhekaar or Ghaumya/धन्यासी (Dhanyas)

गोत्रपति: धवनदेव (Dhavandev)

वेद (Veda): यजुर्वेद: (Yajurveda)

शाखा (Branch): माध्यंदिन वाजसनेयि शाखा (वाजसनेयी संहिता माध्यंदिन)

सूत्र (Sutra): कात्यायन (Kaatyayn)

विवरण: धारण एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है। जाजोदिया धारण गोत्र आधरित कुटुंब नाम है

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: गर्ग (Garg)

पृष्ठ: 1

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: गर्गस्य (Gargasy), गार्गेया, Gargeya

ऋषि: गर्गाचार्य (Gargacharya)

गोत्रपति: पुष्पदेव (Pushpadev)

वेद (Veda): यजुर्वेद: (Yajurveda)

शाखा (Branch): माध्यंदिन वाजसनेयि शाखा (वाजसनेयी संहिता माध्यंदिन)

सूत्र (Sutra): कात्यायन (Kaatyayn)

विवरण: गर्ग एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है। अग्रवालों में गर्ग गोत्र की संख्या भी सर्वाधिक पाई जाती है।

इस गोत्र को अनेक महान् विभूतियों को जन्म देने का श्रेय प्राप्त है। प्रभुदयाल मुरारका, वसंत लाल मुरारका जैसे महान् क्रांतिकारी, डॉ. राममनोहर लोहिया जैसे विपक्षी दल के महान शासन के जनक, डॉ. धर्मवीर, आनंदीलाल रूंगटा जैसे कुशल प्रशासक, राज्यपाल जयदयाल डालमिया, रायबहादर सेठ हरदत्तराय रामप्रताप चमड़िया, आर.पी.मोदी राधेश्याम मुरारका (महान उद्योगपति), सर सीताराम, राजा ज्वालाप्रसाद, आनरेबल सुखवीर सिंह जैसे विद्वान, बाबू देवी प्रसाद खेतान मातादीन खेतान (विधिवेता) एवं सोलीसीटर जनरल, जगन्नाथप्रसाद रत्नाकर, काका हाथरसी, बालचंद मोती, राधाकृष्णदास बाबू वृंदावनदास, श्रीमती दिनेशनंदिनी डालमिया (साहित्य जगत् की विभूतियाँ), रायबहादर विश्वेश्वर लाल हालवासिया, बाबू पदमचंद (दानवीर समाजसेवी) उत्पन्न हुए, जिन्होंने राष्ट्र एवं समाज सेवा के क्षेत्र में महान् नाम कमाया और अग्रवाल समाज को गौरव के शिखर पर प्रतिष्ठित किया।
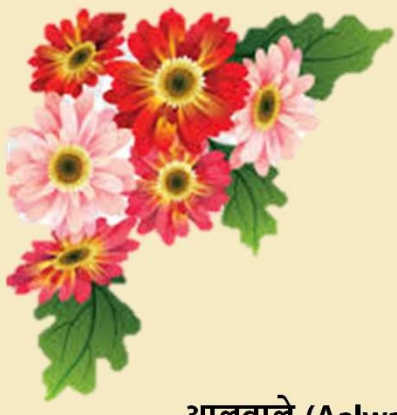
।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: गर्ग (Garg)

पृष्ठ: 2

आलवाले (Aalwale)
आमेरिया (Aameriya)
आर्य (Aary)
आसामवाले (Aasamwale)
अडूकिया (Adukiya)
अगानिया (Aganiya)
अजीतसरिया (Ajithsariya)
असामवाले (Assamwale)
बादीकुईवाले (Baandikuiwale)
बधवानिया (Badhvaniya)
बड़वावाला (Badwawala)
बगड़िया (Bagadiya)
बागरवाले (Bagarawale)
बगरोडिया (Bagarodia)
बागधर (Bagdhar)
बाजला (Bajala)
बाजारी (Bajari)
बालड़ा (Balada)
बामणीवाल (Bamaniwal)
बनडिया (Banadia)

बांगटवाले (Bangatawale)
बानूड़ा (Banuda)
बराढ़ी (Baradhi)
बरासिया (Barasia)
बरासिका (Barasika)
बरसिया (Barasiya)
बारातवाले (Baratwale)
बासदवाले (Basadwale)
बीड़ासरिया (Beedasariya)
बीपीधारिया (Beepeedharyia)
बेरीवाल (Beriwal)
बेरिया (Beriya)
भगत (Bhagat)
भाजारी (Bhajari)
भकरके (Bhakarke)
भौतिका (Bhautika)
भुकरका (Bhkarka)
भूकरेड़ी वाला (Bhkrediwala)
भोजारी (Bhojari)
भोजनगरवाला (Bhojnagarwala)

भूत (Bhoot)
भूकरदीवाला (Bhukarediwala)
भूखमारिया (Bhukhmariya)
भुसारवाल (Bhusarwal)
भूषानिया (Bhushania)
भूतेरा (Bhutera)
बीदासरिया (Bidasaria)
बीपीपरिया (Bipiparia)
बोपोसरिया (Boposaria)
बोरडीवाला (Bordiwala)
बुड़ाकिया (Budakiya)
बुकरेड़ीवाला (Bukarediwala)
बुवाले (Buwale)
चमड़िया (Chamadiya)
चाँदगोठिया (Chandgothiya)
चांदीवाल (Chandiwala)
चाँदीवाले (Chandiwale)
चराईवाला (Charaiwala)
चरैवाले (Charaiwale)
चौड़ले (Chaudale)

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: गर्ग (Garg)

पृष्ठ: 3

चौधरी (Chaudhary)	दलाल (Dalal)	डिडवानिया (Didwaniya)
चौखानी (Chaukhani)	डालमिया (Dalmia)	दिग्गीवाले (Diggiwale)
चवसरिया (Chavsariya)	डांगवाल (Dangwal)	दीरान (Diran)
चेजन्दका (Chejandaka)	दशरापुरिया (Dasarapuriya)	डॉक्टीवाल (Doctiwale)
चेनकदीका (Chenkdika)	दतुलीवाले (Datuliwale)	दोलतपरिया (Dolatapariya)
चितवत (Chetawat)	दौलतपुरवाले (Daulatpurwale)	दोसिहला (Dosihala)
छारसरिया (Chharsariya)	दीपचंद (Deepchand)	डोवटीवाले (Dovatiwale)
छावछरिया (Chhavachhariya)	दीवान (Deewan)	इलाचीवाले (Elachiwale)
छिगानीवाले (Chhiganiwale)	डेरावाले (Derawale)	फागीवाले (Faagiwale)
छापोलिका (Chhopolika)	धचडिपाल (Dhachadipal)	फासीवाले (Fasiwale)
चिडिपाल (Chidimaar)	धचगनीवाल (Dhachganiwal)	गाड़ोदिया (Gaadodiya)
चिडीपाल (Chidipal)	ढ़हमातनया (Dhahamatnaya)	गंगारपुरवाले (Gangaarpurwale)
चिग्निवाले (Chigniwale)	ढ़हम्मतसिंघका (Dhahammatasinghaka)	गंगापुरवाल (Gangapurwal)
चिलका (Chilka)	धन्नावत (Dhanawat)	गरेरेवाल (Garerewal)
चिरानिया (Chirania)	धौजवाले (Dhaujwale)	गावाला (Gawala)
चोड़ेले (Chodele)	ढेरीवाल (Dheriwal)	गवेराईवाला (Gaweraiwala)
चोखानी (Chokhani)	ध्रुव (Dhruv)	गेवराईवाला (Gevraiwala)
चोमूवाला (Chomuwala)	ढूंढ़ाड़िया (Dhundadiya)	घोड़ेगांववाले (Ghodegaavwale)
चूड़ीवाला (Chudiwala)	धुन्दडिया (Dhundadiya)	घोड़ेगाररले (Ghodegararale)
चीमूवाला (Chumuwala)	डिडरातनया (Didratanya)	
डांगवाले (Dangwala)		

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: गर्ग (Garg)

घोड़ीवाले (Ghodiwale)
गिंदोड़िया (Gindodiya)
गोहल्याण (Golyan)
गोटेगांववाले (Gotegaavwale)
गोटेगाराले (Gotegarale)
गोटेवाले (Gotewale)
गुढ़ावाले (Gudhawale)
गुड़वाले (Gudwale)
गुलालवाले (Gulalwale)
गुरारेवाले (Gurarewale)
हलरासिया (Halarasia)
हलवासिया (Halwaasiya)
हरेलिया (Harelia)
हरवासिया (Harvasia)
हाथीदांतवाले (Hathidantwale)
हवेलिया (Haveliya)
हिमाणिया (Himaniya)
हिम्मतसिंहका (Himmatsinghka)

इजारदार (Ijardar)
इलायचीवाले (Ilayachiwale)
इज़रदार (Izardar)
जालोंवाले (Jaalonwale)
जाजोदिया (Jajodiya)
जालोंवाल (Jalonwal)
जालोनवाले (Jalonwale)
जमालिया (Jamaliya)
जटिया (Jatiya)
जीतमलका (Jeetamalaka)
झाइका (Jhaika)
झझुका (Jhajhuka)
झमजीवाले (Jhamajiwale)
झामवाल (Jhamwal)
झारूका (Jharuka)
जिंतरवाल (Jithurwala)
जिवुरवाला (Jivurwala)
जोगनी (Jogani)
जोखानी (jokhani)
कादमावाले (Kadamawale)
कागज़ी (Kagzi)

कामद (Kamad)
कमलिया (Kamalia)
काननगो (Kananago)
कन्दोई (Kandoi)
कानूनगो (Kanungo)
कपाल (Kapal)
कसेरा (Kasera)
कयाल (Kayal)
केचरीवाले (Kechariwale)
केडिया (Kedia)
केथरीवाल (Kethariwal)
कॅथीवाले (Kethriwale)
खेतान (Khaitan)
खाकोलिया (Khakoliya)
खारकिया (Kharakiya)
खराकिया (kharkia)
खाटूवाल (khatuwal)
खाटूवाले (Khatuwale)
खेडिया (Khediya)
खेरिया (Kheriya)
खिरोडिया (Khirodiya)

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: गर्ग (Garg)

पृष्ठ: 5

खुजावाल (Khujawal)	मार (Maar)	नाजवाले (Najwal)
खुर्जावाले (Khurjawale)	मंगीवाले (Magiwale)	नकारवाले (Nakaarwale)
किला (kila)	मढ़हपाल (Mahadpal)	नखरोदिया (Nakharodiya)
किल्ला (Killa)	महिपाल (Mahipal)	नांगलिया (Nangaliya)
किश्तवाले (Kishtwale)	महमिया (Mahmiya)	नरसिंहपुरिया
कोडीवाल (Kodiwal)	मंगोड़ीवाल (Mangodiwal)	(Narasinhapuriya)
कोड़ीवाले (kodiwale)	मंगतेड़िया (Mangotedia)	नर्लगढ़ढया (Narlagadhaya)
कोठीवाले (Kothiwale)	मौंदिया (Maundiya)	नारनौलिया (Narneliya)
कोटीवाले (Kotiwale)	मेहणसरिया (Mehansariya)	नाथका (Nathka)
कौडीवाले (Kowdiwale)	मित्या (Mitya)	नवलगाडिया (Navalgadiya)
कोयलेवाले (KoyleWale)	मोड़ा (Moda)	नीमावाले (Neemawale)
कशीवाले (Kshiwale)	मोदी (Modi)	निड़ीपाल (Nideepaal)
कुम्पावत (Kumpavat)	मोहनसरिया (Mohansariya)	निडानिया (Nidhaniya)
लडूढ़ा (Ladhudha)	मोर (Mor)	पंसारी (Pansari)
लड़ीवाला (Ladiwala)	मोठया (Mothia)	परगनवाले (Paragnawale)
लालड़ा (Lalda)	मुगीवाले (Mugiwale)	परीतावाले (Paritawale)
लोढ़ा (Lodha)	मुंहवाले (Muhwale)	परिवावाले (Parivawale)
लोडिया (lodia)	मुंगीवाले (Mungiwale)	पतसवाले (Patasawale)
लोहिया (Lohia)	मुरारका (Murarka)	पटवारीनाथका (Patavarinathka)
लुहारका (Luharaka)	नागलिया (Nagaliya)	
लुहारीवाल (Luhariwal)	नागरका (Nagarka)	

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: गर्ग (Garg)

पृष्ठ: 6

पाथरवाले (Patharwale)
पटोदिया (Patodiya)
पटरारी (Patrari)
पत्थरका (Pattharaka)
पटवारी (Patwaari)
फागीवाल (Phagiwal)
प्राणसुखका (Pransukhka)
रेलवाल (Railwal)
राजा कटारे (RajaKatare)
राजपुरिया (Rajpuriya)
रमनवमिवाला (Ramanvamiwala)
रामीकासिया (Ramicasia)
रामनवमीवाले (Ramnavamiwale)
रंगटा (Rangta)
रानीवाल (Raniwala)
रारधथ (Rardhath)
रासीवासिया (Rasiwasia)
रईस (Rayis)
रूंगटा (Rungta)

सालगनी (Saalgani)
साडू (Sadu)
सागानेरिया (Saganaria)
साह (Sah)
साहू (Sahu)
संकरद (Sakrad)
साल्हावसिया (Salhavasia)
सांगनेरिया (Sanganeriya)
संघी (Sanghi)
सनकार्ड (Sankard)
सराणी (Sarani)
सरावगी (Sarawagi)
सरना (Sarna)
सतनानी (Satnani)
शाह (Shah)
शरण (Sharan)
शश्न (Shashan)
शोरवाले (Shorawale)
श्रीया (Shriya)
सिदी (Sidi)
सिंदा (Sinda)

सिंघी (Singhi)
सोनावाले (Sonawale)
सूगला (Soogla)
सूटवाले (Sootwale)
सुरेका (Sureka)
सूतवाले (Sutwale)
टाईंवाला (Taiwala)
तालुका (Taluka)
तानका (Tanka)
थेग्या (Thegya)
तोपणी (Topani)
तोपखानावाले (Topkhanawale)
तोशमी (Toshami)
तोशखानेवाल (Toshkhanewale)
उमरेहा (Umeraha)
वामणीवाला (Vamniwala)
वराठी (Varathi)
वर्गाडया (Vargadaya)
वसरिया (Vasaria)
वारवोलिया (Warvolia)

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: गोयल (Goel/Goyal)

पृष्ठ: 1

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: गोयनका, गोलयन, गोयले, गोयेल, गोभिल, गोइल, Goenka

ऋषि: गौतम या गोभी (Gautam or Gobhil)/गोमिल (Gomil)/Gautam/Gobhil

गोत्रपति: गेंडुमल (Gendumal)

वेद (Veda): यजुर्वेद: (Yajurveda)

शाखा (Branch): माध्यंदिन वाजसनेयि शाखा (वाजसनेयी संहिता माध्यंदिन)

सूत्र (Sutra): कात्यायन (Kaatyayn)

विवरण: गोयल एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है। इस गोत्र के लोग उद्योग-व्यवसाय, दान-धर्म, सेवा, शिक्षा, मीडिया आदि सभी क्षेत्रों में छाये हुए हैं एवं देश के सभी भू-भागों में फैले है। इसी गोत्र में सेठ रामजीलाल गुड़वाले, रायबहादुर नारायणदास, सेठ नादोमन, सेठ रघुवरदयाल, सेठ गोपल, पार्वती देवी डीडवानिया जैसे क्रांतिकारी हुए, जिन्होंने राष्ट्र के स्वाधीनता आदोलन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिवप्रसाद गुप्त का घर तो स्वतंत्रता सेनानियों का केन्द्र बिन्दु ही बन गया था। देश के आर्थिक एवं औद्योगिक विकास में गोयल परिवारों ने जी.टी.वी. के चेयरमैन सुभाषचंद्र, जेट एयरवेज के नरेश गोयल, मोदी घराने के सेठ मुलतानोमल, गुजरमल मोदी, चाय जगत् के हनुमानवक्स कनोई, ट्रांसपोर्ट जगत् के प्रभुदयाल भोड्का अग्रवाल, घनश्यामदास गोयल जैसे अनेक उद्योगपति इस देश को दिए हैं, जिन पर कोई भी समाज गौरव का अनुभव कर सकता है।

गोयल गोत्र आधरित कुटुंब नाम –

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: गोयल (Goel/Goyal)

पृष्ठ: 2

आर्य (Aary)	भोंदूका (Bhanduka)	चौखानी (Chaukhani)
आवास्य (Aavasy)	भारुका (Bharuka)	चावलवाला (Chawalwala)
अडूकिया (Adukiya)	भौतिका (Bhautika)	चेकड़ीका (Chekdika)
अजमलगढ़ (Ajamalagadh)	भिण्डा (Bhinda)	चेनकदीका (Chenkdika)
अकूड़िया (Akudia)	भिवानीवाला (Bhiwaniwala)	छीतरका (Chhitrka)
बादीकुईवाले (Baandikuiwale)	भोड्का (Bhodka)	चिड़ावावाले (Chidawawale)
बचचाला (Bachachala)	भोदूका (Bhodooka)	चिरमाले (Chirmale)
बधवारी (Badhawari)	भोजगढ़िया (Bhojgaria)	चिरमोले (Chirmole)
बहेडीजी (Bahediji)	बुधरारी (Budharari)	चितर्का (Chitarka)
बैराठी (Bairathi)	बुधवारी (Budhwari)	चोकडीवाल (Chokadiwal)
बजाज (Bajaj)	बुकरेड़ीवाला (Bukarediwala)	चोखानी (Chokhani)
बालड़ा (Balada)	चकरे (Chakare)	चूड़ीवाला (Chudiwala)
बाँचवाल (Banchawal)	चाकरे (Chakere)	चुरूवाले (Churuwale)
बंचवाला (Banchwala)	चाँदगोलिया (Chandagoliya)	चुरवाल (Churwal)
बांदीकुईवाले (Bandikuiwale)	चाँदगोठिया (Chandgothiya)	दजम्बवाल (Dajambwal)
बाणवाले (Banwale)	चांदीवाल (Chandiwala)	दलाल (Dalal)
बारासरिया (Barasariya)	चाँदीवाले (Chandiwale)	डम्बीवाले (Dambiwale)
बैरती (Barati)	चार्लवाल (Charlwal)	देजलीवाला (Dejaliwala)
बथवाल (Bathwal)	चौधरी (Chaudhary)	देरालीवाल (Deraliwal)
भगत (Bhagat)	चौकड़ीका (Chaukadika)	देवलांवाला (Devalanwala)

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: गोयल (Goel/Goyal)

पृष्ठ: 3

देवालीवाला (Devaliwala)
देवरलीवाले (Devaraliwale)
धचरमोले (Dhacharamole)
धचतरका (Dhachataraka)
धामवाल (Dhamwal)
धानोटी (Dhanoti)
धनवाला (Dhanwala)
धीवाले (Dhiwale)
डिडरातनया (Didratanya)
डिडवानिया (Didwaniya)
दिग्गीवाले (Diggiwale)
दीखणी (Dikhani)
दिनोदिया (Dinodiya)
फर्शीवाला (Farshiwala)
गाड़ोदिया (Gaadodiya)
गढवाला (Gadhwala)
गढ़वाल (Gadwala)
घीराले (Ghirale)
घीवाल (Ghiwal)
घीवाले (Ghiwale)

गोविल (Govil)
गोयलका (Goyalaka)
गोयनका (Goyanaka)
गुड़वाले (Gudwale)
गुड्यानिया (Gudyaniya)
गुटगुटिया (Gutgutiya)
हड़ोदिया (Hadodiya)
हदोइया (Hadoia)
हलराई (Halrai)
हलवाई (Halwai)
हेतमसरिया (Hetmasaria)
होल्लमल (Hollmal)
इजारदार (Ijardar)
इकाड़िया (Ikadiya)
जमनका (Jamanaka)
जसरपुरिया (Jasarapuriya)
झंडेवाला (Jhandewala)
झारीबुरीवाला (Jhariburiwala)
झोरवाड़ावाले (Jhoravadawale)
झूमियावाले (Jhumiyawale)

झूमजीवाले (Jhumjiwale)
झरीबुरीवाला (jhuriburiwala)
जिलोका (Jiloka)
कांचेवाले (Kaanchewale)
कारीवाल (Kaariwal)
काबरिया (kabaria)
कागलीवाला (Kagliwala)
कहनानी (Kahnani)
काहनोरिया (Kahnoria)
काकड़ावाले (Kakadawal)
काण्डा (Kanda)
कन्दोई (Kandoi)
कांकरिया (Kankariya)
कानोडिया (Kanodiya)
करपरराले (Karapararale)
करना (Karna)
करुडिया (Karudiya)
करविवाले (Karviwale)
कसदिया (kasdia)
कसेरा (Kasera)

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: गोयल (Goel/Goyal)

पृष्ठ: 4

काउड़ा (Kauda)	मकीम (Makim)	पट्टीवाले (Pattiwale)
कयाल (Kayal)	ममंडा (Mamnda)	पटवारी (Patwaari)
खाकोलिया (Khakoliya)	मंगालीवाले (Mangaliwale)	फसीवाला (Phasiwala)
कोचवाले (Kochwale)	मनक्सीया (Manxia)	पिलखुआ (Pilakhua)
कोंचवाले (Konchwale)	मिण्डा (Minda)	प्रहलादका (Prahaladka)
कोटावाले (Kotawale)	मोदी (Modi)	रादीजोड़ीवाल (Radijodiwal)
लददा (Ladda)	मोहनका (Mohanka)	राईया (Raia)
लडिया (Ladia)	मोर (Mor)	रेद (Raid)
लांड (Land)	मोठा (Motha)	राईका (Raika)
लंडूका (Landuka)	मुकीम (Mukim)	रायजादा (Raizada)
लारा (Lara)	नानूहाला (Nanuhala)	राणा (Rana)
लावा (Lava)	नानूशाला (Nanushala)	रंगवाले (Rangwale)
लाया (Laya)	नानुवाला (Nanuwala)	रानवाल (Ranwal)
लिहिला (Lihila)	निवाली (Nivali)	रेजीमेंटवाला (Regimentwala)
लीला (Lila)	पालीवाल (Paliwal)	रोहिला (Rohila)
लोड (Lod)	पंसारी (Pansari)	रुराटिया (Ruratia)
लोला (Lola)	परगनावाले (Paraganawale)	रूवाटिया (Ruvaatiya)
लोंद (Lond)	पातलिया (Pataliya)	सहारूका (Saharuka)
लूणवाला (Lunawala)	पतंगवाले (Patangwale)	साहरामजीका (Sahramjika)
मभर्नीवाल (Mabharniwal)	पटरारी (Patrari)	साहूवाला (Sahuwala)

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: गोयल (Goel/Goyal)

पृष्ठ: 5

सैदपरिया (Saidpariya)

सलमेवाला (Salmewala)

समयराइवाले (Samayraiwale)

सम्भारवाले (Sambharwale)

समरायवाले (samraiwale)

सांघी (Sanghi)

संतरामजीका (Santramjika)

सराईका (Saraika)

सवाईका (Sawaika)

सेठ (Seth)

सिरसलीवाला (Sirsaliwala)

शीशवालिया (Siswaliya)

सोनावाले (Sonawale)

सुरेका (Sureka)

तार्रेवाल (Taarrewal)

टकरवाले (Takarwale)

टकसाली (Taksali)

टकसारी (Taksari)

तनमुखरामका (Tanamukharaamaka)

तवरेवाला (Tavrewala)

टेकड़ीवाल (Tekadiwal)

टेकडीवाल (Tekdiwal)

थार्ररया (Tharrarya)

ठठेरी (Thateri)

थावरिया (Thavariya)

टीबड़ेवाल (Tibadewal)

टिबडेवाल (Tibdewaal)

तिजौरेवाले (Tijaurewale)

टिकरिया (Tikariya)

टिरिया (Tiriya)

तोदी (Todi)

तोलासरिया (Tolaasariya)

टोरिया (Toriya)

टुकड़ीवाल (Tukadiwal)

उमरेहा (Umeraha)

वाडीजोड़ीवाले (Vaadijodiwale)

वाड़ीजोड़ीवाले (Vadijodiwale)

वैद (Vaid)

वाणवाले (Vanwale)

वयवाल (Vaywal)

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: गोयन/ गंगल (Goyan/Gangal)

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: गंगा, गौण, गावल, Gangal,Goin, Goyanor, Gangal,

ऋषि: पुरोहित (Purohit) /गौतम (Gautam)

गोत्रपति: गोधर (Godhar)

वेद (Veda): यजुर्वेद: (Yajurveda)

शाखा (Branch): माध्यंदिन वाजसनेयि शाखा (वाजसनेयी संहिता माध्यंदिन)

सूत्र (Sutra): कात्यायन (Kaatyayn)

विवरण: गोयन एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है।

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: जिंदल (Jindal)

पृष्ठ: 1

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: जीतल

ऋषि: बृहस्पति या जैमिनी (Bruhaspati or Jaimini) जेमिनी (Gemini)

गोत्रपति: जैत्रसंघ (Jaitrasangh)

वेद (Veda): यजुर्वेद: (Yajurveda)

शाखा (Branch): माध्यंदिन वाजसनेयि शाखा (वाजसनेयी संहिता माध्यंदिन)

सूत्र (Sutra): कात्यायन (Kaatyayn)

विवरण: जिंदल एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है।

इस गोत्र को महान स्वाधीनता सेनानी लाला लाजपतराय, सुप्रसिद्ध उद्योगपति ओम प्रकाश जिन्दल, सीताराम जिन्दल, राष्ट्रवासियों को तिरंगा ध्वज फहराने का अधिकार दिलाने वाले सांसद नवीन जिन्दल, विश्व की सबसे धनी माताओं में से एक सावित्री जिंदल, राजाबहादुर सर सेठ बंशीलाल, आनरेबल सेठ गोविंदलाल पित्ती (हैदराबाद), सुप्रसिद्ध समाजसेवी सीताराम सेक्सरिया कल्याण के सम्पादक राधेश्याम खेमका, महान गौभक्त सीताराम खेमका आदि अनेकानेक विभूतियों को जन्म देने का श्रेय प्राप्त है।

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: जिंदल (Jindal)

पृष्ठ: 2

बारवाले (Barwale)

बावरी (Bavari)

भाकरीवाले (Bhakriwale)

बूवानीवाला (Buvaniwala)

कलकत्तेवाले (Calcuttewale)

गाँधीवाले (Gandhiwale)

हरलालका (Harlalka)

झुंथरा (Jhunthara)

झूरिया (Jhuria)

झुरिया (Jhuriya)

कावटिया (Kavatiya)

खेमका (Khemka)

नागलिया (Nagaliya)

नागौरी (Nagauri)

नागोरी (Nagori)

नलवावाले (Nalwawale)

पपरिवाल (Papapriwal)

पपत्ती (Papatti)

पिपरीवाल (Pipriwal)

पित्ती (Pitti)

सर्राफ (Saraf)

सेक्सरिया (Seksariya)

सेठमेघराजका (Sethmeghrajka)

शाह (Shah)

शम्भुका (Shambhuka)

तापड़िया (Tapadiya)

तुकासर्ले (Tukaasarle)

टुकड़ावाला (Tukadawala)

टुकडावाला (Tukdwala)

तुरकासवाले (Turkaswale)

तुर्कावाले (Turkawale)

भूरिया (Bhuriya)

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: कंसल (Kansal)

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: कांसिल, कांसल

ऋषि: कौशिक (Kaushik)

गोत्रपति: मणिपाल (Manipal)

वेद (Veda): यजुर्वेद: (Yajurveda)

शाखा (Branch): माध्यंदिन वाजसनेयि शाखा (वाजसनेयी संहिता माध्यंदिन)

सूत्र (Sutra): कात्यायन (Kaatyayn)

विवरण: कंसल एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है।

इस गोत्र में सेठ गयाप्रसाद आगरा लाला संगमलाल बनवारीलाल कानपुर, लाला उमरावमल देहली, लाला निहालसिंह आदि नाम प्रमुख हैं। लाला गायाप्रसाद का आगरा में पुस्तक व्यवसाय है। सेठ संगमलाल का कानपुर के प्रतिष्ठित पुरुषों में विशेष स्थान है। कानपुर में इनके द्वारा बनवाया गया मंदिर बहुत प्रसिद्ध है। लाला निहालसिंह के बारे में प्रसिद्ध है कि इन्होंने पानीपत में अपने मकान को नीव में केशर डलवाई, जिसके कारण आज भी वहाँ उनका केसरिया भवन प्रसिद्ध है। लाला उमरावमल, दिल्ली के प्रसिद्ध अग्रवाल में हुए हैं, जिन्होंने गढ़मुक्ततेश्वर में धर्मशाला, मंदिर आदि बनवाए।

कंसल गोत्र आधरित कुटुंब नाम -

अड़ूकिया (Adukiya), डूडवेवाला (Doodvewala), दोसिहला (Dosihala), दोसीवाला (Dosiwala),रायपुरिया (Raipuria)

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: कुच्छल (Kuchhal)

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: कक्चल, कुच्छल, कुच्छली, Kachal, Kuchchal

ऋषि: कश्यप (Kashyap)

गोत्रपति: कर्णचंद (Karanchand)

वेद (Veda): सामवेद: (Samaveda)

शाखा (Branch): कोसामी (Kosami) / कौत्थम(Kauttham)

सूत्र (Sutra): कोमली (Komaal)

विवरण: कुच्छल एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है।

हरियाणा के सोनीपत और महेन्द्रगढ़ में इस गोत्र के कुछ परिवार आज भी रहते हैं। सोनीपत नगर व इसके आस-पास के गांवों में बसने वाला कुच्छल गोत्र के सभी जन एक ही परिवार से हैं। महेन्द्रगढ़ में भी कुच्छल मारवाड़ी परिवार रहते थे जो बाद में स्थान बदलते-बदलते कोलाकाता पहुंच गये। सेठ अमर चंद कुच्छल (कोषाध्यक्ष, श्री अग्रवाल क्षेत्री महासभा, आबूरोड), श्री रोशन लाल गुप्ता कुच्छल (रोहतक रोड, नांगलोई, नई दिल्ली), श्री सुभाष गुप्ता कुच्छल(दक्षिणपुरी, नई दिल्ली), श्री नरेश चंद्र अग्रवाल कुच्छल (शाहदरा, दिल्ली), मनोहर लाल गुप्ता(कुच्छल नांगलोई, नई दिल्ली), विजय शंकर गुप्ता(कुच्छल - शाहदरा, दिल्ली) मीना कुच्छल (समाज सेवी)।

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: मधुकुल (Madhukul)

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: मुदगल, मुद्गल, Mudgal

ऋषि: मुद्रगल/मांडव्य Mudragal/Mandavya/आश्वलायन/मुद्गल (Aashvalayan/Mudgal)

गोत्रपति: माधवसेन (Madhavsen)

वेद (Veda): ऋग्वेद: (Rigveda)/ यजुर्वेद: (Yajurveda)

शाखा (Branch): सालाया (Saalaya)/साकल्या (Sakalya)

सूत्र (Sutra): आश्वलायन श्रौतसूत्र (Ashvlayan)

प्रयागराज में भी कई मधुकुल परिवार रहते हैं। यह परिवार सौ वर्ष पहले इलाहबाद के निकट भाखरी गांव में रहता था, बाद में वह प्रयागराज आकर बसा। गांव में यह परिवार महाजनी का काम करते थे। लाला जगदीश प्रसाद (सुपुत्र छगन लाल) ने नगर में करीब 3 बीघा क्षेत्रफल में (सन् १९३५) दाल मिल और तेल मिल स्थापित की थी। जगदीश प्रसाद के पुत्र सीताराम व पौत्र राजकुमार अग्रवाल हुए जो आजकल वहीं रहते हैं। (पुस्तक: अग्रवाल समाज की विरासत), वाराणसी का सुप्रसिद्ध शाह परिवार मुदगल गोत्री है।

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: मंगल (Mangal)

पृष्ठ: 1

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: मंगला

ऋषि: मांडव (Maandav)

गोत्रपति: अमृतसेन(Amritsen)

वेद (Veda): ऋग्वेद: (Rigveda)/ यजुर्वेद: (Yajurveda)

शाखा (Branch): सकल्य(Sakalya)

सूत्र (Sutra): आपस्तम्ब (Aapstambh)

विवरण: मंगल एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है।

विवरण: मुद्गल (मधुकुल/मुदगल) एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है।

इस गोत्र में भारत रत्न डॉ श्री भगवानदास शाह, श्री गोपाल दास शाह, श्री मनोहर दास शाह, श्री मुकुंदलाल शाह, बाबू गोपालदास शाह, बाबू माधोदास शाह , गोविन्ददाम आदि गणमान्य विभूतियां हुईं जिन्होंने अपनी उदारता और परोपकार जैसे गुणों द्वारा और साहित्य, संस्कृति आदि सभी में अपनी विशिष्ट माप अंकित की और भारतमाता के मस्तक को ऊंचा किया। इन परिवारों का मूल निवास स्थान आगरा और करनाल हुआ। साह मनोहरदास के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने टीपू सुल्तान से एक मूल्यवान तलवार को हस्तगत किया था। कोलकाता में मोहनदास कटला ने विशाल उद्यान की स्थापना की थी। श्री दामोदरदास उत्तरप्रदेश विधान परिषद के सदस्य रहे। बाबू गोपालदान शाह ने श्री श्याम जी का भव्य मंदिर बनवाया। बाब मनोहरदास शाह का एडवर्ड अस्पताल बनाने में योगदान रहा। श्री गोविन्द शाह ने अनेकानेक संस्कृत ग्रंथों का अनुवाद किया। हिन्दू कॉलेज नागरी प्रचारिणी सभा की स्थापना में भी आपका योगदान रहा। डॉ. भगवानदास, श्रीप्रकाश, चन्दमान, श्रीनाथ गाह भी उच्च पदों पर रहे है। यह वंश बहुत प्रभावी और महान विभूतियों से संपन्न रहा है।

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: मंगल (Mangal)

पृष्ठ: 2

आबुवाले (Aabuwale)	घीवाल (Ghiwal)	कानोडिया (Kanodiya)
आर्य (Aary)	घीवाले (Ghiwale)	कनोई (Kanoi)
बाबी (Babi)	गोपर्न्द (Goparnd)	कफरोजावाल (Kapharojawal)
बैराठी (Bairathi)	गोविंदगढ़वाले (Govindgadhwale)	करौलीवाले (Karauliwale)
बायेरैठी (Bairethi)	इन्दौरिया (Indauriya)	कसेरा (Kasera)
बाझेजोडीवाले (Bajhejodiwale)	इंद्रानेवाले (Indranewale)	केकड़ीवाले (KekdiWale)
बैरती (Barati)	जगनानी (Jagnani)	खंडेलिया (Khandeliya)
बेरी (Beri)	जाजोदिया (Jajodiya)	खेमका (Khemka)
चौधरी (Chaudhary)	जयलय (Jayalya)	खोयावाल (Khoyawal)
चौकसी (Chaukasi)	जुलासारिया (Julasariya)	खुरडीकर (Khuradikur)
चौखानी (Chaukhani)	कामनी (Kaamani)	खुरड़ीकटु (khurdikatu)
छींटावाला (Chhentawala)	कागाणी (Kagani)	कितनिया (Kitaniya)
चिंतवाला (Chintwala)	कहा (Kaha)	किठानिया (kithnia)
दलहान (Dalhan)	काकड़ावाले (Kakadawal)	लच्छूका (Lacchuka)
धचंटवाल (Dhachantwal)	काकड़ेवाला (Kakadewala)	लुनका (Lunaka)
धोलीवाल (Dholiwal)	काला (Kala)	माखरिया (Makharia)
फिरोज़वाले (Firozawale)	कमानी (Kamani)	माङोदीया (Mandodia)
गजबी (Gajabi)	कानसरिया (Kanasariya)	मांगलिक (Mangalik)
गाँधीवाले (Gandhiwale)	कन्दोई (Kandoi)	मंगलूनेवाले (Mangalunewale)
घीराले (Ghirale)	कनोडिया (Kanodia)	मंगलुनिया (Mangalunia)

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: मंगल (Mangal)

पृष्ठ: 3

मंगला (Mangla)

मोदी (Modi)

नौबतका (Naubataka)

नाउका (Nauka)

नाउवाला (Nauwala)

निमुचरिया (Nimucharia)

पच (pach)

पंच (Panch)

पंर् (Panr)

पंसारी (Pansari)

पापरूनिया (Paparooniya)

पापारतनया (Papartanaya)

पपनिया (Papnia)

परगनावाले (Paraganawale)

परगनवाले (Paragnawale)

परितावाला (Paritawala)

रामुका (Ramuka)

रसीरासिया (Rashirasiya)

रसिवासिया (Rasivaasiya)

सनगई (Sangai)

सौभासारिया (Saubhasaria)

शोबासरिया (Shobasariya)

शोभा (Shobha)

शोभासरिया (Shobhsaria)

सीपरिया (Sipiriya)

सीयोटीया (Siyotia)

टेमानी (Temani)

थाईवाले (Thaiwale)

टिकमाणी (Tikamani)

वाची (Vachi)

ववि (Vavi)

गोत्र: मित्तल (Mittal)

पृष्ठ: 1

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: मीतल

ऋषि: मैत्रेय (Maitreya)

गोत्रपति: मंत्रपति (Mantrapati)

वेद (Veda): यजुर्वेद: (Yajurveda)

शाखा (Branch): माध्यंदिन वाजसनेयी शाखा (वाजसनेयी संहिता माध्यंदिन)

सूत्र (Sutra): कात्यायन (Kaatyayn)

विवरण: मित्तल एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है। देश के आर्थिक औद्योगिक विकास में महत्त्वपूर्ण स्थान है। इसी मित्तल गोत्र को लक्ष्मी मित्तल जैसे महान् उद्योगपति को जन्म देने का श्रेय प्राप्त है, जो भारत ही नहीं विश्व क्षितिज के देदीप्यमान नक्षत्र हैं। इसी मित्तल गोत्र में मोबाईल मेन श्री सुनील भारती मित्तल, सोम मित्तल, शांतिप्रसाद जैन, साहू श्रेयांसप्रसाद जैन, साहू रमेशचंद्र जैन, बृजकृष्ण चाँदी वाले, प्रभुदयाल मित्तल, सतपा मित्तल, पद्मश्री ओ.पी. मित्तल, आदित्य मित्तल जैसे अनेक व्यक्तित्व पैदा हुए हैं, जिन्होंने अपने व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व द्वारा देश और समाज का नाम ऊँचा किया है।

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: मित्तल (Mittal)

पृष्ठ: 2

आडछेवाले (aadchewal)	बुधासिया (Budhasia)	ध्रुव (Dhruv)
आलवाले (Aalwale)	चालीसिया (Chalisiya)	डुलानिया (Dulania)
अरसीवाला (Aarsiwala)	चानौतिया (Chanautiya)	गढैय्या (Gadaiyya)
आर्य (Aary)	चाँदगोठिया (Chandgothiya)	गढ़िया (Gadhiya)
अलसीसर (Alsisar)	चाँदीवाले (Chandiwale)	गदैया (gaidia)
अंगारके (Angarke)	चौकसी (Chaukasi)	गांठवाले (ganthwale)
बगड़िया (Bagadiya)	चावलवाला (Chawalwala)	गरोठवाला (Garothwala)
बागड़का (Bagadka)	चेजल्सया (Chejalsaya)	घेलिया (Gheliya)
बागरवाले (Bagarawale)	चेनानिया (Chenaniya)	घीवाल (Ghiwal)
बगरुवाले (Bagruwale)	छावछरिया (Chhavachhariya)	घीवाले (Ghiwale)
बहूवाले (Bahuwale)	चिरानिया (Chirania)	गोटेवाले (Gotewale)
बंगलवाले (Bangalwale)	दाबड़ीवाल (Dabadiwal)	ग्रोथवाल (Grothwal)
बंगरुवाल (Bangaruwal)	डाबडीवाला (Dabadiwala)	हिसारिया (Hisaria)
भगेरिया (Bhageria)	दादू (Dadu)	जडतायो (Jadatayo)
भागेरिया (Bhageriya)	दंगलवाले (Dangalwale)	जयपुरिया (Jaipuriya)
भोड़की (Bhodki)	ढ़हसारिया (Dhahsariya)	जसरासरीया (Jasrasariya)
भूत (Bhoot)	धर्मराजका (Dharmrajka)	जटिया (Jatiya)
भूतका (Bhootka)	धरनीधरका (Dharnidharka)	जौहरी (Jauhari)
बोहरा (Bohra)	धेलिया (Dheliya)	कागलावाले (Kaglawale)
बृजवासी (Brijwasi)	धोलिया (Dholiya)	कन्दोई (Kandoi)

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: मित्तल (Mittal)

पृष्ठ: 3

कनोई (Kanoi)

कसेरा (Kasera)

खनानिया (Khananiya)

खाटुवाला (khatuwala)

कोकड़ा (Kokda)

कोटरावाले (Kotarawale)

कोत्रवाले (Kotrawale)

कोयलेवाले (KoyleWale)

लाड़ीवाला (Laadiwala)

लुदीवासिया (Ludivasiya)

मडीवाल (Madiwal)

माखरिया (Makharia)

मखरिया (Makhariya)

मल्लावत (Mallawat)

मंगनीराम (Manganiram)

माररिया (Mararia)

मरोदिया (Marodia)

मारोठिया (Marodiya)

मोटवाल (Motwale)

मुंशिमालवाले (Munshimalwale)

मुरोदिया (Murodia)

मुसद्दी (Musaddi)

नर्लगढ़ढया (Narlagadhaya)

नवलगाडिया (Navalgadiya)

ओड़छेवाले (Odachewale)

पालदीवाला (Paaldiwala)

पहाड़िया (Pahaadiya)

पंगरूवाले (Pangruwale)

परसरामपुरिया (Parsarampuriya)

रेदिका (Radika)

रींगसीया (Ringsia)

सफाड़िया (Safadia)

साह (Sah)

साहू (Sahu)

सतनालीका (Satnalika)

शाहपुरावाले (Shahpurwale)

श्रारड़ (Shard)

शोरवाले (Shorawale)

श्रीवाले (Shriwale)

सिगनोरिया (Signoria)

सीकरिया (Sikaria)

सिंगडोदिया (Singdodia)

सिसोदिया (Sisodiya)

तम्बाकूवाले (Tambakuwale)

ठाकुरद्वारावाले (Thakurdwarewale)

ठरड़ (Tharad)

तोरका (Torka)

वैदिक (vaidik)

वेदिका (Vedika)

harshgoel2k@gmail.com संकलनकर्ता: हर्ष वर्धन गोयल

गोत्र: नांगल (Nangal)

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: नागल, नंगल, नागला, Nagal, Naagil, Nagal

ऋषि: नागेन्द(Naagend)

गोत्रपति: नरसेव Narsev

वेद (Veda): सामवेद: (Samaveda)

शाखा (Branch): कौथमी (Kouthmi)/कौथमी (Kauttham)

सूत्र (Sutra): असलयिन Aslayin

विवरण: नागल एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है।

नागल गोत्र के कई परिवार दिल्ली, आसाम और मुंबई क्षेत्रो में रहते हैं। अग्रवाल समाज तेलंगना की दोमलगुड़ा शाखा की अग्रमहिला मंच की मंत्री तथा विजय पलवल- हरियाणा जिले के होडल के नजदीक बहीन गांव में नागल गोत्र के अग्रवाल कई पीढ़ियों तक निवास करते रहे। यह परिवार करीब 800 साल पुराना है। बाद में इस परिवार की एक शाखा पिनगवां गांव में जा बसी। इस परिवार के लोग सोहना, जिला गुड़गांव व जयपुर में भी फैल गये थे। हसनपुर जिला फरीदाबाद में नागल गोत्रीय निवास करते हैं।

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: सिंहल (Singhal)

पृष्ठ: 1

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: सिंघला, सिंघल, सिंगल, संघल, सिंघले, सिंगला, संदल, संगल Singla, Singhal, Singla

ऋषि: शांडाल्य (Shandalya)

गोत्रपति: सिंधुपति (Sindhupati)

वेद (Veda): सामवेद: (Samaveda)

शाखा (Branch): कोयुमी (Koyum)/कौथम (Kauttham)

सूत्र (Sutra): गोभिल(Gobhil)

विवरण: सिंघल एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है। इस गोत्र के लोग प्राय: राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तरप्रदेश आदि विभिन्न प्रांतों में फैले हुए है। अग्रवाल समाज में सिंघल गोत्री अग्रवालों ने उद्योग व्यवसाय दान-धर्म-सेवा, साहित्य, राजनीति सभी क्षेत्रों में अपनी अद्‌भुत प्रतिभा एवं क्षमता के बल पर विशेष स्थान बनाया है। इस गोत्र में लाला झनकूमल सिंघल, सेत खूबराम सत्यनारायण सर्राफ जैसे क्रांतिकारी एवं देशभक्त हुए, जिन्होंने आजादी के आंदोलन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। उद्योग-व्यवसाय के क्षेत्र में तो सिंघल गोत्र में जुग्गीलाल कमलापत सिंघानिया, गौतमहरि सिंघानिया (जे.के. उद्योग समूह), लाला श्रीराम, चरतराम, लाला भरतराम (डी.सी.एम. समूह), सेठ गणपतराय चाँदमल राजगढ़िया जैसे अनेक उद्योगपति हुए हैं, जिनका राष्ट्र के आर्थिक विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान है। दान-धर्म परोपकार, समाज सेवा के क्षेत्र में तो सिंघल गोत्र ने विश्व हिन्दू परिषद् के कार्यकारी अध्यक्ष एवं राम जन्म भूमि आंदोलन के प्रवर्तक अशोक सिंघल, लाला हरप्रसाद आरा, महावीरप्रसाद सर्राफ, मुंबई, रामजीदास बाजोरिया, बलदेवदास रामेश्वरदास, नाथानी, सेठ पूर्णमल गनेड़ीवाला, भक्त ललितकिशोरी ललितमाधुरी (वृंदावन में शाहबिहारी जी मंदिर के निर्माता), हजारीमल दूदवेवाला जैसे असंख्य व्यक्तित्वों को जन्म देकर एक से एक बढ़कर प्रतिमान स्थापित किया है।

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: सिंहल (Singhal)

पृष्ठ: 2

आजाद (Aajaad)

आमेरिया (Aameriya)

आरसीव (Aarsiv)

अरसीवाला (Aarsiwala)

बगड़िया (Bagadiya)

बागड़का (Bagadka)

बागड़ोदिया (Bagdodiya)

बाजोरिया (Bajoriya)

बकरा (Bakra)

बंका (Banka)

बासनीवाल (Basaniwal)

बतासे (Batase)

बेरलिया (Beraliya)

बेरोलिया (Beroliya)

भजनका (Bhajanka)

भांडेरवाले (Bhanderwale)

भारतेंदु (Bharatendu)

भार्मसंघका (Bharmsanghka)

भऊवाले (Bhauwale)

भावसिंगका (Bhavsinghka)

भावथड़ीवाले (Bhavthadiwale)

भीमसारवाला (Bhimsariya)

भूतिया (Bhootiya)

भूतला (Bhootla)

भूखमारिया (Bhukhmariya)

बिरमीवाल (Birmiwal)

चनानी (Chanani)

चारिया (Chariya)

चौकड़ाइट (Chaukdait)

छारिया (Chhariya)

छोलिया (Chholiya)

छोआवाला (Choawala)

ददरेवाला (Dadarewala)

दतियावाले (Datiyawale)

ढांडणिया (Dhadhaniya)

ढ़हसारिया (Dhahsariya)

धनदानिया (Dhandaniya)

ढांढतनया (Dhandhatanya)

धुन्दडिया (Dhundadiya)

डूडवेवाला (Doodvewala)

डूडरेवाल (Dudarewal)

दुदवावाला (Dudvawala)

फरमानिया (Farmania)

गडीवाला (Gadiwala)

गजबी (Gajabi)

गनेड़ीवाला (Ganediwala)

गोरखपुरी (Gorakhpuri)

गोविंदगढ़वाले (Govindgadhwale)

गुमन्त (Gumant)

हरसोरया (Harsoriya)

हाथीवाले (Hathiwale)

हिसारिया (Hisaria)

हुण्डीवाला (Hundiwala)

जगतरामका (Jagatramka)

जग्गूका (Jagguka)

जाजोदिया (Jajodiya)

जौहरी (Jauhari)

जयरिका (Jayarika)

झाजरिया (Jhaajariya)

जीदगर (Jindgar)

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

गोत्र: सिंहल (Singhal)

पृष्ठ: 2

जोहरी (Johari)
काजड़िया (Kaajdiya)
काबरिया (kabaria)
कजारिया (Kajaria)
कन्दोई (Kandoi)
केशान (Keshan)
खंडेलिया (Khandeliya)
खेमका (Khemka)
खोयावाल (Khoyawal)
किसनाका (Kisanaka)
किनाका (Kisnaaka)
कोतवाल (Kotwal)
लड्ढा (Laddha)
लालपुरिया (Lalpuriya)
लाठ (Lath)
लुहारका (Luharaka)
मंडावेवाला (Mandavewala)
माण्डरेवाल (Mandrewal)
मंगोड़ीवाल (Mangodiwal)
मंगतेड़िया (Mangotedia)
मौवाल (Mauwal)
मऊवाले (Mauwale)

मोड़ा (Moda)
मोठवाले (Mothwale)
नगीमा (Nagima)
नझोई (Najhoi)
नाथानी (Nathani)
नेर्ततया (Nertataya)
नेवटिया (Nevatia)
निम्बोदिया (Nimbodiya)
पांचोतासवाले (Panchotasawale)
पंसारी (Pansari)
पाथरवाले (Patharwale)
पटरारी (Patrari)
पत्थरका (Pattharaka)
पटवारी (Patwaari)
राजगढिया (Rajgadiya)
रामुका (Ramuka)
रसीरासिया (Rashirasiya)
रसिवासिया (Rasivaasiya)
रासीवासिया (Rasiwasia)
रतेरिया (Rateria)
रेखान (Rekhan)

संगल (Sangal)
सर्राफ (Saraf)
सेठ (Seth)
शाह (Shah)
शाह(राय) (Shah)
सीघई (Sighai)
सिमपूरिया (Simpooriya)
सिनाका (sinaka)
सिंघानिया (Singhania)
सिंगला (Singla)
सुनारीवाल (Sunariwal)
सुंरीवाले (Sunariwale)
सुतरेशाही (Sutreshahi)
टाईंवाला (Taiwala)
तलवाड़िया (Talavadiya)
तनम्बोदिया (Tanambodiya)
टीबड़ेवाल (Tibadewal)
टिबडेवाला (Tibdewala)
तोलारामका (Tolaramaka)
टोरिया (Toriya)
तोतरामका (Totaramka)

harshgoel2k@gmail.com संकलनकर्ता: हर्ष वर्धन गोयल

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

(गोत्र: तायल (Tayal)

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: तित्तल

ऋषि: साकल/तैतरेय Saakal/Taitireya/तैतिरेया (Taitireya)

गोत्रपति: ताराचंद (Tarachand)

वेद (Veda): यजुर्वेद: (Yajurveda)

शाखा (Branch): माध्यंदिन वाजसनेयि शाखा (वाजसनेयी संहिता माध्यंदिन)

सूत्र (Sutra): कात्यायन (Kaatyayn)

विवरण: तायल एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है।

तायल गोत्र में रायसाहब लाला सरयूप्रसाद (फैजाबाद), रायबहादुर बनवलराम तायल (हिसार), डॉ. विमलेंदु तायल (श्रीगंगानगर), लाला जयदेव रईस आदि हुए, इस गौत्र के विमलेंदु तायल ने महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर के कुलपति पद को सुशोभित किया। इसी गोत्र में सेठ गोपीराम भगतराम टिकमाणो कोलकाता का परिवार हुआ। इस परिवार में सेठ टोकन प्रसिद्ध पुरुप हुए, जिनके नाम पर इस परिवार का कुटुंब नाम टिकमाणी पड़ा। इस परिवार के सेठ गोपीराम एवं कोलकाता तथा राजगढ़ में दान धर्म, परोपकार के कार्यों में पर्याप्त यशार्जन किया।

तायल गोत्र आधरित कुटुंब नाम -

आलवाले, आर्य, भीमराजका, ईशरवाल, करड़वाल, पातलिया, टिकमाणी

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

(गोत्र: तिंगल (Tingal)

अन्य प्रचलित नाम/वर्तनी: तुंगल, तिंगल, तुंघाल, तुन्दल, Tunghal

ऋषि: शांडिल्य / तांड्या (Shandilya/Tandya)/तांडव (Taandav)

गोत्रपति: तंबोलकर्ण (Tambolkarna)

वेद (Veda): यजुर्वेद: (Yajurveda)

शाखा (Branch): माध्यंदिन वाजसनेयी शाखा (वाजसनेयी संहिता माध्यंदिन)

सूत्र (Sutra): कात्यायन (Kaatyayn)

विवरण: तिंगल एक गोत्र आधरित कुटुंब नाम है यह अग्रवालों के 18 गोत्रों में से एक है।

।। आमंत्रण ।।

अग्रवालों में अनेको कुटुंबनाम एक से अधिक गोत्र में पाए जाते है विशेषकर स्थान आधारित कुटुंब नामो में, अथक प्रयासों के फलस्वरुप १८०० से अधिक कुटुंबनामो का संकलन हुआ है अभी भी अनेको स्रोतों से अग्रवालों के कुटुंबनाम प्राप्त हो रहे है यदि आपका कुटुंबनाम इस सूचि में सम्मिलित नहीं है अथवा आप इस विषय में रूचि रखते है और अपनी सनातनी परंपरा को जीवांत रखना चाहते है तो हमसे संपर्क करें।

हर्ष वर्धन गोयल

अध्यक्ष

अग्र वंशावली शोध परिषद्

agrvanshawali@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

(यदि आपका पारिवारिक नाम इस सूचि में है तो कृपया गोत्र, स्थान, वंशावली आदि के साथ हमसे संपर्क करें।)

पृष्ठ: 1

आडा (Aada)
आडतिया (Aadatiya)
आदेवाले (Aadewale)
आदोरिया (Aadoriya)
आगीवाला (Aagiwala)
आँजनिया (Aanjaniya)
आरंगवाले (Aarangawale)
अचारवाले (Acharawale)
अगढ़वाले (Agadhawale)
अगोसवाले (Agosawale)
अजादिरिया (Ajadiriya)
अजमेरवाले (Ajamerwale)
अखैगढ़वाले (Akhaigadhawale)
अखरोटवाले (Akharotawale)
आलमपुरिया (Alampuria)
अलपसरिया (Alapasariya)
अलवरवाले (Alavarawale)
अमरसरिया (Amarasariya)
अमरावतीवाले (Amaravatiwale)
अंगोछावाले (Angochhawale)

अंगूठीवाले (Anguthiwale)
अटेचोवाले (Atechowale)
अत्तार (Attar)
औलख (Aulakh)
औरेटयावाले (Auretayawale)
बड़बोलिया (Badaboliya)
बादकोठरीवाले (Badakothariwale)
बाराकुलीवाला (Badakuliya)
बड़वेवाले (Badavewale)
बाढ़ावाले (Badhawale)
बडोपलिया (Badopalia)
बड़ोपलिया (Badopaliya)
बागड़ (Bagada)
बागड़ी (Bagadi)
बगलावाले (Bagalawale)
बागोला (Bagola)
बहादुरगढिया (Bahadurgaria)
बजीतपुरिया (Bajeetapuriya)
बखालिया (Bakhaliya)
बाल (Bal)

बलपुरवाले (Balapurwale)
बल्ल (Ball)
बालोतरिया (Balotariya)
बाल्टीवाला (Baltiwala)
बापोड़िया (Bapodiya)
बापूवाले (Bapuwale)
बारबड़ावाले (Barabadawale)
बारड (Barad)
बारदानावाले (Baradanawale)
बरहरवा (Baraharava)
बारजेवाला (Barajewala)
बराकड़वाले (Barakadawale)
बराकावाले (Barakawale)
बरखेड़ावाले (Barakhedawale)
बरसुआँवाला (Barasuanwala)
बरवालिया (Baravaliya)
बरियकवाले (Bariyakwale)
बसईवाल (Basaiwal)
बसावावाले (Basavawale)
बासोतिया (Basotiya)

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

(यदि आपका पारिवारिक नाम इस सूचि में है तो कृपया गोत्र, स्थान, वंशावली आदि के साथ हमसे संपर्क करें।)

पृष्ठ: 2

बटानिया (Batania)	भालूसरिया (Bhalusaria)	भुवानिया (Bhuvaniya)
बटोदावाले (Batodawale)	भानगढ़का (Bhangarhka)	भुवालका (Bhuwalka)
बावलीवाला (Bavaliwala)	भापनका (Bhapanka)	भुवानेवाला (Bhuwanewala)
बायला (Bayala)	भापड़ोदिया (Bhapdodia)	बीबीपुरिया (Bibipuria)
बायती (Bayati)	भरतपुरिया (Bharatpuria)	बिचोलीवाले (Bicholiwale)
बायेवाल (Bayewal)	भट्टेवाले (Bhattewale)	बिदातनका (Bidatanka)
बेड़िया (Bedia)	भटूवाले (Bhatuwale)	बिदावतका (Bidavataka)
बीघावट (Beeghaghat)	भटवारावाले (Bhatwarawale)	बीडीवारे (Bidiware)
बेगनिया (Begonia)	भावपुरका (Bhavpurka)	बिडोलिया (Bidoliya)
बेरासरिया (Berasaria)	भावसिद्धका (Bhavshidhka)	बिझलिया (Bijhaliya)
बेसवाल (Beswal)	भड़ेच (Bhedech)	बीकानेरिया (Bikaneria)
भडेलिया (Bhadelia)	भीवापुरका (Bhivapurka)	बींदसरिया (Bindasaria)
भदेव (Bhadev)	भीवानिया (Bhiwaniya)	बिरकलीवाले (Birkaliwale)
भाड़ेवाला (Bhadewala)	भूतड़ा (Bhootda)	बिरोलिया (Biroliya)
भादरावाले (Bhadrawale)	भूतस्ता (Bhootshya)	बिसाऊका (Bissauka)
भदसानावाले (Bhadsanawale)	भोपालपुरिया (Bhopalpuria)	बीसूका (Bisuka)
भादूडीवाले (Bhadudiwale)	भोरूका (Bhoruka)	बिसूसरिया (Bisusaria)
भागचन्दका (Bhagchandka)	भूड़ोदिया (Bhudodia)	बोडा (Boda)
भगोलावाले (Bhagolawale)	भुजियावाला (Bhujiawala)	बोदिया (Bodiya)
भगूका (Bhaguka)	भूषणवाला (Bushanwala)	बोजराजका (Bojrajka)

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

(यदि आपका पारिवारिक नाम इस सूचि में है तो कृपया गोत्र, स्थान, वंशावली आदि के साथ हमसे संपर्क करें।)

पृष्ठ: 3

बोलोनारे (Bolonnare)	चाकसूवाले (Chakasuwale)	छामनिया (Chhamaniya)
बोंदिया (Bondia)	चन्दनका (Chandanaka)	छमासी (Chhamasi)
बोनेटा (Boneta)	चांदकोठिया (chandkothia)	छांदीवाले (Chhandiwale)
वोरातिया (Boratoya)	चन्द्रवाजीवाले (Chandravajiwale)	छानीवाला (Chhaniwala)
बोसाड्डू (Bossadu)	चाँदसेन (Chandsen)	छापरिया (Chhapariya)
ब्रजवाले (Brajwale)	चन्दुका (Chanduka)	छावनिका (Chhavanika)
बुकनसरिया (Bucansaria)	चापानवाले (Chapanwale)	चिलवारस (chilwaras)
बुकालिया (Buccalia)	चरखारीवाले (Charakhariwale)	चिमनका (Chimanaka)
बुकानिया (Buchania)	चसहाला (Chashala)	चिनानिया (Chinaniya)
बुचासिया (Buchasia)	चश्मेवाले (Chashmewale)	चीनीकी (Chinike)
बुडानिया (Budania)	चटाईवाले (Chataiwale)	चितलांगिया (Chitalangiya)
बुधरामका (Budhramka)	चौकड़िया (Chaukadiya)	चोखानिया (Chokhania)
बुदोलिया (Budolia)	चीपवाले (Cheepwale)	चोकीवाले (Chokiwale)
बुरागाड़ावाले (Buragadawale)	चेला (Chela)	चोरूका (Choruka)
बूरेवाले (Burewale)	चेलानी (Chelani)	चोरवानी (Chorwani)
बुरिया (Buria)	चेम्बरवाले (Chembarwale)	चाहूका (Chulka)
बुरजवाले (Burjwale)	चेनवाले (Chenwale)	चूनेवाले (Chunewale)
वुटीवारा (Butuwara)	छाजड़िया (Chhajdiya)	चूरयांवाले (Churayawale)
चाचा (Chacha)	छाजूका (Chhajuka)	चुरूका (Churuka)
चचेरीवाल (Chacheriwal)	छाजुसरिया (Chhajusariya)	दाचानिया (Dachaniya)

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

(यदि आपका पारिवारिक नाम इस सूचि में है तो कृपया गोत्र, स्थान, वंशावली आदि के साथ हमसे संपर्क करें।)

पृष्ठ: 4

दादरीवाले (Dadariwale)

दूदमा वारे (Dadmaware)

दादुर (Dadur)

दड़वावाले (Dadvawale)

डगेड़िया (Dagediya)

डहरवाले (Daharwale)

दहीवाले (Dahiwale)

दाहियावाले (Dahiyawale)

दहोडावाला (Dahodawala)

दजोदवाला (Dajodwala)

दखीनी (Dakhini)

दाकके (Dakke)

डाकवाला (Dakwala)

दलानिया (Dalaniya)

दलेल (Dalel)

दलिया (Daliya)

दलपलिया (Dalpaliya)

डंगायच (Dangayach)

दाँतलीवाला (Dantaliwala)

दांतुरी (Danturi)

दरीबावाले (Daribawale)

दरिया (Dariya)

डरोलिया (Daroliya)

दस्था (Dastha)

दतिरवाला (Datirwala)

दयालपुरिया (Dayalapuriya)

दयालजीका (Dayaljika)

देबूका (Debuka)

डेगराजका (Degarajaka)

देलोनिया (Deloniya)

डेनिया (Deniya)

देशवाने (Deshwane)

देवादानका (Devadanaka)

देवगाँवका (Devagavaka)

देवनलिया (Devanaliya)

देवनिया (Devaniya)

देवराग्निया (Devaragniya)

देवरालिया (Devaraliya)

देवर्गायका (Devargayka)

देवीदानका (Devidanaka)

धाड़ीवाल (Dhadiwal)

ढैया (Dhaiya)

ढाकलिया (Dhakaliya)

धालीवाल (Dhaliwal)

धामनोदवाले (Dhamanodwale)

धामोरिया (Dhamoriya)

धनजीपंजीवाले (Dhanajipanjiwale)

धनानीवाले (Dhananiwale)

धनानिया (Dhananiya)

धनपतसिंहका (Dhanapatasinhaka)

धांवलिया (Dhanvaliya)

धौलपुरवाले (Dhaulapurwale)

धौलावाला (Dhaulawala)

धानोठीवाला (Dhauthiwala)

धौत्तीवाला (Dhautiwala)

ढेढ़िया (Dhedhiya)

धीणा (Dheena)

ढेलासरिया (Dhelasariya)

धींगरपुरवाले (Dhigarpurwale)

धीमपुरिया (Dhimpuriya)

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

(यदि आपका पारिवारिक नाम इस सूचि में है तो कृपया गोत्र, स्थान, वंशावली आदि के साथ हमसे संपर्क करें।)

पृष्ठ: 5

- धींगपुरिया (Dhingpuria)
- धींगपुरिया (Dhingpuria)
- धीरवासिया (Dhirvasiya)
- ढोकानिया (Dhokaniya)
- ढोलकिया (Dholakiya)
- धोलेटा (Dholeta)
- धोलपुरवाले (Dholpurwale)
- धोनीवाल (Dhoniwal)
- ढोरवाला (Dhorwala)
- धूवालावाले (Dhuvalawale)
- धुवालिया (Dhuvaliya)
- डिबाईवाले (Dibaiwale)
- डीडमानिया (Didmaniya)
- दीवा (Diva)
- दीवलवाले (Divalwale)
- दीवानजीवाले (Divanjiwale)
- दीवानवाले (Divanwale)
- दोचनिया (Dochaniya)
- दोदराजका (Dodaraajaka)
- डोकानिया (Dokaniya)
- डोलिया (Doliya)
- डोणेरसीवाला (Donerasiwala)
- डोरेवाले (Dorewale)
- डोरिया (Doriya)
- दुदावत (Dudavat)
- दुजोदवाले (Dujodwale)
- डुमंडिया (Dumandiya)
- दुरलिया (Duraliya)
- ईकरीवाले (Eekriwale)
- एतवान (Etavan)
- फागलवा (Faglava)
- फटेवाल (Fatewal)
- फिरोजवाले (Firojawale)
- फोगला (Fogala)
- गाडरमालावाला (Gadaramalawala)
- गड़ेरीवारे (Gaderiware)
- गढ्यान (Gadhyan)
- गागेसरिया (Gagesariya)
- गगीवाले (Gagiwale)
- गगवी (Gagvi)
- गाजीपुरिया (Gajipuriya)
- गंधकवाला (Gandhakwala)
- गायवाला (Gayewala)
- गायरल (Gayral)
- घड़ीवाले (Ghadiwale)
- घमालिया (Ghamalia)
- घमोसरिया (Ghamesariya)
- घीणा (Gheena)
- घेऊवाले (Gheuwale)
- घिडिया (Ghidiya)
- घिरया (Ghirya)
- घोडा (Ghoda)
- घोडावत (Ghodawat)
- घुबलेवाला (Ghubalewala)
- घूड़का (Ghudaka)
- घूमणसरिया (Ghumanasariya)
- गिलटवाले (Gilatwale)
- गिलेण्डरवाले (Gilendarwale)
- गिंदोड़ी (Gindodi)
- गिन्होरिया (Ginhoriya)

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

(यदि आपका पारिवारिक नाम इस सूचि में है तो कृपया गोत्र, स्थान, वंशावली आदि के साथ हमसे संपर्क करें।)

पृष्ठ: 6

घोड़ीवारा (Godiwara)

गोदवाले (Godwale)

गोगालिया (Gogaliya)

गोकुल (Gokul)

गोलुका (Goluka)

गोदके (Goodke)

गोपालका (Gopalaka)

गोपालवासिया (Gopalavasiya)

गोरामवाले (Goramawale)

गौरीसरिया (Gorisariya)

गोठका (Gothka)

गोवाडिया (Govadiya)

गोविन्दका (Govindaka)

गोयसर (Goysar)

गुडबानीवाला (Gudabaniwala)

गुडेवाले (Gudewale)

गुढ़का (Gudhaka)

गुडीवाला (Gudiwala)

गुलाबवाले (Gulabwale)

गुललहा (Gulalaha)

गुलावाटी (Gulawati)

गुलगुलिया (Gulguliya)

हालना (Halna)

हमीरवासिया (Hamirvasia)

हण्डिवाले (Handiwale)

हांसलसरिया (Hansalsaria)

हरनामवाले (Harnamwale)

हठीरामका (Hathiramka)

हटका (Hatka)

होजरीवाले (Haujariwala)

हेलीवाले (Helliwale)

हिंडोरिया (Hindoria)

हिंगोलीवाले (Hingoliwale)

हीरानंदका (Hiranandaka)

हुडेकर (Hudekar)

हुडेत (Hudet)

हेदराबादी (Hyderabadi)

इमरेवाल (Imrewal)

इंगरीवाला (Ingariwala)

इंगेयुगेवाला (Ingeyugewala)

इसरका (Isarka)

जगरायका (Jagarayka)

जगवरावाले (Jagavarawale)

जहाजगढ़िया (Jahajagadhiya)

जै (Jai)

जैपुरिया (Jaipuria)

जैसुका (Jaisuka)

जाखलिया (Jakhaliya)

जाखोटिया (Jakhotiya)

जकोडिया (Jakodiya)

जलालपुरिया (Jalalapuriya)

जलाली (Jalali)

जलेबीचोर (Jalebichor)

जालका (Jalka)

जमुका (Jamuka)

जनकपुरिया (Janakpuriya)

जांगलिये (Jangaliye)

जांटीवाला (Jantiwala)

जारोटीवाला (Jarotiwala)

जसरामपुरिया (Jasarampuriya)

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

(यदि आपका पारिवारिक नाम इस सूचि में है तो कृपया गोत्र, स्थान, वंशावली आदि के साथ हमसे संपर्क करें।)

पृष्ठः 7

घोड़ीवारा (Godiwara)
गोदवाले (Godwale)
गोगालिया (Gogaliya)
गोकुल (Gokul)
गोलुका (Goluka)
गोदके (Goodke)
गोपालका (Gopalaka)
गोपालवासिया (Gopalavasiya)
गोरामवाले (Goramawale)
गौरीसरिया (Gorisariya)
गोठका (Gothka)
गोवाडिया (Govadiya)
गोविन्दका (Govindaka)
गोयसर (Goysar)
गुडबानीवाला (Gudabaniwala)
गुडेवाले (Gudewale)
गुढ़का (Gudhaka)
गुडीवाला (Gudiwala)
गुलाबवाले (Gulabwale)
गुललहा (Gulalaha)

गुलावाटी (Gulawati)
गुलगुलिया (Gulguliya)
हालना (Halna)
हमीरवासिया (Hamirvasia)
हण्डिवाले (Handiwale)
हांसलसरिया (Hansalsaria)
हरनामवाले (Harnamwale)
हठीरामका (Hathiramka)
हटका (Hatka)
होजरीवाले (Haujariwala)
हेलीवाले (Helliwale)
हिंडोरिया (Hindoria)
हिंगोलीवाले (Hingoliwale)
हीरानंदका (Hiranandaka)
हुडेकर (Hudekar)
हुडेत (Hudet)
हेदराबादी (Hyderabadi)
इमरेवाल (Imrewal)
इंगरीवाला (Ingariwala)
इंगेयुगेवाला (Ingeyugewala)

इसरका (Isarka)
जगरायका (Jagarayka)
जगवरावाले (Jagavarawale)
जहाजगढ़िया (Jahajagadhiya)
जै (Jai)
जैपुरिया (Jaipuria)
जैसुका (Jaisuka)
जाखलिया (Jakhaliya)
जाखोटिया (Jakhotiya)
जकोडिया (Jakodiya)
जलालपुरिया (Jalalapuriya)
जलाली (Jalali)
जलेबीचोर (Jalebichor)
जालका (Jalka)
जमुका (Jamuka)
जनकपुरिया (Janakpuriya)
जांगलिये (Jangaliye)
जांटीवाला (Jantiwala)
जारोटीवाला (Jarotiwala)
जसरामपुरिया (Jasarampuriya)

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

(यदि आपका पारिवारिक नाम इस सूचि में है तो कृपया गोत्र, स्थान, वंशावली आदि के साथ हमसे संपर्क करें।)

पृष्ठ: 8

कण्ठीवास (Kanthiwas)
कांटीवाले (Kantiwale)
कंटोकटेव (Kantokatev)
कँवाल (Kanwal)
कपड़ेवाले (Kapadewale)
कारवाड़ीवाले (Karavadiwale)
करवरवाला (Karavarwala)
करोरीवाले (Karoriwale)
करूटिया (Karutiya)
कसाली (Kasali)
कासलीवाल (Kasaliwal)
कासनावाला (Kasanawala)
कसरूका (Kasaruka)
कसेडिया (Kasediya)
कासूबा (Kasuba)
कासूका (Kasuka)
कासूलिया (Kasuliya)
कसूमावाले (Kasumawale)
कटनीवाला (Kataniwala)
कटारीवाला (Katariwala)

कटारिया (Katariya)
कटारूका (Kataruka)
कटतरूका (Katataruka)
कौशलका (Kaushalaka)
केलका (Kelaka)
केमोरीवाले (Kemoriwale)
खदरिया (Khadariya)
खादरिया (khadriya)
खगरिया (Khagariya)
खामगांववाले (Khamaganvwale)
खंडका (Khandaka)
खंडारवाले (Khandarwale)
खनुआवाले (Khanuawale)
खापरा (Khapra)
खराईवाले (Kharaiwale)
खारखोलिये (Kharakholiye)
खारीवाल (Khariwal)
खासगीवाले (Khasagiwale)
खटाईवाले (Khataiwale)
खटकड़या (Khatakadaya)

खाटवाले (Khatawale)
खावसरिया (Khavasariya)
खायरा (Khayara)
खेदड़िया (Khedadiya)
खेडावाले (Khedawale)
खेखान (khekhan)
खेमाणी (Khemani)
खेरातीका (Kheratika)
खेतावत (Khetavat)
खिरनीवाले (Khiraniwale)
खीरवेवाले (Khiravewale)
खिरवाल (Khirawal)
खीरेवाले (Khirewale)
खीवंसरिया (Khivansariya)
खोदिया (Khodiya)
खोरावाले (Khorawale)
खोरिया (Khoriya)
खोसीका (Khosika)
खुनखुनजीका (Khunkhunjika)
किनोई (Kinoee)

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

(यदि आपका पारिवारिक नाम इस सूचि में है तो कृपया
गोत्र, स्थान, वंशावली आदि के साथ हमसे संपर्क करें।)

पृष्ठ: 9

किरानावाले (Kiranawale)

किरवाडावाले (Kiravadawale)

किरवासीवाले (Kiravasiwale)

किरतुका (Kirtuka)

किशनपुरिया (Kishanpuriya)

किताबवाले (Kitabwale)

किया (Kiya)

कोदिया (Kodiya)

कोहलीवाले (Kohaliwale)

कोलावाले (Kolawale)

कोटवातवाले (Kotavatwale)

कोटड़ीवाले (Kotdiwale)

कोठावाले (Kothawale)

कोठरीवाले (Kothriwale)

कुचमतनया (Kuchmatanaya)

कुड़कलीवाले (Kudkaliwale)

कुलताजपुरिया (Kultajapuriya)

कुण्डवाले (Kundwale)

कुरड़ीकूट (Kuradikut)

कुसुम्बीवाले (Kusumbiwale)

लाल (Laal)

लदानिया (Ladaniya)

लाडसरिया (Ladsaria)

लहानवाले (Lahanwale)

लकड़ा (Lakda)

लखी (Lakhi)

लखूड़ी (Lakhuri)

लक्काडी (Lakkadi)

लालगढ़िया (Lalgarhia)

लारिया (Lariya)

लश्करी (Lashkari)

लक्ष्मणगढ़का (Laxmangarhka)

लिखमानिया (Likhmaniya)

लोचा (Locha)

लोहारिया (Lohariya)

लोहारूवाला (Loharuwala)

लोहरे (Lohre)

लोंगवाल (Longwal)

लोसलका (Losalka)

लोटिया (Lotia)

लवलिया (Lovelia)

लोया (Loya)

लुहाड़ीवाड़ा (Luhadiwada)

माछर (Maachar)

मारकरिया (Maarkiya)

मादरिया (Maderia)

माधोगड़िया (Madhogadiya)

माधोपुरिया (Madhopuria)

माडिया (Madia)

माडीवाला (Madiwala)

मडोलिया (Madolia)

माडोठिया (Madothia)

मदपुरिया (Madpuria)

मादवाड़ीवाला (Madwadiwala)

मागेड़ीवाला (Magediwala)

महाडेरिया (Mahaderia)

महलावाले (Mahalawale)

महनसरिया (Mahansariya)

महासरवाले (Mahasarwale)

महाटिया (Mahatiya)

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

(यदि आपका पारिवारिक नाम इस सूचि में है तो कृपया गोत्र, स्थान, वंशावली आदि के साथ हमसे संपर्क करें।)

पृष्ठ: 10

महेशदासका (Maheshdasaka)
महेशका (Maheshka)
महेताका (mahetaka)
महलका (Mahlka)
महरामगड़ावाले (Mahramgadwale)
मजीठावाले (Majithawale)
माजीवाला (Majiwala)
मकारीवाला (Makariwala)
मकड़ेरीवारा (Makderiwara)
मखण्डिया (Makhandia)
मालगुजार (Malagujar)
मालधनी (Maldhani)
मलियानावाले (Malianawale)
मलीराहवाले (Malirahwale)
मालपुरावाले (Malpurawale)
मालसरिया (Malsaria)
मलसीसरवाले (Malsisarwale)
ममोनिया (Mamoniya)
मंडलावाले (Mandalawale)
मंडेलिया (Mandalay)

मंडोरीवाले (Mandoriwale)
मंडरायवाले (Mandraywale)
मनोजपुरिया (Manojpuria)
मानपुरिया (Manpuria)
मानसिंहका (Mansinghka)
मानसिंगका (Mansingka)
मरदा (Marda)
मतामड़िया (Matamadiya)
मातनहेलिया (Matanheliya)
मथुरावाले (Mathurawale)
मौजीरामका (Maujiramka)
मावावाला (Mavawala)
मईवाले (Maywale)
मेरठिया (Meerutia)
मेगोलिया (Megolia)
मेहाडिया (Mehadia)
मेहता (Mehta)
सोदागर (Merchant)
मेरठीशाह (Merthishah)
मेवाड़ा (Mewada)

मिल (Mill)
मिंचनाबादवाले (Minchanabadwale)
मिठड़ीवाले (Mithadiwale)
मित्रापुरावाले (Mitrapurawale)
मित्रुका (Mitruka)
मोदाणी (Modani)
मडोचिया (Modochiya)
मोजासिया (Mojasiya)
मोटियादाणीवाले (Motiadaniwale)
मुबारकपुरवाले (Mubarakpurwale)
मुहालका (Muhalka)
मुकुदगढ़िया (Mukudgarhia)
मुकुटवाले (Mukutwale)
मुण्डेवाला (Mundewala)
मुंडोसीवाले (Mundosiwale)
मूंगेवाले (Mungewale)
मुनीम (Munim)
मूनका (Munka)
मुंसरीवाले (Munsariwale)
मुरारी (Murari)

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

(यदि आपका पारिवारिक नाम इस सूचि में है तो कृपया गोत्र, स्थान, वंशावली आदि के साथ हमसे संपर्क करें।)

पृष्ठ: 11

मुरसानवाले (Mursanwale)
मुरताजपुरवाले (Murtajpurwale)
मुरथलिया (Murthalia)
मुशरका (Musharka)
मुस्कानी (Muskani)
मुसद्दी (बिंदल) (Mussadi)
मुतदेशी (Mutdeshi)
नागरदासका (Nagardasaka)
नागेवाले (Nagewale)
नागिसा (Nagisa)
नागोड़ी (Nagodi)
नैनसुखा (Nainasukha)
नाजिम (Najim)
नकीपुरीया (Nakipuriya)
नालपुरवाले (Nalapurawale)
नलवेवाले (Nalvewale)
नम्बाक्याने (Nambakyane)
नानूरामका (Nanuramaka)
नारसरिया (Narasariya)
नरेगावाले (Naregawale)
नरहड़िय (Narhadiya)
नारनौली (Narnauli)
नारोजवाले (Narojwale)
नथेके (Natheka)
नाथूरामका (Nathuramaka)
नौसरिया (Nausariya)
नवल (Naval)
नवरवाला (Navarwala)
नेवईवाल (Nevaiwal)
निबाईवाला (Nibaiwala)
निमोरिया (Nimoriya)
निनाणवाले (Ninanwale)
निंगानिया (Ninganiya)
नीरतू (Nirtu)
निवारवाले (Nivarwale)
नोनवाल (Nonwal)
नोपरावाले (Noparawale)
नोसरिया (Nosariya)
नोताका (Notaka)
नूहावाल (Nuhawal)
नूरमलके (Nurmalka)
ओडणवाले (Odanawale)
ओलवाड़ावाले (Olvadawale)
ऊँटवालिया (Oontawaliya)
पालरीवाल (Paalriwal)
पचेरीवाल (Pacheriwal)
पचेरिया (Pacheriya)
पचोड़ीवाले (Pachodiwale)
पदाम्या (Padamya)
पड़ावावाले (Padavawale)
पाढ़ावाले (Padhawale)
पाढ़निया (Padhniya)
पाड़िया (Padiya)
पकाया (Pakaya)
पकरिया (Pakriya)
पलसाणी (Palasani)
पलसावाले (Palasawale)
पालविया (Palaviya)
पल्लीवाले (Palliwale)
पाण्डेरी (Panderi)

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

(यदि आपका पारिवारिक नाम इस सूचि में है तो कृपया गोत्र, स्थान, वंशावली आदि के साथ हमसे संपर्क करें।)

पनेसीवाले (Panesiwale)	पिपल्या (Pipalya)	राजूसरिया (Rajusaria)
पानीपतिया (Panipatiya)	पीपलवा (Piplava)	रालवाल (Ralwal)
पंजेवाले (Panjewale)	पीरामल (Piramal)	रामरायका (Ramarayaka)
पनजीवाले (Panjiwale)	पिसाडेवाले (Pisaadevaale)	रामगढ़िया (Ramgarhia)
पापड़ावाले (Papadawale)	पितलिया (Pitaliya)	रामपिपल्या (Rampiplya)
परमणीवाला (Paramaniwala)	प्रणव (Pranav)	रामपुरिया (Rampuria)
परामुका (Paramuka)	प्रेमराजका (Premarajka)	रामसिसरिया (Ramsisaria)
परसादिया (Parasadiya)	पुड़ियावाल (Pudiyawal)	रसतलिया (Rastalia)
परसरामका (Parasramka)	पुनमिया (Punamiya)	रातड़िया (Ratadiya)
परतापुरवाले (Paratapurwale)	पूनिया (Puniya)	रतनगढिया (Ratangarhia)
परवणवाले (Paravanwale)	पुरिया (Puriya)	रतलामके सराफ (Ratlaanke)
पारूवाल (Paruwal)	पूर्णमलका (Purnamalka)	रातूसरिया (Ratusaria)
पासरोटिया (Pasarotiya)	पुवालेवाला (Puvalewala)	राऊवाले (Rauwale)
पाटनवाले (Patanwale)	रड़कवाले (Radakwale)	रावल (Rawal)
पतासिया (Patasiya)	रेडियोवाले (Radiowala)	रावलवासिया (Rawalwasia)
पटवा (Patava)	रईसखानदान (Rahishkhandan)	रिटोलिया (Retolia)
पतीसावाले (Patisawale)	राईवाला (Raiwala)	रिणीवाले (Riniwale)
पवामिका (Pavamika)	रायावाले (Raiwale)	रीयांवाला (Riyanwala)
फिटकिरीवाला (Phitakiriwala)	राजारामका (Rajaramka)	रूपचंदका (Roopchandka)
पिलानिया (Pilaniya)	राजुका (Rajuka)	रूपदासका (Roopdaska)

harshgoel2k@gmail.com

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

(यदि आपका पारिवारिक नाम इस सूचि में है तो कृपया गोत्र, स्थान, वंशावली आदि के साथ हमसे संपर्क करें।)

पृष्ठ: 13

रोटीवाले (Rotiwale)
रूदावाले (Rudawale)
सबलका (Sabalka)
सदवती (Sadwati)
सगाई (Sagai)
सेज (Sage)
सगी (Sagi)
सगरेवाला (Sagrewala)
साहेवाला (Sahewala)
सलारपुरिया (Salarpuria)
सलइयावाला (Saliyawala)
समालिया (Samalia)
समोदवाले (Samodwale)
समोता (Samota)
समथरवाला (Samtharwala)
सनावड़वाला (Sanavadwala)
संदरीवाले (Sandariwale)
सनेहीरामके (Sanehiramke)
सनेरवाला (Sanerwala)
संघोलिया (Sangholia)

संगीवाला (Sangiwala)
सांखूवाला (Sankhuwala)
सानोदिया (Sanodia)
सन्तुका (Santuka)
सारत (Sarat)
सरायवाला (Saraywala)
साड़ीवाल (Sariwal)
सरियावाला (Sariyawala)
सरसिलेवाला (Sarsilwala)
साठेवा (Satheva)
सतूका (Satuka)
साव (Saw)
सेडूका (Seduka)
सेकड़ा (Sekda)
सेलवाले (Selwale)
सेनावाले (Senawale)
सेठानीका (Sethanika)
सेवतका (Sevatka)
सेवदवाला (Sevdwala)
सेवतावाले (Sewatwale)

सक्तिया (Shaktiya)
शेरपुरवाले (Sherpurwale)
शिवाडवाले (Shivadwale)
शस्त्रधारा (Shstrdhara)
श्यामपुरिया (Shyampuria)
सीदासिका (Sidasika)
सिद्धपुरवाने (Siddhpurwane)
सिघनोदिया (Sighnodia)
सीसाहाला (Sisahala)
सिताबरायवाला (Sitabraiwala)
सितानी (Sitani)
सीतिया (Sitia)
सिवोटिया (Sivotia)
सीवपुरीया (Sivpuria)
सीवणवाले (Siwanwale)
सोढाणी (Sodhani)
सोमूदिया (Somudia)
सॉवलका (Souvlaka)
सुगन्धी (Sugandhi)
सुहासरिया (Suhasaria)

।। अग्रवाल कुटुंब नाम ।।

(यदि आपका पारिवारिक नाम इस सूचि में है तो कृपया गोत्र, स्थान, वंशावली आदि के साथ हमसे संपर्क करें।)

पृष्ठ: 14

सुजानगढ़िया (Sujangarhia)

सूजगढ़िया (Sujgarhia)

सुखजीका (Sukhjika)

सुंदरका (Sundarka)

सुनसुनजीका (Sunsunjika)

सुपारीबाला (supariwala)

सुरंगलीवाला (Surangiwal)

सूर्दवाले (Surdwale)

सूरशाही (Surshahi)

सूतिया (Sutia)

सुतोदिया (Sutodiya)

सूतपूतनीवाला (Sutputniwala)

ताड़पट्टीवाले (Tadapattiwale)

ताड़ी (Tadi)

टडक्या (Tadkya)

ताजपुरिया (Tajpuriya)

तलवंडीवाले (Talavandiwale)

तलगेया (Talgeya)

टमकोरिया (Tamakoriya)

टमोटिया (Tamotiya)

टपकड़ा (Tapkada)

तारानगरवाले (Taranagarawale)

टारिया (Tariya)

तेकरीवाड़ा (Tekriwada)

टेकवाले (Tekwale)

तेलकुलियावाले (Telakuliyawale)

टेलटिया (Telatiya)

ठाकुरदासजीका (Thakurdasjika)

थालवाला (Thalwala)

ठंडीरामका (Thandiramka)

थरपाल (Tharpal)

थावलेवाला (Thavalewala)

धूथरीवाल (Thuthariwal)

टीबड़ा (Tibada)

तिगुरानिया (Tiguraniya)

टिक्कीवाल (Tikkiwal)

टिल्ला (Tilla)

तीमड़वाले (Timadwale)

तीर्थपुरीवाले (Tirthapuriwale)

तीवरीवाले (Tivriwale)

तोला (Tola)

तोलातरिया (Tolatariya)

टोपीवाला (Topiwala)

तूदेवाले (Tudewale)

तुहीरामका (Tuhiramka)

तुरकापवाला (Turakapwala)

उदयपुरिया (Udayapuriya)

उदेयपुरिया (Udeypuriya)

उडियारावाले (Udiyarawale)

उकलवाड़ावाले (Ukalavadawale)

उलाजपुरिया (Ulaajapuriya)

ऊठवादिया (uthwadiya)

उतरावाल (Utrawal)

वधानिया (Vadhaniya)

वडवा (Vadwa)

वगडिया (Vagdiya)

वणीवाले (Vaniwale)

वापरना (vaprna)

वरवाल (Varwal)

वटावर (Vatavar)

harshgoel2k@gmail.com

वेद (Ved)

वेगवाल (Vegwal)

वेरनीवाले (Verniwale)

विछावतका (Vichhawatka)

विदसरिया (Vidsaria)

विजयका (Vijayaka)

वीपौपरिया (Vipoparia)

वोड़कीवाड़ा (Vodkiwada)

वोरा (Vora)

वृत्तासिया (Vrutsiya)

वारचोलिया (Warcholia)

योगी (Yogi)

।। निवेदन ।।

🙏आदरणीय समस्त सम्मानित अग्र बंधुओं, सप्रेम निवेदन 🙏

सभी अग्र भाइयों से विशेष अनुरोध है कि, अपने पूरे परिवार की एक वंशावली अवश्य बनाये। जिससे आने वाली पीढ़ी को अपने परिवार के बारे में जानकारी मिल सके।।इसका उपयोग विशेषकर गृह प्रवेश, नहवान्न के समय) (जन्म कुंडली), शादी विवाह के समय, कोई भी मंगल कार्यक्रम के समय, श्राद्ध के समय, पिंड दान के समय, पित्तरों के राती-जुगा के समय, आदि अनेक कार्यक्रम के समय, सबको इसकी जानकारी मिल सके। आने वाले समय पर ताऊ-ताई, बुवा-फूफा, मौसा-मौसी, साली-साढ़हु के रिश्ते का लुफ्त होना प्रायः तय सा है।जहाँ तक हो सके जन्म, शादी, मरण की तिथि अवश्य लिखे। भाई,बहनों, दादा-दादी, ताऊ-ताई चाचा-चाची , भाई-भतीजा,बेटा-बहु, बेटी विवाहित/अविवाहित, सभी की, जहाँ तक बन सके अवश्य लिखें। अगर हो सके तो या बन सके तो जन्म का स्थान और जन्म का समय जिसका भी मिल सके तो कृपया लिखियेगा। आप स्वयं इस बात को अनुभव करेंगें की समय के साथ यह जानकारी संचय कितना आवश्यक है समय से साथ लुप्त होती परम्परा को देखते हुऐ, यह अत्यन्त आवश्यक है कि परिवार के बारें में, जानकारी सभी को ज्ञात रहे। यह एक अथक प्रयास होगा, समय निकाल कर इसकी रचना करें। और समय समय पर और जानकारी जोड़ते रहें।

हर्ष वर्धन गोयल (अध्यक्ष)
अग्र वंशावली शोध परिषद्
agrvanshawali@gmail.com

यदि आप भी अपनी वंशावली इतिहास में संरक्षित करना हो या सहयोग करना चाहते हो तो संपर्क क

किसी विशेष फॉर्मेट की आवश्यकता नहीं

गोत्र:

आपका नाम:

पैतृक स्थान: / निवास स्थान:

पूर्वजो के नाम परदादा/परदादा के भाइयों का नाम का नाम:

परदादी/परदादीओं का नाम:

दादा/दादा के भाइयों का नाम का नाम:

दादी/ दादीओं का नाम:

सभी ताऊ/ सभी ताई का नाम:

पिता जी/ माता जी का नाम:

सभी चाचा जी/ चाची जी का नाम:

सभी ताऊ/चाचा के बच्चो का नाम:

भाईओं/बहनो का नाम और उनके बच्चे:

प्रत्येक नाम के साथ पिता का नाम अवश्य लिखे| सभी भाई, बहनो , चाचा चाची, दादी, परदादी सभी का नाम सम्मिलित करें, गांव और बुजुर्गो से बात करें

Form link: https://tinyurl.com/2p93h7ma

Facebook: https://www.facebook.com/100079717937729

Email: agrvanshawali@gmail.com

WhatsApp: https://tinyurl.com/3nryvjyp

।। लेखक परिचय ।।

हर्ष वर्धन गोयल

हर्ष वर्धन गोयल इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में एक दशक से अधिक से सिंगापुर में कार्यरत हैं। हिन्दी और संस्कृत भाषा के प्रति इनकी विशेष रुचि है और सिंगापुर में हिन्दी परिवार सिंगापुर के संस्थापक अध्यक्ष रहे हैं। हिंदी परिवार सिंगापुर की त्रैमासिक पत्रिका के संपादन में भी इन्होंने विशेष भूमिका निभाई है। हिन्दी परिवार सिंगापुर में अंग्रेज़ी सामग्री का हिन्दी भाषा में अनुवाद करने का शुभारंभ, अनुवाद कार्य का नेतृत्व और संचालन में भी इनका विशेष योगदान रहा है।

हर्ष वर्धन गोयल की उनके अपने जीवन के सुहावने पलों पर आधारित संस्मरिका "स्मृति के पदचिन्ह" (ISBN: 978-81-91765-61-3) पुस्तिका प्रकशित हुई है। दो अन्य पुस्तकें "त्रेता की नारी" और "मन की निहारिका" छपने गयी हुई है इससे पूर्व उन्होंने पतंजलि योगशास्त्र और केनोपनिषद् उपनिषद का इंग्लिश भाषा में अनुवाद किया है, इनकी दर्जनों कविताएँ और कहानियाँ भिन्न-भिन्न पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी हैं।

प्रातः स्मरणीय आदरणीय तात श्री ब्रह्मानन्द अग्रवाल जी और माताश्री स्वर्गीय श्रीमती कृष्णा देवी जी के पुत्र, पितामह स्वर्गीय सेठ लाला अंगूर शरण जी और पितामही स्वर्गीय श्रीमती किरणवती जी के पौत्र हैं जन्म स्थली दिल्ली और पैतृक स्थान सिवाल खास मेरठ उत्तर प्रदेश, कई पीढ़ी पहले यह परिवार महम के निकट चांदी (जिला - रोहतक) निवास करता था और उससे पूर्व अग्रोहा में, कदाचित ११९४ ईस्वी में अग्रोहा विध्वंस होने पर यह महम के पास चिड़ी नामक स्थान में विस्थापित हुआ। उसके पश्चात महम के सेठों पर भी जब बार-बार आक्रमण हुआ तब यह गोयल परिवार महम से बागपत और वह से सराय होता हुआ सिवाल गांव (मेरठ) में बस गया। तत्पश्चात दादाजी और पिताजी ने दिल्ली में निवास बनाया। वर्तमान में श्री हर्ष वर्धन गोयल जी सिंगापुर में निवास करते हैं उनके अग्रवालों के इतिहास के विषय में शोध पूर्ण लेख प्रकाशित होते रहते हैं।

।। लेखक परिचय ।।

अग्रवालों से सम्बंधित शोध पत्र और पुस्तक

- अग्रोहा, वैश्य कुल और धन के स्वामी कुबेर का संबंध
- अग्रवाल सेठों का जैन समाज में योगदान
- वर्णवाल भी हैं अग्रवाल
- अग्र वर्ग - पहेली (१८ गोत्रों पर आधारित वर्ग पहेली)
- चम्पेय जातक - बौद्ध पुस्तकों में महाराजा अग्रसेन का वर्णन
- महल नागर मल - बहावलनगर
- अग्रोहा का इतिहास - इब्न बतूता की पुस्तक उल रेहला से उद्धत
- अहिंसा परमोधर्म - लघु नाटिका
- अग्रवाल कुटुंबनाम प्रदीपिका (पुस्तक)

वसुधैव कुटुम्बकम्

अग्रवाल समाज वंशावली

।। वार्षिक पुस्तक 2024 ।।

harshgoel2k@gmail.com